राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रविंद्र जडेजा ने हार के बावजूद रिकॉर्ड बंव्द्धक में दर्ज करवाया नाम

यूलिया स्विरीडेंको बनीं यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री, निवर्तमान पीएम को रक्षा......... 12

वर्ष : 16 | अंक : 72 | नई दिल्ली, बुधवार, 16 जुलाई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

इतिहास रचकर धरती पर लौटे शुभांशु शुक्ला, अंतरिक्ष में 18 दिन बिताये

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एएक्स-4 मिशन के अपने तीन अन्य साथियों के साथ मंगलवार को धरती पर लौट आये। स्पेसएक्स का ड्रैगन अंतरिक्ष यान भारतीय समय के अनुसार दोपहर बाद तीन बजे के करीब समुद्र में उतरा। ग्रुप कैप्टेन शुक्ला और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने आईएसएस पर 18 दिन बिताये। इस दौरान उन्होंने कई वैज्ञानिक अनुसंधानों को अंजाम दिया। चारों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर यान भारतीय समय के अनुसार सोमवार दोपहर बाद चार बजकर 35 मिनट पर आईएसएस से रवाना हुआ था। बाइस घंटे से ज्यादा के सफर के बाद यान अमेरिका के कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में उतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि पर शुभांशु शुक्ला को समस्त देशवासियों की तरफ से बधाई दी है। उन्होंने इसे देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए एक और मील का पत्थर बताया है। आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला इस मिशन में पायलट के तौर पर शामिल हुए थे। अपने साथियों के साथ वहां उन्होंने कई अनुसंधान मिशनों को अंजाम दिया, जिनमें इसरो द्वारा तैयार किये गये मिशन भी शामिल थे। भारतीय वायु सेना में टेस्ट पायलट शुक्ला देश के पहले मानव

अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए चयनित संभावित क्रू में भी शामिल हैं। वह इस क्रू में एक मात्र ऐसे सदस्य बन गये हैं, जिनके पास अब अंतरिक्ष यात्रा का अनुभव है, जो मिशन के लिए महत्वपूर्ण है। एएक्स-4 मिशन की लॉन्चिंग 25 जून को हुई थी और मिशन 26 जून को आईएसएस पहुंचा था। ग्रुप कैप्टेन शुक्ला राकेश शर्मा के 41 साल बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे और आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय हैं। भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक कल्पना चावला और सुनीत विलियम्स नासा के मिशनों में आईएसएस पर जा

बधाईयों का तांता, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। शुभांशु की वापसी पर पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई लोगों ने शुभांशु को वापसी की बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए शुभांशु का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने लिखा,अंतरिक्ष में अपने ऐतिहासिक मिशन के बाद शुभांशु ने धरती पर वापसी की है। सभी देशवासियों के साथ मैं भी शुभांशु के स्वागत में शामिल हूं। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री बने शुभांशु अपने लगन और साहस से करोड़ों लोगों के सपनों को मजबूत किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर साबित हो सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, एएक्स-4 मिशन मिशन के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक वापसी पर सभी भारतीयों को गर्व है। केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह ने भी शुभांशु की वापसी पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, शुभांशु ने अंतरिक्ष में जो भी एक्सपेरिमेंट किए हैं, उनसे पूरी दुनिया को फायदा होगा। भारत ने अपनी क्षमता साबित कर दी है।

सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक, 30 प्रस्ताव स्वीकृत

कैबिनेट फैसला : बिहार में 1 करोड़ युवाओं को मिलेगा नौकरी और रोजगार

- अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी व रोजगार के लक्ष्य को मंजूरी

प्रात : किरण

पटना। सूबे में अगले पांच वर्षों में 2025-30 के दौरान एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगी। बैठक में अगले पांच वर्षों यानी 2030 तक एक करोड़ नौकरी और रोजगार के अवसर पैदा करने सहित कुल 30 निर्णय लिए गए। कैबिनेट सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कैबिनेट बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि ये नौकरी और रोजगार के अवसर सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में सृजित किए जाएंगे, साथ ही सरकार से किसी भी रूप में सहायता प्राप्त करने वाली फर्मों, उद्यमियों में भी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि बैठक में विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक 12 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया, जो इस उद्देश्य के लिए सभी संभावनाओं और विकल्पों पर विचार करने के बाद सरकार को अपने सुझाव देगी। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में, कैबिनेट ने सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ उन गैर-कॉर्पोरेट करदाताओं को भी देने का निर्णय लिया, जो राज्य के निवासी हैं और जिनका व्यवसाय राज्य में पंजीकृत है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वाणिज्य कर विभाग के प्रस्ताव बिहार व्यवसायी दुर्घटना मृत्यु अनुदान योजना, 2025 को मंजूरी दे दी गई है। इस प्रस्ताव के अनुसार, राज्य सरकार किसी व्यवसायी की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उसके निकटतम परिजन को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देगी, बशर्ते व्यवसायी बिहार का निवासी हो या उसने राज्य में अपना व्यवसाय पंजीकृत कराया हो। राज्य के व्यवसायियों को लाभ पहुंचाने के अलावा, यह जीएसटी करदाताओं को भी कवर करेगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को एकमुश्त राशि के भुगतान के लिए 394.41 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता भी स्वीकृत की है। उन्होंने आगे कहा कि गैर-सहायता प्राप्त शिक्षा नीति को समाप्त करने के बाद, सरकार विभिन्न प्रभागों में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या के आधार पर ऐसे विद्यालयों को अनुदान देती है।

मेट्रो रेल परियोजना : 179.37 करोड़ राशि स्वीकृत

पटना मेट्रो के प्राथमिकता वाले कॉरिडोर के रखरखाव के लिए धनराशि स्वीकृत -सिद्धार्थ ने बताया कि पटना मेट्रो रेल परियोजना के प्राथमिकता वाले कॉरिडोर के रखरखाव के लिए दो साल आठ महीने (अगस्त 2025 और मार्च 2028) की अवधि के लिए 179.37 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की गई है। उन्होंने आगे बताया कि यह राशि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को दी जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने तीन-कार सिंगल ट्रेनसेट मेट्रो को तीन साल की अवधि के लिए किराए पर लेने के लिए 21.15 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की। गौरतलब है कि मेट्रो ट्रेन सबसे पहले मलाही पकरी और न्यू आईएसबीटी के बीच एक एलिवेटेड सेक्शन पर प्राथमिकता वाले कॉरिडोर पर अपनी सेवा शुरू करेगी। पटना की ही तरह भागलपुर और मुंगेर में गंगा पर परियोजना को मंत्रिमंडल ने अपनी मंजूरी दी है। इसके तहत भागलपुर में सुल्तानगंज-भागलपुर-सबोर के बीच 40.80 किलोमीटर लंबा पथ बनेगा। इसके लिए 4,850 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। मुंगेर जिले में भी गंगा पथ परियोजना को मंजूरी दी गई है। मुंगेर -बरियारपुर-घोरघट -सुल्तानगंज के बीच 42 किलोमीटर लंबा पथ बनेगा और इसके लिए 5,120 करोड़ रुपये की स्वीकृत दी गई ।

बीएलओ के छह हजार मानदेय

बिहार कैबिनेट की बैठक में निर्वाचन विभाग से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में बीएलओ को तोहफा दिया गया है। बूथ लेवल ऑफिसर को 6000 रुपये का एकमुश्त मानदेय-मंत्रिमंडल ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के लिए 77,895 बूथ लेवल ऑफिसर और 8245 बीएलओ पर्यवेक्षकों को 6000 रुपये का एकमुश्त मानदेय देने का निर्णय लिया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि इस हेतु 51.68 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।बिहार कैबिनेट की बैठक में चार डॉक्टरों को बर्खास्त करने को लेकर भी निर्णय लिया गया है। इसके तहत लखीसराय में पोस्टेड डॉक्टर कृतिका सिंह, डॉ कृति किरण, बेगूसराय में पोस्टेड डॉक्टर चंदना कुमारी और जमुई में तैनात डॉक्टर निमीषा रानी को सरकारी सेवा से बर्खास्त करने का फैसला लिया गया है।

योजनाओं का काम निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पूरा हो : नीतीश

- मुख्यमंत्री ने समस्तीपुर जिला के सरायरंजन प्रखंड में 522 करोड़ रुपए से अधिक की विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को समस्तीपुर जिला के सरायरंजन प्रखंड में 522.77 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सरायरंजन प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत मणिका स्थित राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय से 200.67 करोड़ रुपए की लागत वाली तीन योजनाओं से संबंधित शिलापट्ट का अनावरण कर शिलान्यास किया। इनमें 62.25 करोड़ रुपए की लागत से शिवाजीनगर प्रखंड में करेह नदी के शंकरपुर घाट पर 12:27.800 मी० का उच्चस्तरीय आर०सी०सी० पुल एवं पहुँच पथ का निर्माण कार्य, 42.308 करोड़ रुपए की लागत से मणिका एसएच-88 से विक्रमपुर एनएच०-322 तक बाईपास पथ का निर्माण कार्य एवं 96.11 करोड़ रुपए की लागत से रोसड़ा-शिवाजीनगर-बरियाही घाट-बहेड़ी पथ का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य शामिल है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप पुदुकलकट्टी ने साइट प्लान के माध्यम से शिलान्यास किए गए विकास योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने समस्तीपुर जिला के सरायरंजन प्रखंड अंतर्गत मुसापुर ग्राम पंचायत स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर से बलान एवं जमुआरी नदी के गाद उड़ाही कार्य के शिलापट्ट का अनावरण कर शिलान्यास किया, इसकी कुल लागत राशि 322.10 करोड़ रुपया है। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने मुख्यमंत्री को साइट प्लान के माध्यम से बलान एवं जमुआरी नदी के गाद उड़ाही कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आज शिलान्यास किए गए विकास योजनाओं का काम निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप ठीक ढंग से पूर्ण हो, इसका विशेष रूप से ख्याल रखें। हमलोग प्रारम्भ से ही हर क्षेत्र में विकास का काम कराते रहे हैं। सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल, अस्पताल से लेकर हर आवश्यक बुनियादी सुविधाएं बेहतर ढंग से लोगों तक पहुंचे, इसके लिए हमलोग निरंतर लगे रहते हैं। बलान और जमुआरी नदी के गाद की उड़ाही हो जाने से लोगों को काफी लाभ मिलेगा।

प्रगति यात्रा के दौरान की घोषणाओं का शिलान्यास

ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के प्रथम चरण में 13 जनवरी 2025 को समस्तीपुर जिला में भ्रमण के दौरान आज शिलान्यास किए गए विकास योजनाओं की घोषणा की थी। इनमें बलान एवं जमुआरी नदी के गाद उड़ाही कार्य के अंतर्गत बलान नदी के किमी 0.00 (समस्तीपुर जिलान्तर्गत मुसापुर ग्राम के नजदीक) से किमी 78.70 (बेगूसराय जिलान्तर्गत नउला ग्राम के निकट भीठ स्लूईस) तक नदी के तल सफाई कार्य के साथ जमुआरी नदी के किमी 0.00 मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत हरसिंगपुर ग्राम के समीप (ढोली स्लूईस) से किमी 54.06 तक (ग्राम मुसापुर) समस्तीपुर जिलान्तर्गत नदी के तल में जमे गाद की सफाई, दो अदद् चेक डैम एवं विभिन्न बिन्दुओं पर 33 द्विपथीय सेतु का निर्माण कार्य रू0322.10 करोड़ की लागत से प्रारम्भ की जा रही है। इस योजना के कार्यान्वयन से बलान एवं जमुआरी नदी में ग्रीष्मकाल में भी पर्याप्त पानी का जलस्तर बना रहेगा जिससे नदी के दोनों तरफ बसे हुए गाँव में भूमिगत जल की समस्या का समाधान होगा। साथ ही साथ बाढ़ की अवधि में नदी के दोनों तरफ बसे हुए इलाको में पानी का अनावश्यक फैलाव तथा जल जमाव के समस्या का समाधान भी होगा जिससे ग्रामीण जनता को इसका समुचित लाभ मिलेगा। योजना के कार्यान्वयन से समस्तीपुर जिलान्तर्गत पुसा, ताजपुर, मोरवा, सरायरंजन, विद्यापति नगर एवं दलसिंहसराय प्रखंड, बेगुसराय जिलान्तर्गत तेघड़ा, मंसुरचक, वीरपुर एवं भगवानपुर प्रखंड तथा मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत मोरौल एवं सकरा प्रखंड के लोग लाभान्वित होंगे।

ये रहें मौजूद :

इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, सांसद शांभवी चौधरी, विधायक राजेश कुमार सिंह, विधान पार्षद डॉ तरुण कुमार, पूर्व मंत्री वैधनाथ सहनी, पूर्व सांसद अश्वमेघ देवी, पूर्व विधायक विद्यासागर निषाद, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप पुदुकलकट्टी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एलसीए तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान के लिए भारत को अमेरिका से मिला दूसरा जीई-404 इंजन

प्रात : किरण

नई दिल्ली। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार भारत को लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क 1ए लड़ाकू विमान के लिए अमेरिका से दूसरा जीई-404 इंजन मिल गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। ये इंजन एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमानों में लगाए जाएंगे। भारतीय वायु सेना ने 83 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमानों के ऑर्डर दिए हैं और रक्षा मंत्रालय की मंजूरी के बाद 97 और ऐसे विमान खरीदने का प्रस्ताव अंतिम चरण में है। भारत ने फरवरी 2021 में एचएएल के साथ 48 हजार करोड़ का एक समझौता किया था। इस अनुबंध में 73 तेजस मार्क 1ए जेट और 10 प्रशिक्षक विमान शामिल थे। भारतीय वायु सेना को 2024 में पहली खेप मिलने की उम्मीद थी, लेकिन इसी बीच अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस (जीई) ने एफ-404 इंजन का उत्पादन बंद कर दिया। भारतीय वायु सेना के साथ फरवरी, 2021 में अनुबंध होने के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को इसी साल मार्च से नए विमान की आपूर्ति होनी थी, लेकिन इसमें लगने वाले इंजन की अमेरिका से आपूर्ति में देरी की वजह से इंतजार लंबा हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मार्च में वाशिंगटन यात्रा के दौरान इंजन आपूर्ति में देरी का मुद्दा उठाया गया था। इसके बाद विक्रेता-संबंधी व्यवधानों को दूर करने के बाद जीई ने उत्पादन फिर से शुरू कर दिया। आखिरकार एयरोस्पेस ने भारत के स्वदेशी लड़ाकू जेट एलसीए मार्क-1ए के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को इंजन की आपूर्ति शुरू कर दी। कंपनी ने इसी साल 26 मार्च को पहला इंजन वितरित किया। इसके बाद 13 जुलाई को जीई ने दूसरा इंजन भेजा। इस डिलीवरी के साथ कंपनी ने अपनी उत्पादन प्रक्रिया में स्थिरता का संकेत दिया है। कंपनी अब मासिक रूप से दो इंजन वितरित करने की योजना बना रही है। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने एक बयान में कहा है कि एफ-404 इंजनों की आपूर्ति अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों का विकास करके भारत की सेना के लिए एक मजबूत भविष्य सुनिश्चित करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जीई एयरोस्पेस का भारत में सैन्य जेट प्रणोदन सहयोग का एक मजबूत इतिहास है। एचएएल के साथ 40 साल के संबंधों और देश की रक्षा निर्माण क्षमताओं को बढ़ाते हुए 1980 के दशक में एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के साथ सहयोग करने के बाद जीई एयरोस्पेस के एफ-404 इंजन को 2004 में सिंगल-इंजन तेजस के लिए चुना गया था। यह इंजन भारत के एकल इंजन वाले लड़ाकू विमान के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। जीई एयरोस्पेस से लगातार इंजन मिलने से तेजस एमके1ए का उत्पादन नियमित हो सकेगा। हाल ही में एचएएल की साझा की गई तस्वीरों में टेल नंबर एलए-5041 तक के ढांचे दिखाई दिए हैं। पहले विमान का ढांचा नंबर एलए-5033 था और इस सीरियल नंबर के अनुसार कम से कम 9 एयरफ्रेम तैयार हैं। एचएएल ने पहले प्रति वर्ष 16 विमान बनाने की योजना बनाई थी, लेकिन इंजन की आपूर्ति में तेजी आने से प्रतिवर्ष 24 विमानों की आपूर्ति की जा सकती है। इससे तेजस एमके1ए के उत्पादन में हुई देरी की भरपाई करके एचएएल वायु सेना को आपूर्ति शुरू करेगा। इंजन वितरण में देरी के कारण एचएएल को वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा था, लेकिन अब सब कुछ पटरी पर लौटता दिख रहा है।

अब जमीन की खरीद-बिक्री के साथ नक्शा भी अपडेट

- बिहार में एकीकृत भू अभिलेख प्रबंधन प्रणाली स्थानिक दाखिल खारिज पोर्टल की शुरूआत

प्रात : किरण

पटना। राज्य के नागरिक अब घर बैठे अपनी जमीन से जुड़े नक्शे, सर्वेक्षण की स्थिति और आवेदन की प्रगति ऑनलाइन देख सकेंगे। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने डिजिटल भू-अभिलेख प्रबंधन को एक नई दिशा देते हुए मंगलवार को एकीकृत भू अभिलेख प्रबंधन प्रणाली स्थानिक दाखिल खारिज पोर्टल की शुरूआत की। इसका उद्घाटन पटना के सर्वे भवन में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने किया। उन्होंने कहा कि डिजिटाइजेशन विभाग का महत्वपूर्ण कार्य है। झोला युग को समाप्त कर लैपटॉप युग की शुरूआत हो गई है। विशेष सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण होते ही स्थानिक दाखिल खारिज का लाभ सभी को मिलने लगेगा। त्वरित न्याय और त्वरित काम मुख्य उद्देश्य है। इस उच्च तकनीक प्रणाली से काम करने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। आम लोगों को इस एकीकृत प्रणाली का बहुत लाभ मिलेगा और विवाद का समापन होगा। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रणाली को उन सभी गांवों में लॉन्च करने का प्लान है जहां विशेष सर्वेक्षण के तहत अंतिम अधिकार अभिलेख प्रकाशित हो गया है। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि ये टीम की लंबी मेहनत का परिणाम है। इसके लिए पूरी टीम बधाई की पात्र है। सचिव श्री जय सिंह ने कहा कि विभाग का आईआईटी, रुड़की से समन्वय राजस्व के कार्यों को नई प्रगति दे रहा है। इस प्रणाली से एक भाई अगर अपना हिस्सा बेचता है तो उसका नक्शा भी स्वतः उसके साथ लग जाएगा। जॉइंट प्रॉपर्टी में किसने अपना कहाँ का हिस्सा बेचा यह जानकारी आसानी से पता चल पायेगी। वर्तमान में तीन जिलों के 80 से अधिक गांवों से इसकी शुरूआत हो रही है। इसके बाद फीडबैक के आधार पर क्रमवार इसमें सुधार किया जाएगा। आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर कमल जैन ने कहा कि एकीकृत भू अभिलेख प्रबंधन प्रणाली के तहत स्थानिक दाखिल खारिज की शुरूआत करने वाला बिहार देश का पहला राज्य बन गया है। आई आई टी, रुड़की द्वारा विकसित और इसमें प्रयोग किया गया जीआईएस सॉल्यूशन मेक इन इंडिया के तहत किया गया है। इससे पहले उपरोक्त सॉल्यूशन पर होने वाले सारे कार्य विदेशी तकनीक पर आधारित थे और उसका हमेशा लागत देना पड़ता है। इसमें ऐसा नहीं है। हमारे सॉल्यूशन में एक बार जो लागत आई वही खर्च हुआ।

बिहार एसआईआर : अब तक 86.32 प्रतिशत गणना प्रपत्र जमा

प्रात : किरण

पटना। मतदाता सूची के प्रारूप में सभी पात्र मतदाताओं का नाम शामिल हो, यह सुनिश्चित करने हेतु कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत शेष मतदाताओं से भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्र करने के लिए लगभग एक लाख बीएलओ द्वारा घर-घर भ्रमण का तीसरा चरण शीघ्र ही शुरू होने जा रहा है। बीएलओ उन घरों में पुनः जाएंगे जहां पहले के दौरों में मतदाता अस्थायी रूप से अनुपस्थित थे। बिहार एसआईआर के अंतर्गत भरे हुए गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि को अब 10 दिन शेष हैं। बिहार के कुल 7,89,69,844 मतदाताओं में से 6,81,67,861 यानी 86.32 प्रतिशत के ईएफ एकत्र किए जा चुके हैं। मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत लोगों को ध्यान में रखते हुए, कुल मतदाता आधार का 90.84 प्रतिशत भाग ईएफ संग्रहण के दायरे में आ चुका है। अब केवल 9.16% मतदाताओं को 25 जुलाई की समय सीमा से पहले अपने ईएफ जमा करने हैं।

सभी 261 नगरीय निकायों के 5,683 वार्डों में विशेष कैंप लगाए गए हैं और समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कर शेष बचे मतदाताओं को समय पर ईएफ भरने और 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने हेतु जागरूक किया जा रहा है। बीएलओ ऐसे मतदाताओं को अपने मोबाइल फोन के माध्यम से ऐप या वेबसाइट पर ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

मेडिकल कॉलेजों के पांच विभागों में 30% गैर चिकित्सक शिक्षक नियुक्त होंगे

प्रात : किरण

नई दिल्ली। मेडिकल कॉलेजों के पांच विभागों में शिक्षकों के करीब एक तिहाई पदों पर अब गैर चिकित्सक शिक्षकों की नियुक्ति भी हो सकेगी। इस बारे में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने निर्देश जारी किए हैं। यह कदम इसलिए उठाना पड़ा क्योंकि इन विभागों के लिए चिकित्सक शिक्षक नहीं मिल रहे हैं। एनएमसी की ओर से सोमवार को जारी निर्देश में कहा गया है कि एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी एवं फामार्कालॉजी विभागों में 30 फीसदी शिक्षक पदों को गैर चिकित्सा शिक्षकों से भरा जाएगा। यानी इन विषयों में विश्वविद्यालयों से एमएससी और पीएचडी करने वाले अब मेडिकल कॉलेजों में शिक्षक बन सकेंगे। पहले नियमों के तहत उन्हें एमबीबीएस के साथ-साथ संबंधित विषयों में पीजी और पीएचडी की योग्यता होनी चाहिए थी। इसलिए नहीं मिल रहे चिकित्सक शिक्षक एनएमसी सूत्रों ने कहा कि उपरोक्त विषयों के लिए चिकित्सा शिक्षक नहीं मिलने के पीछे दो कारण हैं। एक उपरोक्त पांचों विषय नॉन क्लीनिकल हैं। यानी उनमें उपचार का काम नहीं होता है। ऐसे में इन विषयों में एमबीबीएस करने के बाद पीजी करने वाले डॉक्टर पर्याप्त संख्या में नहीं मिल रहे हैं। स्थिति यह है कि जिन मेडिकल कॉलेजों में इन विषयों में पीजी की सीट हैं, वे अक्सर खाली रह जाती हैं। इस प्रकार इन विषयों के चिकित्सक शिक्षक तैयार नहीं हो पा रहे हैं। दूसरी तरफ मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इस समय देश में करीब 780 मेडिकल कॉलेज हैं। पिछले 10 सालों में कॉलेजों की संख्या दोगुनी हुई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 16 जुलाई, 2025

संक्षिप्त समाचार

घर में सो रही वृद्धा पर लावारिस पशु ने हमला कर किया घायल

काशीपुर, एजेंसी। घर में सो रही एक वृद्धा लावारिस पशु के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उसे सरकारी अस्पताल पहुंचाया। ग्राम करनपुर निवासी राममूर्ति (75) पत्नी बांकेलाल घर में सोई हुई थीं। रविवार देर रात एक लावारिस पशु ने घर में घुसकर हमला कर दिया। शोर होने पर परिजनों की आंख खुल गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग भी एकत्र हो गए। उनके खदेड़ने पर वह भागा। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने उन्हें एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि बुजुर्ग का घर खुला हुआ है। गांव में करीब 15-16 लावारिस पशु घूम रहे हैं। अब तक कई लोगों पर हमला कर चुके हैं। फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। प्रशासन को इन्हें पकड़ कर कहीं दूर छुड़वाना चाहिए या कोई व्यवस्था की जाए।करनपुर पशु चिकित्सालय प्रभारी डॉ. योगेश कुमार ने बताया कि सप्ताह में तीन-चार बीमार लावारिस पशुओं का इलाज किया जा रहा है। यूपी क्षेत्र के लोग यहां टैग हटाकर लावारिस पशुओं को छोड़ जाते हैं। ये क्षेत्र में बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। इस समस्या के समाधान के लिए ग्राम प्रधान, नगर पंचायत और प्रशासन को आगे आना होगा। सभी के सहयोग से इन्हें पकड़कर गोशाला छुड़वाया जा सकता है।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप, केस दर्ज

दिनेशपुर, एजेंसी। एक युवती ने पुलिस को तहरीर देकर एक युवक पर शादी का झांसा देकर पांच साल तक शारीरिक शोषण का आरोप लगाया है। सीओ डीआर वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 69 के तहत आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। क्षेत्र के एक गांव की युवती ने सोमवार को थाने में दी तहरीर में कहा कि मदनापुर निवासी लाखन सिंह ने पांच साल पहले शादी का झांसा देकर उससे प्रेम संबंध बना लिया। इस दौरान लाखन ने उससे कई बार शारीरिक संबंध भी बनाए। शादी की बात करने पर वह उसे लगातार भरोसा देता रहा। लाखन के परिजनों ने भी उसकी शादी कराने का भरोसा दिया। आरोप है कि बीते दिवस लाखन ने अन्य युवती से शादी कर ली और उससे शादी करने से इनकार कर दिया।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप, केस दर्ज

दिनेशपुर, एजेंसी। एक युवती ने पुलिस को तहरीर देकर एक युवक पर शादी का झांसा देकर पांच साल तक शारीरिक शोषण का आरोप लगाया है। सीओ डीआर वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 69 के तहत आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। क्षेत्र के एक गांव की युवती ने सोमवार को थाने में दी तहरीर में कहा कि मदनापुर निवासी लाखन सिंह ने पांच साल पहले शादी का झांसा देकर उससे प्रेम संबंध बना लिया। इस दौरान लाखन ने उससे कई बार शारीरिक संबंध भी बनाए। शादी की बात करने पर वह उसे लगातार भरोसा देता रहा।लाखन के परिजनों ने भी उसकी शादी कराने का भरोसा दिया। आरोप है कि बीते दिवस लाखन ने अन्य युवती से शादी कर ली और उससे शादी करने से इनकार कर दिया।

बारिश में डिपो का फर्श कम गड्ढे अधिक नजर आते हैं

काशीपुर, एजेंसी। आरओबी बनने से रोडवेज परिसर का हाल बदहाल हो गया है। पूरे परिसर में इतने गड्ढे हो गए हैं कि यहां आने-जाने वाली सवारियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर बारिश के दौरान तो बुरे हालत हो जाते हैं। काशीपुरवासियों के लिए रोडवेज बसों की सुविधा देने के लिए वर्ष 1982 में बनाया गया रोडवेज बस स्टेशन समय गुजरने के साथ अपनी बदहाली के आंसू बहा रहा है। रोडवेज बस स्टेशन बनने के बाद इसकी विभाग की ओर से कोई खास देखरेख नहीं की गई जिससे यह अब जीर्णशीर्ण हालत में पहुंचने लगा है। वर्ष 2017 में काशीपुर के महाराणा प्रताप चौक पर आरओबी बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद से इस डिपो परिसर के हालत और ज्यादा बुरे होने लगे। कार्यदायी ठेकेदार कंपनी ने डिपो परिसर के एक हिस्से को अपनी निर्माण सामग्री का गोदाम बना लिया था। ऐसे में यहां भारी वाहनों की आवाजाही होने से परिसर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

ग्रामीण महिलाओं को नहीं पता सर्वाइकल व स्तन कैंसर भी होती है कोई बीमारी, मिले चौंकाने वाले तथ्य

ऋषिकेश, एजेंसी।
एम्स के चिकित्सकों के किए शोध में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। सर्वे में 18 वर्ष की युवती से लेकर 65 वर्ष तक की महिलाओं को शामिल गया। पता चला कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की 38 फीसदी महिलाओं को पता ही नहीं है कि स्तन कैंसर जैसी कोई बीमारी भी होती है।

सरकार कैंसर जैसी बीमारियों से बचाव के लिए विभिन्न योजनाएं और अभियान चला रही है, लेकिन धरातल पर स्थिति यह है कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को पता ही नहीं कि स्तन कैंसर व सर्वाइकल कैंसर जैसी भी कोई बीमारी होती है। दूरस्थ ग्रामीण की अधिकांश महिलाओं ने इन बीमारियों का नाम तक नहीं सुना है। यह चौंकाने वाले तथ्य एम्स के चिकित्सकों के एक शोध में सामने आए हैं। यह शोध बीती मई माह में अमेरिका के प्रसिद्ध

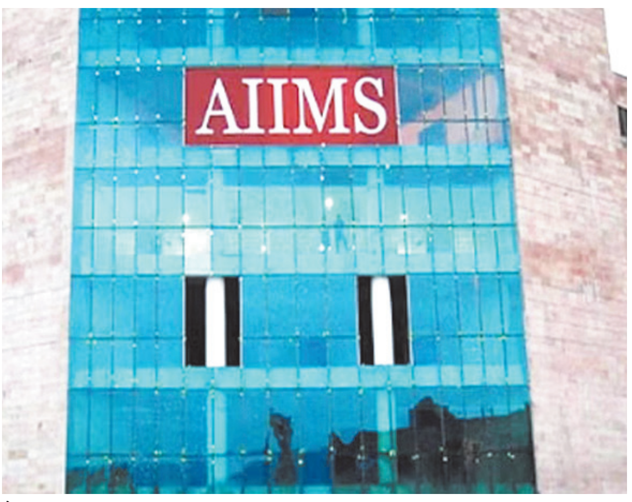

कैंसर कॉजेज एंड कंट्रोल नाम के जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

यूकास्ट के सहयोग से एम्स के चिकित्सकों ने स्तन कैंसर व सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता के लिए पौड़ी जनपद के दूरस्थ चार विकासखंडों की ग्रामीण महिलाओं पर शोध किया। जनवरी 2022 से दिसंबर 2023 तक किए गए इस शोध में दूरस्थ विकासखंड नैनीडांडा, रिखणीखाल, जयहरीखाल व पोखड़ा की 589 महिलाओं को शामिल किया गया। महिलाओं से स्तन कैंसर व सर्वाइकल (बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) के बारे में जानकारी पूछी गई। एम्स के इस शोध में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

शोध टीम में शमिल कैंसर रोग विभाग के डॉ. दीपक सुंद्रियाल ने बताया कि सर्वे में 18 वर्ष की युवती से लेकर 65 वर्ष तक की महिलाओं को शामिल गया। शोध में स्पष्ट हुआ कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की 38 फीसदी महिलाओं को पता ही नहीं है कि स्तन कैंसर जैसी कोई बीमारी भी होती है। इससे ज्यादा खराब स्थिति सर्वाइकल कैंसर (बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) की जानकारी से संबंधित है।

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र की 79 फीसदी महिलाओं ने सर्वाइल कैंसर का नाम तक नहीं सुना है। जिन महिलाओं को इन दोनों बीमारियों के बारे में थोड़ा बहुत जानकारी है भी तो उसमें से भी 14 से 50 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं जिन्हें इन बीमारियों के प्राथमिक लक्षणों की कोई पहचान ही नहीं है। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लगने वाले टीके के बारे में तो सिर्फ 6.5 फीसदी महिलाओं को ही पता है। शोध में सकारात्मक पहलू यह निकलकर आया है कि 57 फीसदी महिलाओं ने सुविधा व जानकारी मिलने पर कैंसर जैसी बीमारी के लिए नियमित समय पर जांच के लिए हामी भरी। इससे स्पष्ट है कि यदि दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं को जानकारी व सुविधा मिले तो वह इन जानलेवा बीमारियों से बचाव में पूरी सक्रियता दिखाएंगी।

एम्स की शोध टीम के डॉ. दीपक सुंद्रियाल बताते हैं कि दूरस्थ क्षेत्रों में जागरूकता के लिए गतिविधियां आयोजित की जानी चाहिए। इन बीमारियों से बचाव के लिए ग्रामीण महिलाओं से लगातार संवाद होना चाहिए। प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों के कर्मियों को इन रोगों की जांच व पहचान के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। आशाएं इस अभियान में महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं। इसलिए इन्हें भी जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

शोध कार्य यूकास्ट के वित्तीय सहयोग से किया गया। सर्वे कार्य में उत्तराखंड मानव सेवा समिति के अध्यक्ष वीएन शर्मा के सहयोग से समिति के सदस्यों ने किया। शोध में एम्स के डॉ. दीपक सुंद्रियाल, डॉ. अमित सहरावत, डॉ. योगेश बहुरूपी, डॉ. शालिनी राजाराम, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. प्रदीप अग्रवाल, डॉ. स्वीटी गुप्ता व डॉ. प्रीति शामिल रहीं।

कैंसर रोग से पीड़ित महिलाओं में स्तन कैंसर पहले नंबर पर है। भारत में कैंसर रोग से पीड़ित कुल महिलाओं में 28.8 फीसदी महिलाएं स्तन कैंसर से ग्रसित हैं। वहीं 10.6 फीसदी महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित हैं। वर्ष 2024 में भारत में कैंसर के 15 लाख 33 हजार नए मामले पकड़ में आए।

पंचायत चुनाव डबल वोटर लिस्ट मामला : हाईकोर्ट ने कहा- चुनाव पर नहीं, सर्कुलर पर रोक लगाई

नैनीताल, एजेंसी।
उत्तराखंड हाईकोर्ट ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में दो मतदाता सूचियों में नाम वाले मतदाताओं को मतदान का अधिकार देने और चुनाव लड़ने से संबंधित विवाद में स्पष्ट आदेश चाहने के बाबत चुनाव आयोग के प्रार्थना पत्र पर कोई आदेश नहीं दिया.

कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि 11 जुलाई को जारी आदेश उत्तराखंड पंचायत राज अधिनियम के अनुसार है, इसलिये आयोग पंचायत राज अधिनियम के पालन के लिये स्वयं जिम्मेदार है. कोर्ट ने कहा कि हमने चुनाव पर रोक नहीं लगाई है. केवल चुनाव आयोग द्वारा 6 जुलाई को जारी सर्कुलर पर रोक लगाई है. चुनाव आयोग के अधिवक्ता अरविंद वशिष्ट की ओर से बताया गया कि चुनाव पर किसी भी तरह की रोक नहीं है. कोर्ट ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए. कोर्ट ने ये भी साफ किया है कि अगर किसी को नामांकन या अन्य किसी प्रक्रिया कोई दिक्कत है, वो चुनाव याचिका दाखिल कर अपनी बात रख सकता है. पंचायत चुनाव पर रोक नहीं है-

मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ में हुई. उत्तराखंड निर्वाचन आयोग ने रविवार को हाईकोर्ट के समक्ष प्रार्थना पत्र देकर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के संबंध में हाईकोर्ट द्वारा 11 जुलाई को जारी आदेश से चुनाव प्रक्रिया रुकने का उल्लेख करते हुए उस आदेश को मॉडिफाई करने की मांग की गई थी. बता दें कि, बीती 11 जुलाई को मुख्य न्यायधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने चुनाव आयोग द्वारा 6 जुलाई को जिला निर्वाचन अधिकारियों को जारी सर्कुलर पर रोक लगा दी थी. आयोग ने इस सर्कुलर में कहा था कि जिन लोगों के नाम ग्राम पंचायत की मतदाता सूची में हैं, उन्हें मतदान करने या चुनाव लड़ने से न रोका जाए. जबकि उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम की धारा 9 के उपनियम 6 व 7 में उल्लेख है कि जिन मतदाताओं के नाम एक से अधिक मतदाता सूची (शहरी व ग्रामीण क्षेत्र) में हैं, तो वो मतदान करने या चुनाव लड़ने के योग्य नहीं होगा.

दिसंबर 2026 तक रामनगर रोड आरओबी शुरू करने का दावा

काशीपुर, एजेंसी। रामनगर रोड पर चल रहे आरओबी के निर्माण कार्य में विलंब को लेकर पूर्व विधायक ने एनएचएआई के ईई, एसडीएम और ठेकेदार के साथ बैठक की। इस दौरान विभाग ने निर्माण कार्य को दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का दावा किया गया। तय समय पर कार्य नहीं पूर्ण होने पर पूर्व विधायक ने एसडीएम से कार्रवाई करने की बात कही है।

रामनगर रोड स्थिति विधायक कार्यालय में पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा ने एनएचएआई के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार, उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह और ठेकेदार राजेश कुमार के साथ बैठक की। इस दौरान चीमा ने कहा कि शहर के दोनों आरओबी का निर्माण दो साल में पूर्ण करने का समय दिया था। बाजपुर रोड का आरओबी सात साल में बनकर तैयार हुआ, जबकि रामनगर रोड का आरओबी अभी भी निर्माणाधीन है।

विभाग ने बताया कि कांट्रैक्टर काम छोड़कर चला गया था और जमीन अधिग्रहण का मामला हाईकोर्ट में चला गया था। इस कारण समय लग गया। एनएचएआई के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार ने दिसंबर 2026 तक निर्माण कार्य पूर्ण करने का दावा किया।

पूर्व विधायक ने कहा कि एसडीएम की जिम्मेदारी है कि गुणवत्ता के साथ समय पर काम कराना सुनिश्चित करें। जनवरी 2026 में दोबारा बैठक करेंगे। छह महीने में पता चल जाएगा कि निर्माण समय रहते पूरा हो सकेगा या नहीं। एक हफ्ते बाद विधायक त्रिलोक सिंह, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, एसडीएम और अन्य अधिकारियों के साथ दोनों आरओबी का निरीक्षण करेंगे।

जिला पंचायत सदस्य के लिए देवलचौड़ बंदोबस्ती में कड़ा मुकाबला, प्रत्याशियों ने प्रचार किया तेज

हल्द्वानी, एजेंसी। चुनाव चिन्ह मिलते ही पंचायत चुनाव के प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है. दरअसल इस चुनाव में कई प्रत्याशियों के प्रतिष्ठा दांव पर लगी है. इस बीच चुनाव चिन्ह आवंटन पर असमंजस और चुनाव को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई से उम्मीदवार भी कन्फ्यूज हो रहे थे. लेकिन सोमवार को जब हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव चिन्हों का आवंटन शुरू किया तो पंचायत चुनाव का उत्साह बढ़ गया.उत्तराखंड पंचायत चुनाव प्रचार ने पकड़ा जोर- उत्तराखंड में पंचायत चुनाव ने जोर पकड़ लिया है. ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य सहित कई पदों के लिए चुनाव चल रहे हैं. कई प्रत्याशियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है. नैनीताल जिले में जिला पंचायत क्षेत्र संख्या 20 देवलचौड़ बंदोबस्ती में चुनावी सरगर्मियां काफी तेज हो गई हैं. चुनाव चिन्ह आवंटन के साथ ही प्रत्याशियों ने अपना प्रचार तेज कर दिया है. देवलचौड़ बंदोबस्ती में है कड़ा मुकाबला- जिला पंचायत सदस्य के लिए देवलचौड़ बंदोबस्ती से बीजेपी ने जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष आनंद सिंह दरमवाल की पत्नी दीपा दरमवाल को मैदान में उतारा है. प्रतिष्ठा दांव पर लगी है. वहीं कांग्रेस ने किरन नेगी को मैदान में उतारा है. इस सीट पर मुकाबला दिलचस्प देखा जा रहा है. दीपा दरमवाल ने जहां अपना प्रचार तेज कर दिया है, तो वहीं किरन नेगी घर-घर जाकर अपने समर्थन में लोगों से वोट डालने की अपील कर रही हैं. इस सीट से भारतीय जनता पार्टी की अधिकृत प्रत्याशी दीपा दरमवाल ने अपने चुनाव प्रचार में काफी तेजी ला दी है.

आगासी और हेविट के बेटों को हरा चुका है उत्तराखंड मूल का टेनिस प्लेयर, बना जूनियर विंबलडन रनर अप

पिथौरागढ़, एजेंसी।
जूनियर विंलबडन का फाइनल खेला जा चुका है. उत्तराखंड मूल के अमेरिकी टेनिस प्लेयर रोनिक कार्की दुनिया की सबसे बड़ी लॉन टेनिस प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में रनर अप रहे. 17 साल के रोनित कार्की को बुल्गारिया के इवान इवानोव के हाथों 6-2, 6-3 से हार मिली. इसके बावजूद आज दुनिया भर के टेनिस प्लेयर्स और खेल विशेषज्ञों में उनकी चर्चा है.

विंबलडन जूनियर टेनिस चौंपियनशिप रनर अप रोनित कार्की- यूएस (संयुक्त राज्य अमेरिका) के लिए लॉन टेनिस खेलने वाले रोनित कार्की की जड़ें भारत के उत्तराखंड राज्य स्थित पिथौरागढ़ जिले में हैं. यहां के पांखू ब्लॉक में स्थित जाबुका उनका पैतृक गांव है. 1960 के दशक में रोनित के दादाजी रोजी-रोटी की तलाश में मुंबई चले गए थे. उनके दो बेटों भरत और त्रिलोक कार्की की पढ़ाई लिखाई मुंबई में ही हुई. रोनित के ताऊ भरत कार्की ने बताया कि छोटे भाई त्रिलोक को फुटबॉल का शौक था.

उत्तराखंड मूल के हैं रोनित कार्की- दोनों भाइयों ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की. इस दौरान त्रिलोक कार्की का विवाह कर्नाटक की कंचन से हुआ. कंचन भी पेशे से इंजीनियर हैं. 2002 में त्रिलोक

कार्की अमेरिका चले गए. अमेरिका में वो न्यू जर्सी में रहने लगे.

न्यू जर्सी में ही बेटी नाओमी और रोनित का जन्म हुआ. त्रिलोक कार्की को बचपन से ही खेलों का बहुत शौक था. खासकर फुटबॉल खेलना उन्हें बहुत पसंद था. मुंबई के क्लबों से खेलते हुए वो यूनिवर्सिटी लेवल तक पहुंचे थे.

रोनित कार्की और उनकी बहन नाओमी यूएसए से टेनिस खेलते हैं- पिता के इसी खेल के जुनून का असर दोनों बच्चों में भी दिखाई देने लगा. स्कूल जाने के साथ ही नाओमी और रोनित दोनों ने लॉन टेनिस में भी हाथ आजमाने शुरू किए.

टेनिस खेलते हुए बड़े होने लगे तो टेनिस विशेषज्ञों और कोच को इनके खेल में विशेष बात दिखाई देने लगी. उन्होंने त्रिलोक कार्की से दोनों भाई बहनों को प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर बनाने का सुझाव दिया.

12वीं में पढ़ते हैं रोनित कार्की- पिता त्रिलोक कार्की ने बच्चों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें अकादमी में प्रशिक्षण दिलाना शुरू कर दिया. सुविधाओं से लैस टेनिस अकदमी में जाने के बाद नाओमी और रोनित कार्की के खेल में और सुधार आना शुरू हो गया.

युवक के प्यार में कनाडा से रामनगर पहुंची इंजीनियरिंग की छात्रा

रामनगर, एजेंसी।
कनाडा में पढ़ाई कर रही इंजीनियरिंग की छात्रा को प्रेम का ऐसा रोग लगा कि उसने रामनगर आकर 12वीं पास युवक से शादी कर ली। मोबाइल लोकेशन के आधार पर छात्रा के स्वजन भी हैदराबाद पुलिस के साथ रामनगर के मालधन गांव पहुंच गए।

बेटी के शादी करने को लेकर दोनों पक्षों में खूब विवाद हुआ। मामला कोतवाली तक पहुंच गया, लेकिन छात्रा के बालिग होने चलते कोई कार्रवाई नहीं हुई। छात्रा युवक के साथ चली गई।

मूल रूप से तेलंगाना राज्य के हैदराबाद के शामलाल बिल्डिंग, बेगमपेट की रहने वाली छात्रा

कीर्थना तोडेती कनाडा में अपने माता-पिता के साथ इंजीनियरिंग की दूसरे वर्ष की पढ़ाई करती है। छात्रा की मां परमेश्वरी कनाडा में प्रोफेसर व पिता श्रीशैलेम भी कनाडा में ही इंजीनियर है।

कीर्थना कुछ दिनों के लिए हैदराबाद घूमने आई थी। 11 जुलाई को वह घूमने जाने की बात कहकर लापता हो गई। चिंतित स्वजन की ओर से इसी दिन सैफाबाद थाने में बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक छात्रा की पहले से ही रामनगर के मालधनचौड़ में रहने वाले गिरिजा शंकर नाम के युवक से इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती थी।

वह हैदराबाद से मालधन पटरानी में युवक के घर पहुंच गई। सोमवार को सुबह उन्होंने मालधन के मंदिर में शादी कर ली। इसी बीच मोबाइल लोकेशन को ट्रेस करके हैदराबाद पुलिस भी छात्रा के स्वजन के साथ युवक के घर पहुंच गई।

इस पर युवक व युवती पक्ष के लोगों के बीच जमकर विवाद हुआ। इसके बाद दोनों पक्षों के लोग रामनगर कोतवाली पहुंच गए। जहां एसएसआइ नयाल के समक्ष लड़की पक्ष ने नाराजगी जताई। पुलिस ने छात्रा की काउंसलिंग की। उसे समझाया।

एसएसआई नयाल ने बताया कि चूंकि लड़की बालिग थी।

केदारनाथ में उमड़ रही भोले भक्तों की भीड़, हर तरफ गूंजे हर हर महादेव के जयकारे

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक केदारनाथ ज्योतिर्लिंग में इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा होने लग गया है. कांवड़िए भी जगह-जगह से जल लेकर केदारनाथ धाम पहुंच कर बाबा केदार का जलाभिषेक कर रहे हैं. सोमवार को धाम में भारी संख्या में कांवड़ यात्री पहुंचे और बाबा केदार का जलाभिषेक किया. यात्रियों के पहुंचने से धाम समेत यात्रा पड़ावों पर छाई विरानी दूर होने लगी है. वहीं दूसरी ओर अभी तक 13 लाख 35 हजार से श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं.

लगातार बारिश होने के कारण सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटर मार्ग जगह-जगह बाधित हो रहा था. जबकि केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग भी भूस्खलन हो रहा था. इन दिनों मौसम ने कुछ राहत दी है. बारिश तो हो रही है, लेकिन दिनभर अच्छी धूप खिल रही है. जिसके बाद यात्रा बाधित नहीं हो रही है और अच्छी संख्या में यात्री केदारनाथ पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन व जलाभिषेक कर रहे हैं. वहीं दूसरी ओर पहाड़ों में अभी श्रावण माह की शुरूआत नहीं हुई है, लेकिन जो कांवड यात्री होते हैं, उनका सावन शुरू हो गया है और सोमवार के दिन केदारनाथ धाम में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी.

भारी संख्या में कांवड़ यात्री बाबा केदार के दर्शनों के लिए पहुंचे. इधर, यात्रा और मौसम को लेकर प्रशासन के साथ ही पुलिस भी चौकन्नी है. मौसम विभाग की ओर से लगातार अलर्ट किया जा रहा है. ऐसे में सुरक्षा के इंतजाम भी किये गये हैं. डेंजर जोनों पर सुरक्षा जवानों की अतिरिक्त तैनाती की गई है. तीर्थ पुरोहित संतोष त्रिवेदी ने कहा कि सावन मास शुरू होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है.

स्कूल-कालेज को मिली धमकी से बच्चों में डर, अभिभावक चिंतित, भाजपा के चारों इंजन फेलः केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली में चार इंजन वाली बीजेपी सरकार में कानून व्यवस्था पटरी से पूरी तरह उतर चुकी है। स्कूलों और कॉलेजों को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकियां मिलने से दिल्ली के स्कूली बच्चे और उनके पेरेंट्स डरे हुए हैं। सोमवार को दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद मंगलवार को भी दिल्ली के सेंट थॉमस स्कूल और दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज को धमकी मिली है। इन धमकियों को लेकर आम आदमी पार्टी ने बीजेपी सरकार के अधीन दिल्ली की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा किया है। ह्लआपह्व के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल व नेता प्रतिपक्ष आतिशी समेत अन्य नेताओं ने इस पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि स्कूल-कालेज को मिली धमकी से बच्चों में डर है और अभिभावक चिंतित हैं। भाजपा के चारों इंजन फेल हैं। मंगलवार को दिल्ली के सेंट थॉमस स्कूल और दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज को धमकी मिलने पर अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि बीजेपी राज में दिल्ली में ये क्या हो रहा है? सोमवार को दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली और मंगलवार को एक और स्कूल और कॉलेज को धमकी मिली है। बच्चे डरे हुए हैं और अभिभावक बेहद चिंतित हैं। बीजेपी की चार-चार इंजन वाली सरकारें पूरी तरह से फेल हो चुकी हैं। आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि दिल्ली में लगातार स्कूलों एवं कॉलेज को बम की धमकियाँ मिलना बेहद डरावना और चिंताजनक है। बच्चे डरे हुए हैं, माता-पिता परेशान हैं। बीजेपी की चार-चार इंजन वाली सरकारें सुरक्षा तक देने में नाकाम साबित हुई हैं। क्या इनके लिए बच्चों की सुरक्षा की कोई अहमियत नहीं है? कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। उधर, दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने एक्स पर कहा कि देश की राजधानी में अगर स्कूल भी सुरक्षित नहीं हैं, तो फिर क्या सुरक्षित है? लगातार स्कूलों और कॉलेजों को बम की धमकी मिल रही है, बच्चे डर के साए में जी रहे हैं, पैरेंट्स हर सुबह डर के साथ बच्चों को स्कूल भेजते हैं। 4 इंजन वाली बीजेपी सरकार के होते हुए भी सुरक्षा नदारद - भाजपा के चारों इंजन पूरी तरह फैल है।

खबरें

दिल्ली में सुबह बादल छाए रहे, वायु गुणवत्ता अच्छी श्रेणी में

नई दिल्ली,। दिल्ली में मंगलवार सुबह बादल छाए रहे और हवाएं चलीं, जिससे मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग ने आज बारिश का भी अनुमान जताया है। शहर में न्यूनतम तापमान इस मौसम के औसत से 2.7 डिग्री सेल्सियस कम, 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। ह्लअधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के राष्ट्रीय बुलेटिन के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 48 दर्ज किया गया, जो अच्छी श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच एक्यूआई को संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बेहद खराबऔर 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

कावड़ यात्राः पुलिस सुरक्षा के लिए 5000 से अधिक कर्मियों को करेगी तैनात, ड्रोन की भी ली जायेगी मदद

नई दिल्ली,। राष्ट्रीय राजधानी में कावड़ यात्रा के सुचारू संचालन के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए 5,000 से अधिक दिल्ली पुलिस कर्मियों और अर्धसैनिक बलों की लगभग 50 कंपनियों (5000 से अधिक कर्मियों) को तैनात किया गया है तथा ड्रोन भी तैनात किए गए हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जिन प्रमुख रास्तों से कांवड़ियों के गुजरने की संभावना है, उन पर पर अतिरिक्त जांच शुरू की गयी है तथा जरूरत के हिसाब से मार्गों में परिवर्तन किया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा, ह्लह्वतीर्थयात्रा 22 जुलाई तक जारी रहेगी और शिवरात्रि पर समाप्त होगी। हम अर्धसैनिक बलों और होमगार्ड के साथ समन्वय में हैं, जो सीसीटीवी निगरानी और ड्रोन गश्त के माध्यम से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी करेंगे।ह्लह्व उन्होंने कहा कि निर्धारित कांवड़ शिविरों और मंदिर क्षेत्रों के लिए भी विशेष सुरक्षा उपायों की योजना बनाई गई है, जहां तीर्थयात्री क्रमशः विश्राम करेंगे और अनुष्ठान करेंगे।

दिल्ली के मुस्तफाबाद में मिठाई की दुकान की दूसरी मंजिल से गिरकर व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली,। दिल्ली के उत्तर पूर्व क्षेत्र में मुस्तफाबाद इलाके में मिठाई की एक दुकान की दूसरी मंजिल से कथित रूप से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार को मध्यरात्रि के आस पास हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उन्होंने पाया कि दुकान के बाहर 35 वर्षीय व्यक्ति सड़क पर बेहोशी की हालत में पड़ा है। अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति की पहचान कल्याण के रूप में हुई है। उसे तुरंत जीटीबी (गुरु तेग बहादुर) अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि शुरूआती

सेंट स्टीफन कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली,। दिल्ली के द्वारका इलाके में सेंट थॉमस स्कूल और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित सेंट स्टीफन कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी मेल के जरिए भेजी गई थी। सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बम स्क्वाड, डॉग स्क्वाड, दिल्ली दमकल विभाग की टीम के साथ-साथ स्पेशल स्टाफ की भी टीम तैनात कर दी गई है। दोनों ही जगहों को खाली कराया गया है ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस ने दोनों जगहों की सघन तलाशी ली, लेकिन फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु या धमकी का ठोस सुराग नहीं मिला है। सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं

दल्ली में भाजपा के चारों इंजन फेल : आप

नई दिल्ली,। दिल्ली की स्कूलों को लगातार मिल रहीं बम की धमकियों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चिंता जताई है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल से बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये चार इंजन वाल सरकारें पूरी तरह से फेल हो चुकी हैं। बता दें कि सोमवार को तीन स्कूलों और आज एक स्कूल और डीयू के एक कॉलेज को बम से उडाने की धमकी मिली थी। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि दिल्ली में ये क्या हो रहा है? कल दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली और आज एक स्कूल और कॉलेज को धमकी मिली है। बच्चे डरे हुए हैं, अभिभावक बेहद चिंतित हैं। इखढ की चार-चार इंजन वाली सरकारें पूरी तरह से फेल हो चुकी हैं। दो जगह फिर मिली धमकी दिल्ली के द्वारका इलाके में स्थित सेंट थॉमस स्कूल और दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, यह धमकी मेल के जरिए दी गई थी। पुलिस की बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड, दिल्ली अग्निशमन दल और स्पेशल स्टाफ की टीम मौके पर मौजूद है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा (ई–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई–निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	एडीईएन/डीएलआई के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/डीएलआई/स्टेशन के खंड में दिल्ली मुख्य स्टेशन पर पब्लिक रिटायरिंग रूम 1 से 6 और अधिकारी रिटायरिंग रूम और शयनगृह 10, 11, 12 और 14–15 का नवीनीकरण और प्लेटफार्म 4–5, 6–7, 9–10, 11–12, 13, 14–15 की प्लेटफार्म दीवार और प्लेटफार्म सतह की मरम्मत और प्लेटफार्म के वर्षा जल पाइप में सुधार का कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	₹ 1,94,60,642.78 (रुपये एक करोड़ चौरानवे लाख साठ हजार छः सौ बयालीस और अठत्तर पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	₹ 2,47,300 /– (रुपये दो लाख सैंतालीस हज़ार तीन सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	₹ 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	06.08.2025 को 15:00 बजे तक।
6	वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन	04-410-32

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128–W/280/ई–निविदा सूचना/19–2025–26/W–3 दिनांक: 14.07.2025
2125/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ट्रैफिक अपडेट : कावड़ यात्रा के चलते कालिंदी कुंज पर आधा कैरिजवे बंद रहेगा

नई दिल्ली,। कावड़ यात्रा के चलते 23 जुलाई तक कालिंदी कुंज के पास कुछ बदलाव रहेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए लोगों से वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की अपील की है। कावड़ यात्रा के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु दिल्ली से होते हुए फरीदाबाद, गुरुग्राम और राजस्थान जा रहे हैं। इसके लिए नोएडा से आने वाले श्रद्धालु कालिंदी कुंज और आगरा कैनल रोड का इस्तेमाल कर रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई तक आगरा कैनल रोड पर कालिंदी कुंज से बदरपुर जाने की दिशा में आधा कैरिज-वे बंद किया गया है। इसी तरह कालिंदी कुंज से नोएडा जाने वाली दिशा में भी आधे कैरिज-वे को बंद किया गया है। इस दौरान यहां पर यातायात का भारी दबाव रहने की संभावना है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वह नोएडा से दिल्ली जाने के लिए डीएनडी फ्लाईवे और आश्रम रूट का इस्तेमाल करें। वहीं, फरीदाबाद से नोएडा जाने के लिए मथुरा रोड, बदरपुर, आश्रम और डीएनडी फ्लाईवे होते हुए जा सकते हैं। इस दौरान आपातकालीन वाहन जैसे दिल्ली पुलिस एंबुलेंस और दमकल विभाग की गाड़ियों को आने-जाने की अनुमति रहेगी। वाहन चालकों से अपील - अपनी यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें - जाम से बचने के लिए सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें - सड़क पर पार्किंग ना करें - ट्रैफिक पुलिस की ओर से बताए गए रास्तों का इस्तेमाल करें

रशीद इंजीनियर की जमानत पर फैसला 21 को

नई दिल्ली,। पटियाला हाउस कोर्ट ने बारामुला से सांसद अब्दुल रशीद शेख उर्फ इंजीनियर रशीद की अंतरिम जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया। रशीद ने 21 जुलाई से संसद के मानसून सत्र में भाग लेने के लिए अंतरिम जमानत या वैकल्पिक रूप से हिरासत में ले जाकर सत्र में भाग लेने की अनुमति मांगी है। कोर्ट अब 21 जुलाई को फैसला सुनाएगा। रशीद फिलहाल आतंकवादी फंडिंग मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। यह मामला हाफिज सईद से जुड़े आतंकी वित्तपोषण से संबंधित है। विशेष जज चंदर जीत सिंह की अदालत ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। रशीद की ओर से अधिवक्ता आदित्य वाधवा, विख्यात ओबेराय और निशिता गुप्ता ने अदालत में दलील दी कि उन्हें संसद में भाग लेने के लिए अंतरिम जमानत दी जाए। यदि ऐसा संभव न हो, तो उन्हें हिरासत में ले जाकर भाग लेने की अनुमति मिले। एनआईए ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि अंतरिम जमानत नहीं दी जानी चाहिए। यदि हिरासत में अनुमति दी जाती है, तो यात्रा का खर्च रशीद को वहन करना चाहिए। इस पर बचाव पक्ष ने आपत्ति जताते हुआ कहा कि सांसद के रूप में संसद में भाग लेना उनका सार्वजनिक कर्तव्य है, व्यक्तिगत कार्य नहीं, इसलिए खर्च का भुगतान उचित नहीं है।

महत्वपूर्ण सूचना

कांवड़ मेला-2025 के लिए विशेष व्यवस्था (23.07.2025 तक)

कांवड़ मेला-2025 के दौरान कांवड़ियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे द्वारा कुछ नामित रेल सेवाओं को हरिद्वार तक विस्तार करने, निम्नलिखित कांवड़ विशेष रेलगाड़ियों का संचालन करने और वर्तमान में संचालित की जा रही, कुछ रेलगाड़ियों को अस्थायी तौर पर नये ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

रेलगाड़ी संख्या 74023/74022 दिल्ली जं.-शामली-दिल्ली जं. डीईएमयू का हरिद्वार तक विस्तार

रेलगाड़ी सं.: 74023		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 74022	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	20:00	दिल्ली जं.	09:25	----
22:50	22:55	शामली	06:25	06:30
23:20	23:22	थाना भवन	05:25	05:27
23:44	23:46	रामपुर मनिहारान	05:02	05:04
00:15	00:17	टपरी	04:46	04:48
00:56	00:58	रुड़की	04:17	04:19
01:38	01:40	ज्वालापुर	03:15	03:17
01:55	----	हरिद्वार	----	03:05

चलने की तिथिः 74023 दिल्ली जं. से 24.07.2025 तक और 74022 हरिद्वार से 25.07.2025 तक।
स्थानः सामान्य।

रेलगाड़ी संख्या 64557/64558 दिल्ली जं.-सहारनपुर-दिल्ली जं. एमईएमयू का हरिद्वार तक विस्तार

रेलगाड़ी सं.: 64557		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 64558	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	16:25	दिल्ली जं.	08:45	----
20:50	21:10	सहारनपुर	03:40	04:20
21:48	21:50	रुड़की	02:53	02:55
22:25	22:27	ज्वालापुर	02:10	02:12
22:50	----	हरिद्वार	----	02:00

चलने की तिथिः 64557 दिल्ली जं. से 24.07.2025 तक और 64558 हरिद्वार से 25.07.2025 तक।
स्थानः सामान्य।

मेला विशेष रेलगाड़ियो का निम्न समय सारणी के अनुसार संचालनः

रेलगाड़ी संख्या 04311/04312 मुरादाबाद-लक्सर-मुरादाबाद अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं.: 04311		↑ स्टेशन ↓	रेलगाड़ी सं.: 04312	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	04:15	मुरादाबाद	15:15	----
07:15	----	लक्सर	----	12:00

चलने के दिनः 04311 मुरादाबाद एवं 04312 लक्सर से 25.07.2025 तक।
ठहरावः बालावाली, मुअज़्ज़मपुर नारायण, नजीबाबाद, नगीना, धामपुर, स्योहारा एवं काँठ स्टेशन।
स्थानः सामान्य।

रेलगाड़ी संख्या 04314/04313 हरिद्वार–दिल्ली जं.–हरिद्वार अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं.: 04314		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04313	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	17:05	हरिद्वार	07:55	----
23:10	----	दिल्ली जं.	----	01:10

चलने के दिनः 04314 हरिद्वार से 24.07.2025 तक एवं 04313 दिल्ली जं. से 25.07.2025 तक।
ठहरावः ज्वालापुर, रुड़की, टपरी, मुज़फ्फरनगर, मेरठ सिटी, गाजियाबाद एवं दिल्ली शाहदरा स्टेशन।
स्थानः सामान्य।

रेलगाड़ी संख्या 04316/04315 योग नगरी ऋषिकेश-दिल्ली शाहदरा-योग नगरी ऋषिकेश अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं.: 04316		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04315	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	20:35	योग नगरी ऋषिकेश	11:00	----
03:50	----	दिल्ली शाहदरा	----	04:20

चलने के दिनः 04316 योग नगरी ऋषिकेश से 24.07.2025 तक एवं 04315 दिल्ली शाहदरा से 25.07.2025 तक।
ठहरावः रायवाला, मोतीचूर, हरिद्वार, ज्वालापुर, रुड़की, टपरी एवं शामली स्टेशन।
स्थानः सामान्य।

रेलगाड़ी संख्या 04318/04317 योग नगरी ऋषिकेश-आलमनगर-योग नगरी ऋषिकेश अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं.: 04318		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 04317	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:00	योग नगरी ऋषिकेश	23:00	----
10:45	----	आलमनगर	----	12:05

चलने के दिनः 04318 योग नगरी ऋषिकेश से 09.08.2025 तक एवं 04317 आलमनगर से 10.08.2025 तक।
ठहरावः रायवाला, मोतीचूर, हरिद्वार, ज्वालापुर, लक्सर, बालावाली, मुअज़्ज़मपुर नारायण, नजीबाबाद, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली एवं शाहजहाँपुर स्टेशन।
स्थानः सामान्य।

रेलगाड़ी संख्या 04413/04414 दिल्ली जं. – हरिद्वार – दिल्ली जं. अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं.: 04413		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04414	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	16:45	दिल्ली जं.	09:40	----
22:55	----	हरिद्वार	----	03:30

चलने के दिनः 04413 दिल्ली जं. से 24.07.2025 तक एवं 04414 हरिद्वार से 25.07.2025 तक।
ठहरावः दिल्ली शाहदरा, नोली, गोटरा हाल्ट, फख़रपुर हाल्ट, खेकड़ा, सुन्हैड़ा हाल्ट, अहेरा हाल्ट, बागपत रोड, सूजरा, बड़ौत, कासिमपुर खेड़ी, एलम, कांधला, शामली, हीन्ड, थाना भवन, ननौता, सोना अर्जुनपुर, रामपुर मनिहारान, टपरी, रुड़की एवं ज्वालापुर स्टेशन।
स्थानः सामान्य।

दिनांक 24.07.2025 तक रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव

रेलगाड़ी संख्या एवं नाम	आवृत्ति	अस्थाई ठहराव	समय-सारणी	
			आगमन	प्रस्थान
14113 सूबेदारगंज – देहरादून एक्सप्रेस	प्रतिदिन	ज्वालापुर	10:43	10:45
		मोतीचूर	11:04	11:06
		रायवाला	11:14	11:16
14114 देहरादून – सूबेदारगंज एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला	14:15	14:17
		मोतीचूर	14:34	14:36
		ज्वालापुर	15:15	15:17
14309 उज्जैन – देहरादून एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	ज्वालापुर	15:53	15:55
		मोतीचूर	17:00	17:02
		रायवाला	17:35	17:37
14310 देहरादून – उज्जैन एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
14317 इंदौर – देहरादून एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	ज्वालापुर	15:53	15:55
		मोतीचूर	17:00	17:02
		रायवाला	17:35	17:37
14318 देहरादून – इंदौर एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
19565 ओखा – देहरादून एक्सप्रेस	साप्ताहिक	ज्वालापुर	15:53	15:55
		मोतीचूर	17:00	17:02
		रायवाला	17:35	17:37
19566 देहरादून – ओखा एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
22659 कोच्चुवेली – योग नगरी ऋषिकेश सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक	ज्वालापुर	12:08	12:10
		मोतीचूर	12:45	12:47
		रायवाला	13:00	13:02
22660 योग नगरी ऋषिकेश – कोच्चुवेली सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
14610 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – योग नगरी ऋषिकेश हेमकुण्ट एक्सप्रेस	प्रतिदिन	ज्वालापुर	06:48	06:50
		मोतीचूर	07:20	07:22
14609 योग नगरी ऋषिकेश – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा हेमकुण्ट एक्सप्रेस	प्रतिदिन	ज्वालापुर	18:31	18:33
54075 बरेली – दिल्ली स्पेशल पैसेंजर	प्रतिदिन	कांकाठेर	23:36	23:38
54076 दिल्ली – बरेली स्पेशल पैसेंजर	प्रतिदिन	कांकाठेर	02:40	02:42

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा पूछताछ वेबसाइटः www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा – हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, मौ0पुर देवमल, बिजनौर

पत्रांकः–पी०एम०ऐ०वाई०/मो०हा०/टैण्डर–नोटिस/2025–26 दिनांकः–14–7–25

–:अति अल्पकालीन निविदा सूचनाः–

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खण्ड विकास अधिकारी, मौ0पुर देवमल, द्वार निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमन्त्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्य के लिए ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग/लो०नि०वि० उ०प्र० आदि सरकारी विभागों में श्रेणी ऐ०वी०सी० एवं डी०ई० में पंजीकृत अर्ह ठेकेदार ही निविदा डालने योग्य होगें। कार्य का विवरण निम्नवत है।

क्र०सं०	मद का नाम	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रू. में)	धरोहर राशि (लाख रू. में)	निविदा मूल्य +स्टेशनरी +जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	पी०एम०ए०वाई० प्रशासनिक मद	विकास खण्ड परिसर में	1.20	0.20	100+300+18418	20 अगस्त 2025 तक

1. निविदा प्रपत्र खण्ड विकास अधिकारी, मौ0पुर देवमल के कार्यालय से प्रत्येक कार्य दिवस में दिनांक 15.07 2025 से 21.07.2025 तक प्रातः 11:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे तक निविदा मूल्य जैसा कि कालम 06 में अंकित है, धनराशि नकद अथवा बैंक ड्राफ्ट देकर क्रय किया जा सकता है। जो दिनांक 22.07.2025 के दोपहर 12:00 बजे तक डाली जायेगी और उसी दिन अपरान्ह 2:00 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी।
2. यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त करने व खोलने का दिवस अगला कार्य दिवस होगा।
3. निविदा के साथ 10 प्रतिशत धरोहर धनराशि शैड्यूल बैंक से जारी अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बन्धक होगी।
4. ऐसे निविदादाता जिनका आपराधिक रिकार्ड है वह टेण्डर प्रक्रिया में भागीदारी की अनुमति नहीं है।
5. ऐसे निविदादाता जो कि राज्य बारकाउंसिल में पंजीकृत है टेण्डर प्रक्रिया में भागीदारी की अनुमति नही है।
6. सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी।
7. कोई भी ठेकेदार अपनी निविदा किसी को बेच नही सकता।
8. निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह निविदा डालने से पूर्व कार्य स्थल की परिस्थितियों से भली भांति परिचित हो लें।
9. धरोहर राशि अन्तिम भुगतान के 6 माह अथवा एक बरसात जो भी बाद में होने पर वापिस की जायेगी।
10. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकार करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी को होगा।
11. न्यूनतम निविदा धनराशि पर शासनादेश सं० 622/23–12–2012–02 ऑडिट/आई०टी० सी०–02 लोक निर्माण विभाग लखनऊ दिनांक 08 जून 2012 के अनुसार की जायेगी।

(राजवीर सिंह)
खण्ड विकास अधिकारी
मौ0पुर देवल, बिजनौर

आम आदमी पार्टी सड़क से लेकर सदन और कोर्ट तक इन बेघर किए जा रहे गरीब लोगों की आवाज बनेगी : आतिशी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली के मटियाला विधानसभा स्थित नंगली डेयरी की झुग्गियों में रहने वाले लोग अपने घर पर बीजेपी सरकार का बुलडोजर चलने की डर के साए में जी रहे हैं। मंगलवार को आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने अपने आशियाने को छीनने की डर के साए में जी रहे इन गरीबों से मुलाकात की और पार्टी की तरफ से उनके घरों को बचाने की लड़ाई सड़क से लेकर सदन और कोर्ट तक लड़ने का भरोसा दिया। इस दौरान वहां के निवासियों ने अपने दर्द को साझा किया। आतिशी ने कहा कि नंगली डेयरी के लोगों के सिर से छत छीनने पर बीजेपी आमादा है। जिन घरों को उन्होंने बरसों की मेहनत से बसाया, बीजेपी की सरकार उन पर बुलडोजर चलाने की तैयारी कर रही है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि बीजेपी मटियाला विधानसभा के नंगली डेयरी में घरों को तोड़ने की तैयारी कर रही है, आज वहां जाकर जब लोगों से मिली तो उनकी आंखों में डर और दिल में बेबसी साफ दिखी। इस दौरान एक बुजुर्ग अम्मा बोलीं कि अपनी ज़िंदगी भर की पूंजी से जो छोटा सा आशियाना बनाया था, क्या अब उसे अपनी आंखों के सामने टूटते देखना पड़ेगा?दिल्ली में बीजेपी सरकार सिर्फ दीवारें नहीं तोड़ रही, ये गरीबों के सपनों को, उनके भरोसे और उनके अस्तित्व को कुचल रही है। हम सड़क से लेकर सदन तक इन बेघर किए जा रहे लोगों की आवाज बनेंगे। आम आदमी पार्टी हर हाल में इनके साथ खड़ी है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार बनते हीं झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है। भूमिहीन कैंप, मद्रासी कैंप, वजीरपुर में झुग्गियों को तोड़ने के बाद अब भाजपा की बुरी नजर दिल्ली के मटियाला विधानसभा के नंगली डेयरी में गरीबों के घरों पर है। यहां के घरों को तोड़ने के लिए भाजपा की गरीब विरोधी सरकार ने नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि गरीब विरोधी भाजपा सरकार दिल्ली से गरीबों को भगाना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने उनके घरों को टूटने से बचाने के लिए हर लड़ाई लड़ने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा है कि गरीबों को बेघर होने से बचाने के लिए आम आदमी पार्टी कोर्ट में भी लड़ाई लड़ेगी। आतिशी ने कहा कि मटियाला विधानसभा में लोगों से मिलने गई थी। वहां जाकर जब लोगों से मिली तो उनकी आँखों में डर और दिल में बेबसी साफ दिखी। हम सरकार में रहे या विपक्ष में, आम आदमी पार्टी के नेताओं के शरीर में जब तक एक-एक सांस बाकी है, हम गरीबों के लिए लड़ते रहेंगे। हम दिल्ली के गरीबों के साथ पहले भी खड़े थे, आज भी खड़े हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि भाजपा गरीब विरोधी काम कर रही है। चुनाव से पहले भाजपा के बड़े-बड़े नेता झुग्गियों में गए, वहां उन्होंने खाना खाया, बच्चों के साथ कैरम खेले और वादा किया था कि जहां झुग्गी वहां मकान देंगे। लेकिन चुनाव जीतने के बाद बीजेप सरकार एक-एक करके झुग्गियों को तोड़ रही है, गरीबों को बेघर कर रही हैं। चुनाव से पहले बीजेपी नेताओं द्वारा किए गए सारे वादे झूठे निकले। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आते हीं वजीरपुर, मद्रासी कैंप, भूमिहीन कैंप, जेलर वाला बाग में बुलडोजर चलवा दिया, यहां हजारों लोगों को बेघर कर दिया। अब भाजपा सरकार नंगली डेयरी में रह रहे लोगों को बेघर करने की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के दौरान वादा किया था कि जहां झुग्गी वहां मकान बनाकर देंगे। लेकिन सच्चाई ये है कि बीजेपी सरकार ने जहां झुग्गी वहां मैदान बना दिया। आम आदमी पार्टी इन बेघर किए जा रहे लोगों के लिए सड़क से लेकर सदन तक लड़ेगी। हम दिल्ली के गरीबों के लिए कोर्ट में भी लड़ाई लड़ेंगे, हमने एक वरिष्ठ वकील कर लिया है। हम कोर्ट से भी लड़ेंगे ताकि लोगों के घरों को बचाया जा सके। घर टूटने के बाद हम कहां जाएंगे? दिल्ली में बीजेपी सरकार सिर्फ दीवारें नहीं तोड़ रही, ये गरीबों के सपनों को, उनके भरोसे और उनके अस्तित्व को कुचल रही है। इस दौरान नंगली डेयरी में रह रही एक बुजुर्ग महिला ने बताया कि मैं सालों से यहां रह रही हूं। मेरे घर में कोई भी नहीं हैं, अपनी ज़िंदगी भर की पूंजी से जो छोटा सा आशियाना बनाया था, क्या अब उसे अपनी आंखों के सामने टूटते देखना पड़ेगा?

दो बंगलादेशी महिला को ऑपरेशन सेल ने दिल्ली कैंट से पकड़ा

2 साल पहले बॉर्डर क्रॉस करके पहुंची थी त्रिपुरा, अब दिल्ली

प्रात : किरण संवाददाता

पुलिस के द्वारा पकड़ी गई बंगलादेशी महिला

अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में साउथ वेस्ट जिला के आपरेशन सेल की टीम ने दो महिलाओं को पकड़ा है। जो अवैध रूप से यहां रह रही थी इनके पास से पुलिस ने बांग्लादेशी डॉक्यूमेंट भी बरामद किया है। जो इन्होंने अपने मोबाइल में हिडन फोल्डर बनाकर उसमें छुपाकर रखा हुआ था। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान डोली बेगम और मरियम अख्तर के रूप में हुई है। यह दोनों बांग्लादेश के गोपालगंज और ढाका जिला की रहने वाली है। इनको वापस बांग्लादेश भेजने के लिए ऋक्षफ्ड सेंटर भेजा जा रहा है। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि एसीपी विजय कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह, एसआई राकेश कुमार, हेड कांस्टेबल सुंदर, संदीप, कांस्टेबल फरमान और लेडी कांस्टेबल सोमाता की टीम ने इन दोनों के बारे में पता लगाकर इनकी पहचान की। फिर इन्हें दिल्ली कैंट इलाके से पकड़ा। इनसे दिल्ली में रहने के डॉक्यूमेंट की जांच की गई तो कोई डॉक्यूमेंट पुलिस को नहीं दिखा पाई। पूछताछ हुई तो इनकी पहचान हुई कि यह बांग्लादेश की रहने वाली हैं। इन्होंने बताया कि वह 2 साल पहले बॉर्डर क्रॉस करके त्रिपुरा पहुंची थी। वहां से फिर हाउस कीपिंग की जॉब के लिए बेंगलुरु गई। उसके बाद फिर मुंबई में भी काम किया और अंत में फिर यह दिल्ली आ गए। इन्हें उस समय पकड़ा गया जब यह द्वारका इलाके में काम की तलाश में जा रहे थे। इनके मोबाइल की जब छानबीन की गई तो इनके सोशल मीडिया अकाउंट से उनकी बारे में पूरी कंफर्मेशन हो गई। फिर उनके मोबाइल के अंदर में ही बने फोल्डर में इनके आइडेंटिफिकेशन के डॉक्यूमेंट मिले।

रेखा गुप्ता ने मैराथन धावक सरदार फौजा सिंह के निधन पर जताया दुख

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विश्व के सबसे उम्रदराज मैराथन 114 वर्षीय धावक सरदार फौजा सिंह के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और उनके असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि विश्व के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक सरदार फौजा सिंह के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। अपनी विलक्षण जीवटता, अनुशासन और अद्वितीय ऊर्जा से उन्होंने न केवल खेल जगत को गौरवान्वित किया बल्कि फिटनेस और आत्मबल के प्रतीक बनकर युवाओं को भी प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सदी पार कर चुका एक ऐसा धावक जिसने साबित किया कि आयु नहीं संकल्प मायने रखता है। गुप्ता ने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों व असंख्य प्रशंसकों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि विश्व प्रसिद्ध मैराथन धावक फौजा सिंह का सोमवार को पंजाब के जालंधर जिले में सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। वह 114 वर्ष के थे और अपने पैतृक गांव ब्यास में टहलने निकले थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें जालंधर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां शाम को उनकी मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना की जानकारी जालंधर पुलिस और उनके जीवन पर पुस्तक द टर्बन्ड टॉरनेडो लिखने वाले लेखक खुशवंत सिंह ने दी है।

भारत की डिजिटल और लॉजिस्टिक्स प्रगति के लिए फेडएक्स ने तैयार किया उद्योग-योग्य युवा टैलेंट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मुंबई, फेडएक्स एक्सप्रेस (फेडएक्स), जो दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस परिवहन कंपनी है, भारत में संगठित कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर विश्व युवा कौशल दिवस 2025 मना रही है। इस वर्ष की वैश्विक थीम ह्लकृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल कौशल के जरिए युवाओं को सशक्त बनानाह्व है और इसके अनुरूप फेडएक्स युवाओं को तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार तैयार करने में मदद कर रही है। गैर-लाभकारी संगठनों के साथ साझेदारी में फेडएक्स अब तक 1,500 से अधिक युवाओं को क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, सप्लाई चेन प्रबंधन और वेयरहाउस संचालन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दे चुकी है। इन पाठ्यक्रमों में तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ नौकरी की तैयारी, संवाद कौशल और कार्यस्थल से जुड़े व्यवहारिक प्रशिक्षण भी शामिल हैं, जिससे छात्रों को पढ़ाई से रोजगार तक की राह आसान होती है। फेडएक्स मिडल ईस्ट, भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीका के वाइस प्रेसिडेंट झ्र मार्केटिंग, कस्टमर एक्सपीरियंस और एयर नेटवर्क श्री नितिन नवनीत तातीवाला ने कहा, ह्लभारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्हें उद्योग से जुड़ी व्यावहारिक क्षमताएं देना आर्थिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। फेडएक्स में हमारा प्रयास है कि हम युवाओं को ऐसा अनुभव दें, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए और उन्हें भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे। अब तक इन कार्यक्रमों के जरिए करीब 930 युवाओं को तकनीक, स्वास्थ्य सेवा, लॉजिस्टिक्स, रिटेल और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में रोजगार मिला है। प्रारंभिक वेतन 13,000 रूपए से 18,000 रूपए प्रति माह तक रहा है, जबकि कुछ को 30,000 रूपए तक का पैकेज भी मिला है। नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के तहत संचालित ये कार्यक्रम कक्षा शिक्षण के साथ व्यावहारिक अनुभव, जीवन कौशल और मार्गदर्शन को जोड़ते हैं। 60% से अधिक प्रतिभागी महिलाएं रही हैं, जिनमें से कई पहली बार औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बनी हैं। यह पहल रोजगार योग्यता, डिजिटल स्किलिंग और समावेशी आर्थिक विकास जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है। इन प्रयासों का असर युवा पेशेवरों की जुबानी साफ नजर आता है: मेरे पास डिग्री तो थी, लेकिन इंडस्ट्री का अनुभव नहीं था। इस कार्यक्रम ने मुझे आत्मविश्वास और स्पष्टता दी। हर्षिता शेट्टी, हैदराबाद, जो अब तकनीक क्षेत्र में कार्यरत हैं। इस नौकरी ने मुझे खुद को देखने का नजरिया बदल दिया। अब मैं अपने परिवार को सहारा दे रही हूं और समाज में मुझे सम्मान भी मिला है। अफसाना, दिल्ली, अब ई-कॉमर्स सेक्टर में काम कर रही हैं। वह मेरी ज़िंदगी का सबसे मुश्किल दौर था, लेकिन इस प्रशिक्षण ने मुझे फिर से पटरी पर ला खड़ा किया ह्व झ्र अल्लुतला कीर्तना, हैदराबाद, अब फार्मास्युटिकल सेक्टर में कार्यर यह मेरी पहली औपचारिक नौकरी थी। इस कोर्स ने वह आत्मविश्वास और स्किल्स दिए जिनसे मैं आगे बढ़ पाई। रचना एन.आर., बेंगलुरु, अब फूड सर्विस इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। फेडएक्स का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, मिश्रित शिक्षण मॉडल और मेंटरशिप के जरिए युवाओं के लिए दीर्घकालिक रोजगार के रास्ते खोलना है। कंपनी का डिजिटल कौशल और रणनीतिक साझेदारियों पर केंद्रित प्रयास भारत में कार्यबल की क्षमताओं को मजबूत बनाने और समावेशी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद कर रहा है।

दिल्ली में पार्किंग अनियमितताओं की शिकायतों को लेकर सीबीआई ने एमसीडी हेडक्वार्टर में मारा छापा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली में पार्किंग से जुड़ी अनियमितताओं की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद मंगलवार सुबह सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय में छापा मारा। सुबह 10:30 बजे सीबीआई की टीम निगम मुख्यालय की 25वीं मंजिल पर स्थित पार्किंग विभाग के दफ्तर पहुंची और वहीं तैनात अधिकारियों से गहन पूछताछ शुरू कर दी। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी में सीबीआई ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों को खंगाला है और पार्किंग के आवंटन, शुल्क वसूली और प्रशासनिक कार्यों से जुड़े फाइलों की जांच की जा रही है। सीबीआई ने न केवल मुख्यालय, बल्कि शहर की कई अन्य पार्किंग में भी छापेमारी की है ताकि पता लगाया जा सके कि असल में भ्रष्टाचार या गड़बड़ी किस स्तर पर हो रही थी। टीम ने पार्किंग के ठेकेदारों से पूछताछ के साथ-साथ ग्राउंड स्टाफ की ड्यूटी और शुल्क प्रक्रिया की भी जांच की। फिलहाल सीबीआई की छानबीन जारी है और अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि अनियमितता किस स्तर पर हो रही है। इस कार्रवाई के बाद अन्य विभागों में भी हड़कंप मच गया है और निगम अधिकारी अपने-अपने विभागीय दस्तावेजों की जांच-पड़ताल में जुट गए हैं। सीबीआई की इस छापेमारी की वजह से नगर निगम में दिनभर हलचल का माहौल रहा और आम जनता को उम्मीद है कि इस कदम से पार्किंग व्यवस्था में पारदर्शिता और सुधार आ पाएगा।

47 वारदात में शामिल दो लुटेरे को सीसीटीवी फुटेज से दबोचा

पिस्टल की नोक पर लूटी थी मोटर साइकिल

प्रात : किरण संवाददाता

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

पंजाबी बाग थाना के मादीपुर पुलिस चौकी की टीम ने लूटपाट सहित अन्य 47 वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान अंकित और विकास के रूप में हुई है। इनके पास से लूटी गई मोटरसाइकिल, कंट्री मेड पिस्टल, जिंदा कारतूस और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी भी जप्त किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी दिल्ली के मादीपुर जेजे कॉलोनी के रहने वाले हैं। इनकी गिरफ्तारी से पंजाबी बाग में हुई लूट के मामले का खुलासा किया गया है। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि बाइक टैक्सी चलाने वाले एक युवक के द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। जब वह एक सवारी को मोती नगर से लेकर सुल्तानपुरी ड्राप करने गया था। इस दौरान आर्डिनेंस डिपो के पास दो बदमाश पहुंचे और एड्रेस पूछने के बहाने उसे रोका। जैसे ही उसने बाइक रोकी स्कूटी सवार बदमाशों ने पिस्टल की नोक पर उससे लूटपाट की उसकी मोटरसाइकिल लूटकर वहां से फरार हो गए। एसीपी पंजाबी बाग विजय सिंह की देखरेख में SHO संजय दहिया, चौकी इंचार्ज संदीप दलाल, सब इंस्पेक्टर कबीश, कांस्टेबल नफे, मोहित और विकास की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से छानबीन शुरू किया। काफी संख्या में फुटेज खंगालने के बाद जिस रूट से बदमाश मोटरसाइकिल लूटकर भागे थे उसको भी चेक किया। आखिरकार इन दोनों के बारे में पुलिस टीम पता लगाने में कामयाब हुई। विकास से चोरी की स्कूटी बरामद की गई और अंकित से कंट्री मेड पिस्टल, जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया।

दिल्ली में बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली,। वसंत विहार थाना पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो वाहन चोरों को पकड़ा है। पुलिस ने उनके पास से चोरी की एक बाइक भी बरामद की है। आरोपित की पहचान महिपालपुर निवासी मनोज के रूप में हुई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। दक्षिणी पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 13 जुलाई को वसंत विहार थाने में एक बाइक चोरी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की। पुलिस को पता चला कि एक नाबालिग ने मास्टर चाबी की मदद से बाइक चुराई है। पुलिस ने उसकी पहचान कर उसे पकड़ लिया। किशोर ने बताया कि वारदात के समय उसका साथी मनोज भी साथ था। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से चोरी की बाइक भी बरामद कर ली गई।

घरेलू नौकर ने रची करोड़ों की चोरी की साजिश, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। उत्तर-पश्चिम जिले के मॉडल टाउन इलाके में एक हाई-प्रोफाइल चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। चोरी में घरेलू नौकर और उसके साथियों ने मिलकर 2.25 करोड़ रुपये से अधिक के कीमती आभूषणों और 15.20 लाख नकद पर हाथ साफ किया था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान विवेक कुमार, बिरेन्द्र यादव और पियूष कुमार के रूप में हुई है। तीनों आरोपितों के कब्जे से 15.20 लाख नकद और 2.25 करोड़ से अधिक के आभूषण बरामद किए है। उत्तर-पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह के अनुसार 27 जून को मॉडल टाउन निवासी शिकायतकर्ता अनीता झुनझुनवाला ने पुलिस को चोरी की शिकायत दी। पीड़िता ने बताया कि उनके घरेलू नौकर अरुण कुमार ने 55 लाख नकद और सोना-चांदी व हीरे के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए मॉडल टाउन थाना पुलिस के अलावा जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगलीा तो पता चला कि अरुण एक अन्य व्यक्ति के साथ बैग और ट्रॉली बैग लेकर घर से निकल रहा है। पुलिस टीम को सूचना तंत्र के माध्यम से जानकारी मिली कि आरोपित बिहार के बांका जिले में छिपे हुए हैं। सूचना को पुख्ता कर दिल्ली पुलिस की टीम ने बिहार में उक्त जिले में छापा मारा और तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि मुख्य साजिशकर्ता अरुण कुमार ने गांव के कुछ युवकों के साथ मिलकर इस वारदात की योजना बनाई थी। चोरी के बाद माल को दिलीप यादव के पास पहुंचाया गया, जिसने 17.5 लाख में से 5 लाख कृष्णा के भाई राजेश को दिए और शेष माल मालती यादव, किशतू यादव, पवन यादव, संदीप यादव और नवीन यादव को दिया। डीसीपी के अनुसार यह चोरी संगठित तरीके से की गई थी और इसमें कई लोग शामिल हैं। बाकी आरोपितों की गिरफ्तारी और शेष माल की बरामदगी के लिए जांच जारी है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, मौ0पुर देवमल, बिजनौर

पत्रांकः—पी०एम०ऐ०वाई०/मो०हा०/टैण्डर—नोटिस/2025—26 दिनांकः—14—7—25

-:अति अल्पकालीन निविदा सूचनाः-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खण्ड विकास अधिकारी, मौ०पुर देवमल, द्वार निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमन्त्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्य के लिए ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग/लो०नि०वि० उ०प्र० आदि सरकारी विभागों में श्रेणी ऐ०वी०सी० एवं डी०ई० में पंजीकृत अर्ह ठेकेदार ही निविदा डालने योग्य होगे। कार्य का विवरण निम्नवत है।

क्र०सं०	मद का नाम	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रू. में)	धरोहर राशि (लाख रू. में)	निविदा मूल्य +स्टेशनरी +जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	पी०एम०ए०वाई० प्रशासनिक मद	विकास खण्ड परिसर में	1.20	0.20	100+300+18418	20 अगस्त 2025 तक

1. निविदा प्रपत्र खण्ड विकास अधिकारी, मौ०पुर देवमल के कार्यालय से प्रत्येक कार्य दिवस में दिनांक 15.07 2025 से 21.07.2025 तक प्रातः 11:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे तक निविदा मूल्य जैसा कि कालम 06 में अंकित है, धनराशि नकद अथवा बैंक ड्राफ्ट देकर क्रय किया जा सकता है। जो दिनांक 22.07.2025 के दोपहर 12:00 बजे तक डाली जायेगी और उसी दिन अपरान्ह 2:00 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी।
2. यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त करने व खोलने का दिवस अगला कार्य दिवस होगा।
3. निविदा के साथ 10 प्रतिशत धरोहर धनराशि शैड्यूल बैंक से जारी अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बन्धक होगी।
4. ऐसे निविदादाता जिनका आपराधिक रिकार्ड है वह टेण्डर प्रक्रिया में भागीदारी की अनुमति नहीं है।
5. ऐसे निविदादाता जो कि राज्य बारकाउंसिल में पंजीकृत है टेण्डर प्रक्रिया में भागीदारी की अनुमति नही है।
6. सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी।
7. कोई भी ठेकेदार अपनी निविदा किसी को बेच नही सकता।
8. निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह निविदा डालने से पूर्व कार्य स्थल की परिस्थितियों से भली भांति परिचित हो लें।
9. धरोहर राशि अन्तिम भुगतान के 6 माह अथवा एक बरसात जो भी बाद में होने पर वापिस की जायेगी।
10. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकार करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी को होगा।
11. न्यूनतम निविदा धनराशि पर शासनादेश सं० 622/23—12—2012—02 ऑडिट/आई०टी० सी०—02 लोक निर्माण विभाग लखनऊ दिनांक 08 जून 2012 के अनुसार की जायेगी।

(राजवीर सिंह)
खण्ड विकास अधिकारी
मौ0पुर देवल, बिजनौर

हवाई जहाज के ब्लैक बॉक्स की तरह रिकॉर्ड हो सकेगा रेलवे का कम्युनिकेशन

भोपाल

हवाई जहाज के ब्लैक बॉक्स की तरह अब रेलवे का कम्युनिकेशन रिकॉर्ड किया जा सकेगा। भोपाल रेल मंडल के स्टेशनों से लेकर रेलवे क्रॉसिंग तक इस तरह के कम्युनिकेशन सिस्टम की शुरुआत की जाएगी। यह सिस्टम वीएचएफ बेस्ड यानी वेरी हाई फ्रीक्वेंसी रेडियो तरंगों का उपयोग कम्युनिकेशन के दौरान करेगा। इससे यात्री ट्रेनों से लेकर स्टेशनों, कंट्रोल रूम, यार्ड, रेलवे क्रॉसिंग के बीच साफ आवाज में कम्युनिकेशन हो सकेगा। इसकी रिकॉर्डिंग भी एक से तीन महीने तक सुरक्षित रखी जा सकेगी। इस सिस्टम को लगाने पर करीब छह करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यह कम्युनिकेशन सिस्टम आमतौर पर 30 से 300 मेगाहर्ट्ज की फ्रीक्वेंसी रेंज में काम करता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से रेलवे, हवाई जहाज और व्यक्तिगत रेडियो सेवाओं के लिए किया जाता है।रेलवे ने अपने सेफ्टी इयर के तहत इमरजेंसी हालात बनने के दौरान हाई लेवल के कम्युनिकेशन के लिए पुराने सिस्टम को अपडेट करने का निर्णय लिया है। भोपाल रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों से लेकर वहां से ट्रेनों का संचालन करने वाले आरआरआई, रेलवे के कंट्रोल रूम, यार्ड, रेलवे क्रॉसिंग पर मौजूद कम्युनिकेशन सिस्टम को अपडेट करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अपडेटेड वॉकी-टॉकी सेट अधिकारियों व कर्मचारियों को दिए जाएंगे। साथ ही सिस्टम को विभिन्न स्थानों पर इंस्टॉल करवाया जाएगा। भोपाल रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया का कहना है कि अगले चार-पांच महीने के दौरान अपडेटेड सिस्टम काम करने लगेगा।

दुर्घटना में प्रभावी | रेल अधिकारियों ने बताया कि सिग्नल एंड टेलीकॉम डिपार्टमेंट के माध्यम से लगाए जाने वाले इस कम्युनिकेशन सिस्टम का उपयोग किसी भी इमरजेंसी, ट्रेन के पटरी से उतरने, अचानक कोई घटनाक्रम होने के दौरान काफी आसान तरीके से किया जा सकेगा। फिलहाल सिस्टम को भोपाल सहित 12 बड़े और मुख्य स्टेशनों के साथ 22 रेलवे क्रॉसिंग पर इंस्टॉल किया जाएगा।

ऐसे काम करता है...

सीधी तरंगें: वीएचएफ तरंगें सीधी चलती हैं। इसलिए उनका कम्युनिकेशन प्रभावी रखने के लिए लाइन-ऑफ-विजन की जरूरत होती है। इससे उन पर बाधाओं का प्रभाव नहीं पड़ता।

उपयोग: वीएचएफ कम्युनिकेशन का उपयोग रेलवे, हवाई यातायात नियंत्रण, टू-वे कम्युनिकेशन आदि में किया जाता है।

फायदा: वीएचएफ रेडियो फ्रीक्वेंसी लंबी दूरी तक कम्युनिकेशन, हाई लेवल ऑडियो के सिस्टम के रूप में काम करता है।

नुकसान: वीएचएफ कम्युनिकेशन बाधाओं से प्रभावित हो सकता है। शहरी या पहाड़ी क्षेत्रों में सीमित हो सकता है।

दो-तरफा: व्यक्तिगत उपयोग या छोटे ग्रुप के बीच भी इस कम्युनिकेशन सिस्टम का उपयोग किया जा सकता है।

रेडियो-टेलीविजन प्रसारण: वीएचएफ का उपयोग कुछ रेडियो और टेलीविजन स्टेशनों द्वारा भी किया जाता है।

करणी सेना के कार्यकर्ता धरने से नहीं उठे तो पुलिस ने पीटा

हरदा | हरदा में नकली हीरे की खरीद को लेकर कार्रवाई से नाराज करणी सेना ने शनिवार रात से कलेक्टर बंगले के पास चक्काजाम कर दिया। 16 घंटे बाद भी जब वे नहीं उठे तो रविवार सुबह 10:05 बजे पुलिस ने वाटर कैनन, आंसू गैस छोड़े। फिर लाठियों से दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पुलिस गलियों व छात्रावास तक पहुंची। करणी सेना संस्थापक जीवन सिंह शेरपुर समेत 45 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। जीवन पर भी लाठियां भांजी। जिले में धारा 144 लागू है। सात जिलों की फोर्स तैनात है। दरअसल, करणी सेना से जुड़े आशीष राजपूत ने 18 लाख में हीरा खरीदा, वह नकली निकला। धोखाधड़ी के केस में आरोपी को जमानत मिल गई। नाराज करणी सेना ने कोतवाली घेरी। पुलिस ने कुछ पदाधिकारियों को शांतिभंग में जेल भेजा तो समाज ने चक्काजाम कर दिया।

समाचार संक्षेप

दमोह: हटा में भूकंप के हल्के झटके, तीव्रता 2.8 दर्ज

जिले के हटा क्षेत्र में रात को भूकंप महसूस हुआ। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार यह भूकंप रविवार और सोमवार की दरमियान रात 2.59 बजे आया। जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 मापी गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वैज्ञानिक प्रभारी वेद प्रकाश सिंह के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था। प्रभावित क्षेत्र में हटा प्रमुख रूप से शामिल रहा।

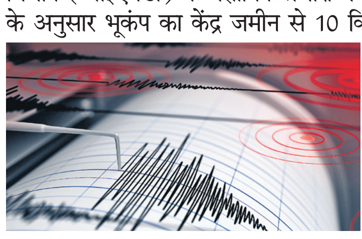

हालांकि किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। सोमवार को सुबह जब भूकंप को लेकर चर्चा हुई तो नागरिकों में डर का माहौल देखा गया। विशेषज्ञों ने बताया कि भले ही यह झटका हल्का था लेकिन यह क्षेत्र में सक्रिय भूकंपीय गतिविधियों का संकेत हो सकता है। विशेषज्ञ हिमालयी क्षेत्र में लगातार हो रही भूकंपीय गतिविधियों पर चिंता भी जता रहे हैं।

शहडोल: डायरिया से दो की मौत, दो गंभीर

शहडोल जिले बुढ़ार विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत कदौड़ी में डायरिया से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 55 वर्षीय रामचरित और 58 वर्षीय रामदास शामिल हैं। दोनों मौतें 7 से 12 जुलाई के बीच हुईं। गांव में डायरिया से मौतों का मामला सामने के बाद प्रशासन हरकत में आया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि रविवार को जांच के बाद दो लोगों की हालत गंभीर होने पर इलाज के लिए बुढ़ार स्थित अस्पताल में भर्ती किया गया है।

रतलाम: इनामी आतंकी को पकड़ा था, दो पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन

रतलाम पुलिस के दो जवानों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन मिला है। जयपुर सीरियल ब्लास्ट की साजिश रचने वाले 5 लाख के इनामी आतंकी फिरोज खान को पकड़ने वाले एसआई सत्येंद्र रघुवंशी को इंस्पेक्टर और आरक्षक राहुल जाट को प्रधान आरक्षक बनाया है। आतंकी फिरोज प्रतिबंधित संगठन अलसूफा का सदस्य है। उसे दोनों जवानों ने 2 अप्रैल 2025 को शेरानीपुरा से पकड़ा था।

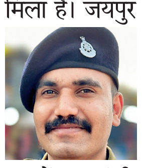

सत्येंद्र रघुवंशी

राहुल जाट

सिवनी: ग्वालियर के नकबजन गिरोह से 16 लाख रुपए के जेवरात किए जब्त

सिवनी पुलिस ने अंतर्राज्यीय नकबजन गिरोह के चार सदस्यों को ग्वालियर से दबोचा है। पकड़े गए आरोपियों ने धूमा व छपारा में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। चोरों से 11 लाख रुपए कीमती 11 किलो चांदी, 5 लाख रुपए कीमती सोने के जेवरात, एक कार, एक जीप, एक देशी कट्टा सहित 34 लाख 50 हजार रुपए का मशरूका बरामद किया गया है। एसपी सुनील मेहता ने बताया कि गिरोह का सरगना व अन्य आरोपी सदस्यों की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सुलतान सिंह पिता नाहर सिंह निवासी ग्राम खेड़ा थाना बिजोली, ग्वालियर, विनेश सिंह कुशवाह पिता कन्हैयालाल निवासी सिरसोद थाना हस्तिनापुर,ग्वालियर, ब्रजमोहन कुशवाह पिता मानसिंह कुशवाह निवासी ग्राम सिरसोद थाना हस्तिनापुर, ग्वालियर तथा ग्राम डोंगरपुर, ग्वालियर निवासी एक नाबालिग शामिल है।

सतना: युवक का अपहरण ,मारपीट व लूट करने के बाद खेत में फेंका, मामला दर्ज

मैहर जिले के अमरपाटन थाना अंतर्गत दिनदहाड़े कृष्णनगर कॉलोनी निवासी विजय पांडेय का अपहरण कर उसके साथ लूट और मारपीट का मामला सामने आया है। बताया गया है कि मैहर से बोलेरो लेकर आए 3 युवकों ने विजय को जबरन गाड़ी में बैठाकर रीवा तरफ ले गए। युवकों ने उसके साथ मारपीट की और मोबाइल के साथ चांदी के चेन भी लूट ली। मारपीट के बाद बोलेरो सवार युवकों ने विजय को रीवा जिले के चोरहटा थाना अंतर्गत कहीं सूनसान जगह पर खेत में फेक दिया। विजय किसी तरह सडक़ तक पहुंचा। सडक़ पर आने के बाद एक ऑटो चालक की मदद से उसने घर वालों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी।

रीवा: नदी में उफान से फंसी रही गर्भवती महिला, अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

नदी में उफान की वजह से एक गर्भवती महिला समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाई और उसकी मौत हो गई। जिले के जवा तहसील अंतर्गत भनिगंवा निवासी प्रिया रानी कोल पति सोनू कोल की गर्भावस्था में तबियत बिगड़ने पर परिजन जवा अस्पताल ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते में पड़ने वाली महाना नदी के उफान पर होने से आगे नहीं जा सके। लगभग दो घंटे तक वह दर्द से कराहती रही। अस्पताल पहुंचने के पहले ही महिला की मौत हो गई।प्रिया के ससुराल का रास्ता खराब होने की वजह से उसे मायके ले आए थे, ताकि अस्पताल ले जाने में कोई समस्या न हो। लेकिन यहां तेज बारिश से नदी उफान पर होने की वजह से वह अस्पताल तक नहीं पहुंच पाई। उसकी मौत के बाद 40 किलोमीटर का चक्कर लगाकर शव को ससुराल ले जाया गया।

सीएम अरब संसद अध्यक्ष मोहम्मद यामाहि से मिले, एनर्जी समिट में मप्र आने का दिया न्यौता

मुख्यमंत्री 16 से 19 जुलाई तक स्पेन यात्रा पर रहेंगे

भोपाल|मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को मप्र में निवेश संभावनाओं को लेकर ग्लोबल डायलॉग 2025 में हिस्सा लेने दुबई पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले भारत के कौंसुल जनरल सतीश कुमार शिवन से मुलाकात की। इसके बाद अरब संसद के अध्यक्ष मोहम्मद अल यामाहि से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्हें मप्र की औद्योगिक नीतियों की जानकारी देते हुए प्रदेश में होने वाली आगामी एनर्जी समिट में शामिल होने का न्यौता भी दिया। दुबई यात्रा के पहले दिन सीएम यूएई की राजधानी अबू धाबी में स्थित बीएपीएस स्वामी नारायण मंदिर देखने पहुंचे। यात्रा के पहले दिन प्रवासी भारतीयों और इंदौरी इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क (आईआईबीएन) की ओर से उनका स्वागत किया गया। सीएम ने कहा कि मप्र सरकार प्रवासी उद्यमियों को निवेश के लिए अनुकूल माहौल देने तैयार है। इस बैठक में 25 सीईओ और 15 उद्योगपति शामिल हुए। दुबई के एनआरआई प्रवीण मेहता ने वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए निजी क्षेत्र में मप्र में 100 करोड़ के एक प्रोजेक्ट और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले सस्टेनेबल सिटी के लिए लगभग एक हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया। फ्यूचर वाइज एजुकेशन की सीईओ अंजू भाटिया ने विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस मप्र में स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मोहन यादव ने कहा कि यूएई के साथ बढ़ते रणनीतिक संबंधों में मप्र की भूमिका सक्रिय और रचनात्मक रही है।

सीएम 16 से 19 जुलाई स्पेन में रहेंगे। दुबई प्रवास में सीएम यहां पहले अंतरराष्ट्रीय रोड शो की शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही कई उद्योगपतियों से मप्र में निवेश को लेकर चर्चा करेंगे। रविवार शाम पर्यटन क्षेत्र पर राउंड टेबल मीटिंग रखी। जिसमें होटल कारोबारी, ट्रैवल एजेंट्स समेत अन्य स्टेकहोल्डर्स शामिल हुए। मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ. मोहन यादव की आधिकारिक तौर पर यह तीसरी विदेश यात्रा है।

दमोह: जागेश्वरनाथ धाम में 70 हजार भक्तों ने किया जलाभिषेक

दमोह|बुंदेलखंड के प्रसिद्ध तीर्थक्षेत्र श्री जागेश्वरनाथ धाम बांदकपुर में सावन माह के पहले सोमवार को 70 हजार से अधिक भक्तों ने भोले बाबा का जलाभिषेक किया। ब्रह्म मुहूर्त में पट खुलते ही महादेव का रुद्राभिषेक हुआ। साथ ही शुरू हुआ जलाभिषेक का क्रम, जो देर रात तक चलता रहा। केवल दोपहर डेढ़ बजे 20 मिनट के लिए भगवान के पट बंद हुए। इस दौरान भगवान को फलाहार का भोग लगाया गया। मंदिर ट्रस्ट प्रबंधक रामकृपाल पाठक ने बताया कि 70 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान जागेश्वरनाथ के दर्शन किए। इस बार भक्तों को गर्भगृह में प्रवेश नहीं दिया गया। श्रद्धालुओं को बाहर से ही दर्शन एवं जलाभिषेक की व्यवस्था की गई थी। यह निर्णय पिछले वर्ष हुई भगदड़ की घटना के बाद लिया गया, जिसमें दो महिलाएं घायल हुई थीं।

100 किलो चांदी की नई पालकी में नगर भ्रमण पर निकले महाकाल

उज्जैन। श्रावण-भादौ की पहली सवारी महाकालेश्वर मंदिर से निकाली गई। भगवान महाकाल मनमहेश स्वरूप में 100 किलो चांदी की नई पालकी में नगर भ्रमण पर निकले। पूजन-अर्चन के बाद जैसे ही पालकी मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उज्जैन के प्रभारी मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल सहित चार मंत्रियों ने पूजन में भाग लिया। पहली बार 25 गुरुकुलों के 500 बटुकों ने वैदिक मंत्रों के साथ शिप्रा तट पर जलाभिषेक किया। सवारी शाम 7.30 बजे मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।

दबंगई... जोबट विधायक के पुत्र ने तेज रफ्तार कार से आरक्षक को मारी टक्कर; मुकदमा दर्ज

इंदौर/आलीराजपुर | आलीराजपुर बस स्टैंड पर कांग्रेस विधायक महेश पटेल के बेटे पुष्पराज ने तेज रफ्तार फार्च्युनर से रात्रि गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों को रौंदने की कोशिश की। घटना 13 जुलाई रात करीब 12 बजे की है। हादसे में आरक्षक राकेश अनारे घायल हो गए। बिना नंबर की काली फार्च्युनर तेज रफ्तार में बस स्टैंड पर आई और अनारे को सीधी टक्कर मार दी। वह सड़क पर गिर पड़े और कमर, पैर और चेहरे पर चोट आई। आरक्षक गुजरिया ने बताया कि कार पुष्पराज चला रहा था। पुलिस ने पुष्पराज पर केस दर्ज किया है।

बारिश में दो कच्चे घर गिरे, 4 महिलाओं सहित बच्ची घायल

रीवा|झमाझम बारिश के बीच जर्जर और कच्चे घरों के गिरने का सिलसिला शुरू हो गया है। सोमवार को ऐसी दो घटनाएं सामने आई हैं। मऊगंज जिले के हाटा गांव में घर गिरने से 4 महिलाओं सहित 1 बच्ची घायल हुई है। वहीं रीवा जिले के बैकुंठपुर में भी एक घर गिरा है। गनीमत रही कि उस दौरान कोई घर के अंदर या आसपास मौजूद नहीं था। सोमवार की शाम हनुमना तहसील के हाटा गांव में कच्चे घर की घटना उस समय हुई, जब घर के अंदर महिलाएं भोजन तैयार कर रही थी। इसी बीच अचानक घर गिर गया। बताते है कि उस समय घर के पुरुष काम पर गए थे।

पहली बारिश में गिरी खजुराहो एयरपोर्ट परिसर की बाउंड्री वॉल

खजुराहो

पर्यटन नगरी के एयरपोर्ट की नवनिर्मित बाउंड्री वॉल पहली बारिश में ही गिर गई। एयरपोर्ट की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्ष ही नई बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया था। हालांकि अभी कुछ निर्माण शेष भी है। दैनिक भास्कर ने पिछले वर्ष बाउंड्री वॉल के घटिया निर्माण का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। तब एयरपोर्ट अथारिटी ने गुणवत्ता में जरूरी सुधार के निर्देश भी दिए थे। अंततः उक्त घटिया दीवार पहली निर्माण के बाद पहली बारिश ही नहीं झेल पाई और इसका बड़ा हिस्सा घटिया गुणवत्ता के कारण धराशायी हो गया। रिपोर्टर ने बाउंड्री धराशायी होने की घटना को लेकर अथॉरिटी का पक्ष जानना चाहा, लेकिन कई बार कॉल करने के बाद भी उन्होंने रिसीव नहीं किया। दरअसल खजुराहो एयरपोर्ट की चारों तरफ की बाउंड्री पुरानी होने के कारण जर्जर हो गई थी। विभाग द्वारा पुरानी दीवार ढहा कर इसे नए सिरे से बनवाया जा रहा है। इसके निर्माण का जिम्मा एसके कंस्ट्रक्शन बनारस को टेंडर के माध्यम से दिया गया है।उक्त निर्माण में पुरानी जर्जर दीवार और मकानों की बेकार हो चुकी टूटी-फूटी ईंटों का इस्तेमाल किया गया था।

निर्माण सामग्री में सीमेंट के मिश्रण को लेकर भी शिकायत थी। निर्माण सामग्री का मिश्रण 16 घंटे बाद उपयोग में लाया गया था,जो पहले ही सेट हो चुका था। इसे कुदाली से तोड़कर फिर से पिलर के लिए उपयोग में लाया जा रहा था। दैनिक भास्कर ने खबर प्रकाशित कर इन तथ्यों का खुलासा किया था। निर्माण स्थल पर विभाग के साइट इंजीनियर भी जिम्मेदारी से नहीं जाते थे। भास्कर रिपोर्टर ने निर्माण एजेंसी के मैनेजर से भी बात की थी, तो उन्होंने कहा था कि सरकारी काम ऐसे ही होते हैं। हालांकि खजुराहो एयरपोर्ट के इंजीनियर ऋषि चौरसिया ने साइट इंजीनियर के तुरंत सुधार के निर्देश दिए थे। लेकिन उक्त कार्य उसी तरह से चलता रहा। अंततः पिछले तीन दिनों की अवधि में खजुराहो में हुई भीषण बारिश के दौरान बाउंड्री वॉल का बड़ा हिस्सा धराशायी हो गया। एयरपोर्ट की बाउंड्री के धराशायी होने से इसकी खराब गुणवत्ता की तो पुष्टि हो ही गई है।

नर्मदापुरम में 3.0 गीगावॉट सोलर सेल यूनिट की तैयारी

भोपाल|मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की दुबई यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को ग्रियू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं निदेशक विनय ठडानी और कंपनी के प्रतिनिधि मिले। नर्मदापुरम जिले में प्रस्तावित 3.0 गीगावॉट सोलर प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली औद्योगिक सहायता पर के बारे में चर्चा हुई। ज्ञात हो कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को सशक्त बनाएगी, बल्कि 700 से अधिक लोगों को रोजगार की भी संभावना बनेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में हरित ऊर्जा परियोजनाओं को आवश्यक प्रोत्साहन देने और उद्योगों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के बारे में कंपनी के पदाधिकारियों से चर्चा की। यह प्रोजेक्ट राज्य के पर्यावरणीय लक्ष्यों को मजबूती देने के साथ-साथ स्थानीय आर्थिक विकास को भी गति प्रदान करेगी। बैठक में यह भी स्पष्ट हुआ कि मध्यप्रदेश सतत ऊर्जा नवाचार का एक उभरता हुआ केंद्र बनता जा रहा है। डॉ. यादव ने जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। जीसीसी क्षेत्र में, जैन व्यावसायिक समुदाय के साथ संभावित सहयोग और व्यापारिक अवसरों की तलाश करना है। इसमें जेआईटीओ की प्रमुख पहलों और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को भी समझना था। मप्र की औद्योगिक ईकाईयां जेआईटीओ के आर्थिक सशक्तिकरण, शिक्षा और सेवा जैसे मिशनों में किस प्रकार योगदान दे सकती हैं। प्रस्ताव दिया गया कि एमपी-जेआईटीओ निवेश फोरम की स्थापना की जाए।

उमरिया : चंदिया की नर्सरी से फैलेगी 4 जिलों में हरियाली

वन विकास निगम ने सागौन 15 लाख रूट शूट और पॉली पॉट उमरिया सहित डिंडोरी, रीवा व सीधी भेजे

उमरिया

जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर 10 एकड़ क्षेत्र में फैली चंदिया की नर्सरी से इस साल अकेले उमरिया जिले ही नहीं बल्कि प्रदेश के 3 अन्य जिलों में भी हरियाली की चादर फैलेगी। वन विकास निगम अपनी इस नर्सरी में तैयार किए गए सागौन के 15 लाख रूट शूट और पॉली पॉट तकनीकी से तैयार किए गए पौधे महाकोशल के उमरिया व डिंडोरी जिले के अलावा विंध्य के रीवा व सीधी भी भेजे गए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब उमरिया वन विकास निगम ने इतनी बड़ी तादाद में पौधे तैयार कर रोपण के लिए विभिन्न जिलों में भेजे हैं।

50 प्रतिशत बढ़ी मांग | वन विकास निगम के संभागीय प्रबंधक अमित पटौदी ने बताया कि हर वर्ष चंदिया नर्सरी में सागौन के पौधे तैयार किए जाते हैं। जंगल को पुनः विकसित करने तथा सागौन पौधरोपण में उमरिया के पौधे अन्य जिलों की नर्सरी से बेहतर पाए गए हैं। यही कारण है कि इस बार इसकी मांग 10 लाख से बढक़र 15 लाख हो गई है। श्री पटौदी के अनुसार 5.62 लाख रूट शूट और 70 हजार पॉली पॉट उमरिया जिले में रोपण करने के लिए भेजे गए हैं। 20 जून से 13 जुलाई के बीच समीपी डिंडौरी जिले को 17 हजार तथा रीवा और सीधी के लिए 7.40 लाख रूट शूट भेजे गए हैं।

इस तकनीकी से तैयार किए गए पौधे

चंदिया नर्सरी में रूट शूट व पॉली पॉट तकनीकी से पौधे उगाए जाते हैं। रूट शूट तकनीकी में पहले बेड बनाए जाते हैं, फिर सागौन के बीज डालते हैं। पाली पॉट तकनीकी में छोटी थैलियों में पहले पौधे बनाने की प्रक्रिया की जाती है। सागौन के बीज बोकर उनकी देख-रेख की जाती है। एक वर्ष बाद खुदाई और कटिंग के बाद इन्हें क्रोबार तकनीकी से नए स्थानों में लगाया जाता है।

काशी से भी प्राचीन - 5500 वर्ष पुराना है कालीबंगा का शिवलिंग

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

शिव को संहारक नहीं, सृजनकर्ता माना गया है। आदि अनादि से लेकर कलियुग तक, शिव भक्ति भारतीय जनमानस की आत्मा में समाई रही है। चाहे हिमालय की ऊंची कंदराएं हों या दक्षिण के मंदिरों की भव्यता, शिव सदा हर युग में उपस्थित रहे हैं। लेकिन अब जो प्रमाण राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के कालीबंगा क्षेत्र से मिले हैं, वह इतिहास और पुरातत्त्व दोनों की दृष्टि से क्रांतिकारी हैं। यहां मिला टेराकोटा से बना एक प्राचीन शिवलिंग बनारस के काशी विश्वनाथ से भी हजारों साल पुराना है, यह सिद्ध करता है कि हड़प्पा सभ्यता के लोग भी शिव के परम भक्त थे। कालीबंगा राजस्थान के उत्तर-पश्चिम में स्थित हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के किनारे बसा एक पुरातन बस्ती था, जो सिंधु घाटी सभ्यता का अभिन्न अंग माना जाता है। यह स्थान ह्यकाली रंग की चूड़ियोंह्न के कारण कालीबंगा कहलाया। 1960 के दशक में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक) द्वारा की गई खुदाई में यहां से मिट्टी के बर्तन, घरों की नींव, ईंटों की सड़कें, कृषि उपकरण, और अब एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवशेष शिवलिंग प्राप्त हुआ है। कालीबंगा से प्राप्त हुआ शिवलिंग महज 4.5 सेंटीमीटर लंबा है और टेराकोटा (पकी मिट्टी) से बना है। यह आकार में छोटा अवश्य है, लेकिन इसका महत्व असीम है। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के अनुसार, यह शिवलिंग करीब 5500 वर्ष पुराना है, जो इसे भारत में अब तक का सबसे प्राचीन शिवलिंग बनाता है। इसकी तुलना जब वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के शिवलिंग से की जाती है, जो वर्तमान स्वरूप में मात्र 250-300 वर्ष पुराना है, तो स्पष्ट होता है कि शिव भक्ति का इतिहास हजारों वर्षों से भी अधिक गहराई में जड़ें जमाए हुए है। कालीबंगा की खुदाई में शिवलिंग के अलावा नंदी की आकृति और पीपल पूजन मुद्रा वाले सिक्के भी प्राप्त हुए हैं। नंदी, जो शिव के वाहन के रूप में पूजे जाते हैं, और पीपल, जिसे शाश्वत जीवन का प्रतीक माना गया है, इन दोनों की उपस्थिति इस बात का ठोस संकेत देता है कि हड़प्पा के लोग शिव के उपासक थे। यह खोज केवल धार्मिक आस्था की पुष्टि नहीं करता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि हड़प्पा की समृद्ध सभ्यता में अध्यात्म, प्रकृति पूजा और धार्मिक प्रतीक बहुत पहले से मौजूद था। कालीबंगा क्षेत्र की खुदाई से अब तक 1450 से अधिक पुरावशेष प्राप्त हुए हैं, जिन्हें संरक्षित कर कालीबंगा संग्रहालय में रखा गया है। संग्रहालय की गैलरियों में इन वस्तुओं को बारीकी से समझाने वाले बोर्ड लगे हैं, जिनमें हड़प्पा कालीन जीवनशैली, व्यापार, कृषि, वस्त्र, आभूषण और अब आध्यात्मिक जीवन से जुड़े प्रमाण भी सम्मिलित हैं। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण वस्तु यही प्राचीन शिवलिंग है, जो वहां आने वाले प्रत्येक आगंतुक को भारत की सनातन परंपरा की गहराई से परिचित कराता है। कालीबंगा और अन्य हड़प्पा स्थलों की खुदाई से यह ज्ञात होता है कि उस समय के लोग अत्यंत व्यवस्थित जीवन जीते थे। कृषि, व्यापार, नगर नियोजन, जल प्रबंधन, सभी क्षेत्रों में वे उन्नत थे। परंतु यह प्रमाण इस अवधारणा को और भी सुदृढ़ करता है कि धर्म और अध्यात्म उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा था। हड़प्पा सभ्यता को पहले तक एक धर्मनिरपेक्ष सभ्यता माना जाता था क्योंकि वहां विशाल मंदिरों के अवशेष नहीं मिले। लेकिन कालीबंगा का शिवलिंग, नंदी की आकृति, और पीपल पूजन मुद्रा से स्पष्ट होता है कि उनके धर्म के प्रतीक सूक्ष्म थे लेकिन सशक्त। डॉ. श्याम उपाध्याय जैसे शोधकताओं का मानना है कि यह शिवलिंग भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की नींव रखता है। यह केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि उस संस्कृति की झलक है जो पांच हजार वर्ष पूर्व भी दैवीय ऊर्जा को मूर्त रूप में पूजती थी। इस खोज ने भारत के धार्मिक इतिहास को सिंधु घाटी सभ्यता तक पीछे खींच दिया है। कालीबंगा की खुदाई और यहां से प्राप्त धार्मिक प्रतीक न केवल भारतीय इतिहास को समृद्ध करता है, बल्कि यह विश्व समुदाय को भी यह संदेश देता है कि भारत की धार्मिक चेतना की जड़ें अत्यंत गहरी और प्राचीन हैं।

नीति आयोग की मानव पूँजी से संबंधित क्रांति

राव इंद्रजीत सिंह

भारत जैसे विशाल और वैविध्यपूर्ण देश में प्रगति का वास्तविक पैमाना केवल जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि वह देश अपनी जनता का कितने बेहतर ढंग से पोषण करता है। भारत की प्रमुख पूँजी–हमारी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और उत्पादकता– केवल एक आर्थिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक-नीति आयोग के नेतृत्व में एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश द्वारा अपने सबसे महत्वपूर्ण संसाधन, यानी अपने नागरिकों, में निवेश करने के तरीके को नए आकार में ढाला है।

एक ऐसे देश में जहाँ 65 प्रतिशत से ज्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की है, तो वह जनसांख्यिकीय लाभांश बेहद दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है। लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार अपने साथ एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी लेकर आता है। प्रमुख चुनौती इस युवा ऊर्जा को आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास की शक्ति में रूपांतरित करना है। यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है - जो न केवल आज की प्रगति, बल्कि भविष्य की समृद्धि का भी रोडमैप तैयार कर रहा है। पिछले एक दशक में, नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी साधन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में विकसित हुआ है, जो आँकड़ों, सहयोग और मानव-केंद्रित डिजाइन द्वारा समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है। इसने नीति-निर्माण को एक शीर्ष-स्तरीय प्रक्रिया से राज्यों, निजी क्षेत्र, वैश्विक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सह-निर्माण की गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है। इसकी ताकत केवल योजना बनाने में ही नहीं, बल्कि संज्ञान लेने और उन अवधारणाओं को अमली जामा पहनाने में भी निहित है। इसके मार्गदर्शन में मानव पूँजी की आधारशिला-शिक्षा की पूर्णता नए सिरे से परिकल्पना की गई है। नीति आयोग इस बात को स्वीकार करते हुए कि केवल पहुँच ही पर्याप्त नहीं होती, गुणवत्ता और न्यायसंगतता पर जोर दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, ने –रटंत शिक्षा से आलोचनात्मक चिंतन, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण का रुख करते हुए एक नए युग का सूत्रपात किया। इसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण और विषयों के बीच निर्बाध परिवर्तन पर जोर दिया। इसने देश भर में मौजूद 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को समाहित करते हुए अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से जवाबदेही और कल्पनाशीलता दोनों को सुनिश्चित किया। भारत के युवाओं को 21वीं सदी के लिए कुशल बनाना इसके मिशन का एक और आधार रहा है। कौशल भारत मिशन को समर्थन देने से लेकर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से वंचित जिलों के महत्वपूर्ण भाग तक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित करने तक, नीति आयोग ने कक्षा और करियर के बीच की खाई को पाटने में मदद की है। कौशल भारत मिशन के तहत, 1.5 करोड़ से ज्यादा युवाओं को तकनीक, उद्योग संबंधी और माँग-आधारित पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण वाली पहलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इसने महज प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ही प्रशिक्षण नहीं दिया–अपितु इसने क्षेत्रीय जरूरतों का आकलन किया और भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों ही तरह के युवाओं के लिए वास्तविक आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलने वाले कार्यक्रम तैयार किए। इसके साथ ही साथ, इसने गतिशील, समावेशी श्रम बाजार का समर्थन किया। इसने 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को–मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और व्यावसायिक सुरक्षा से संबंधित चार सरलीकृत संहिताओं में युक्तिसंगत बनाने में सहायता प्रदान की। इन सुधारों ने नियोक्ता के लचीलेपन को श्रमिक सुरक्षा के साथ संतुलित किया, जिससे विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को लाभ हुआ, जो भारत के कार्यबल का बहुसंख्यक हिस्सा है। अनुपालन को सरल बनाकर और औपचारिकता को प्रोत्साहित करके कार्यस्थल केवल अधिक उत्पादक ही नहीं, बल्कि अधिक मानवीय भी बना। लागत के रूप में देखी जाने वाली स्वास्थ्य सेवा को निवेश के रूप में नए सिरे से परिभाषित किया गया। नीति आयोग ने प्रतिक्रियात्मक उपचार से अग्रसक्रिय स्वास्थ्य का रुख किए जाने को मूर्त रूप प्रदान करने में मदद की।

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपए के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दशार्ता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पदार्पाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था। आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपए के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दशार्ता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पदार्पाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था। आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड़यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाजार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।

इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है। यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड़यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजैक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करोड़ों का ट्रांजैक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस डिजिटल युद्ध में सहभागी बनें, नकली नोटों को ना कहें, डिजिटल लेन-देन को अपनाएं। यही राष्ट्रभक्ति है, यही समय की माँग है। संदिग्ध नकदी की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें। नकली नोटों की पहचान करना सीखें और दूसरों को भी जागरूक करें। निश्चित ही जहाँ नकली नोट देश की आत्मा को खोखला करते हैं, वहीं डिजिटल मुद्रा राष्ट्र की नींव को मजबूत करती है। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ-ही-साथ डिजिटल भुगतान से जुड़े घपल्ले एवं घोटाले भी है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए।

कोख में कत्ल होती बेटियाँ: हरियाणा की घुटती संवेदना

जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं.....जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए-जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकताओं को ह्लसहेलीह्न की भूमिका में तैनात किया था।

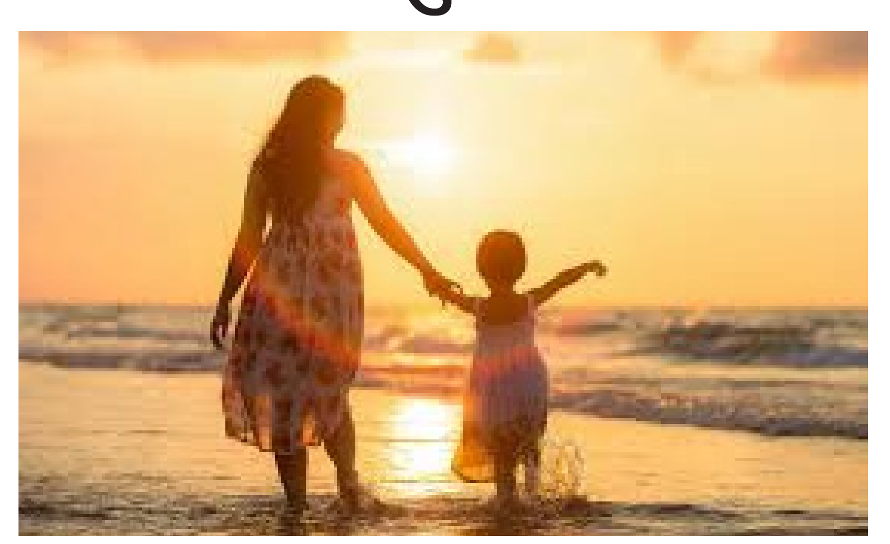

प्रियंका सौरभ

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

हरियाणा में केवल तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात। कारण झ कन्या भ्रूण हत्या की आशंका। छप्पन आशा कार्यकताओं को कारण बताओ नोटिस। निगरानी प्रणाली में चूक। पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिस के सहयोग से कठोर कार्यवाही की तैयारी। किन्तु क्या यह सख़्ती पर्याप्त है? जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं.....जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए-जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकताओं को ह्लसहेलीह्न की भूमिका में तैनात किया था। उनका कर्तव्य था कि वे गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करें, उनके स्वास्थ्य की देखरेख करें, और सही सलाह देकर उन्हें सहयोग प्रदान करें। किन्तु छप्पन आशा कार्यकताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना यह दशार्ता है कि इस निगरानी प्रणाली में गम्भीर लापरवाही हुई है। क्या ये कार्यकर्ता जानबूझकर लापरवाह थीं, या उनके पास संसाधनों की कमी थी? क्या वे सामाजिक दबाव, भय अथवा अव्यवस्था के कारण चुप रहीं? यह गहन जाँच का विषय है, क्योंकि केवल दंड देना समाधान नहीं, अपितु इस समस्या का संवेदनशील समाधान आवश्यक है। हमारे देश में गर्भधारण से पूर्व एवं पूर्व प्रसव भ्रूण परीक्षण निषेध अधिनियम के अंतर्गत भ्रूण की लिंग जाँच तथा लिंग के आधार पर गर्भपात एक दंडनीय अपराध है। परंतु यह अधिनियम केवल कागजों तक सीमित रह गया है। हरियाणा में कई स्थानों पर अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्र, निजी चिकित्सा केंद्रों की मिलीभगत, तथा पैसे के लालच में लिंग जाँच और भ्रूण हत्या आज भी बेरोक-टोक जारी है। इन केंद्रों पर रोक लगाने हेतु बनाए गए विशेष दस्तों तथा निरीक्षण टीमों की सक्रियता केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। स्वास्थ्य विभाग ने गर्भपात करवाने वाली महिलाओं की ह्लपश्च परीक्षण प्रणालीह्न को अधिक कठोर करने की घोषणा की है तथा विशेष रूप से उन महिलाओं की निगरानी बढ़ाने की बात कही है, जिनकी पहले से एक या अधिक पुत्रियाँ हैं। उद्देश्य सकारात्मक है, परंतु यदि इसे संवेदनशीलता और सम्मान के साथ लागू नहीं किया गया, तो यह कदम स्वयं महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों और निजता पर प्रहार बन सकता है। क्या यह निगरानी केवल भय का वातावरण उत्पन्न करने का माध्यम बन रही है? या फिर वे महिलाएँ, जो सामाजिक दबाव में आकर गर्भपात करवाने को विवश हुईं, अब एक बार फिर पीड़िता की बजाय अपराधिनी बना दी जाएँगी? ह्लबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्न जैसे नारे केवल दीवारों पर लिखे जा रहे हैं अथवा नेताओं के भाषणों में दोहराए जा रहे हैं। जमीनी सच्चाई यह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी समाज भी पुत्री को आज भी एक बोझ के रूप में देखता है। दहेज, सुरक्षा, सम्मान और वंश परंपरा जैसे कुप्रथाओं के कारण बेटियाँ आज भी अवांछित हैं। क्या केवल नारेबाजी पर्याप्त है या इस दिशा में मूलभूत सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता है? कोख में हो रही बेटियों की हत्या केवल माँ या परिवार की जिम्मेदारी नहीं है। यह एक सामूहिक अपराध है, जिसमें समाज, चिकित्सा संस्थान, प्रशासनिक व्यवस्था और हम सब शामिल हैं। जब कोई महिला दूसरी या तीसरी बार पुत्री को जन्म देने वाली होती है, तो समाज उसकी मानसिकता, पात्रता और पारिवारिक स्थिति पर कटाक्ष करता है। यही मानसिकता उस माँ को मजबूर करती है कि वह अगली बार कन्या का जन्म न होने दे-भले ही इसकी कीमत किसी जीवन के रूप में क्यों न हो। केवल नोटिस, निलंबन और निगरानी से यह विकराल समस्या नहीं सुलझेगी। इसके लिए आवश्यक है झ स्थानीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण अभियान, पुत्रियों के जन्म पर प्रोत्साहन योजनाओं का क्रियान्वयन, जनजागृति के लिए पत्र-पत्रिकाओं, चलचित्रों और सामाजिक माध्यमों का उपयोग, पारिवारिक मुखियों को संवेदनशील बनाना, लिंग परीक्षण करने वाले चिकित्सकों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही, अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्रों को बंद करना, तथा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में लिंग समानता की शिक्षा को समाविष्ट करना। आशा कार्यकताओं को दंडित करना एक सतही समाधान है। असल प्रश्न यह है-क्या उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, संसाधन, समय पर मानदेय तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा प्राप्त थी? जिन चिकित्सकों ने अवैध लिंग जाँच की, जिन केंद्रों ने भ्रूण हत्या करवाई, तथा जिन परिवारों ने कन्या को अस्वीकार किया-क्या उन सबको भी समान रूप से उत्तरदायी ठहराया गया? यदि माताओं को निर्णय लेने का अधिकार देना है, तो उन्हें शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान देना होगा। बेटी तभी बचेगी जब उसकी जननी स्वयं को सक्षम और सशक्त मानेगी। आज आवश्यकता है कि हम हर माँ को यह कहें-ह्लतू दुर्बल नहीं है, तेरे गर्भ में एक शक्ति पल रही है।ह्न पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिसिया दबाव केवल भय का वातावरण उत्पन्न करेंगे। इनकी अपेक्षा यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दें, तथा समाज में बेटियों के लिए सम्मान का भाव विकसित करें-तो परिणाम अधिक स्थायी और सकारात्मक होंगे।

पूर्वोत्तर भारत को मिली नई रफ्तार

बइरबीझ्रसायरंग रेल लाइन से मिजोरम में बहेगी विकास की बयार वर्ष 2025 मिजोरम के इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर दर्ज हुआ है। पहली बार इस पर्वतीय राज्य की राजधानी आइजोल को देश के ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क से जोड़ा गया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बइरबीझ्र सायरंग ब्रॉड गेज रेल परियोजना के पूरा होने से संभव हो सकी है। यह न केवल मिजोरम, बल्कि समग्र पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और सामाजिक समरसता के लिए भी एक क्रांतिकारी कदम है। मिजोरम भारत का एक दूरस्थ, पहाड़ी और सीमावर्ती राज्य है, जिसकी सीमाएं उत्तर में असम और मणिपुर, पश्चिम में त्रिपुरा और बांग्लादेश तथा पूर्व व दक्षिण में म्यांमार से मिलती हैं। समुद्र से कटा होने और ऊबड़-खाबड़ भौगोलिक संरचना के कारण यह राज्य अब तक सड़क मार्ग पर ही निर्भर था। सीमित सड़क कनेक्टिविटी

और अविकसित बुनियादी ढांचे के कारण यह क्षेत्र देश की मुख्यधारा से कटा-कटा महसूस करता था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 नवंबर 2014 को बइरबीझ्रसायरंग रेल परियोजना की आधारशिला रखी थी। इसके बाद भूमि अधिग्रहण कार्य 2014झ्र15 में पूर्ण किया गया और 2015झ्र16 से निर्माण कार्य आरंभ हुआ। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए यह परियोजना 2025 में पूरी हुई और जून 2025 में रेलवे सुरक्षा आयुक्त (उफ्र) ने इसके संचालन की अनुमति प्रदान की। परियोजना के अंतर्गत 51.38 किमी लंबी ब्रॉड गेज रेलवे लाइन का निर्माण किया गया है, जिस पर 100 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेनों का परिचालन संभव है। इस रेल खंड पर बइरबी से सायरंग के बीच हॉतोर्की, कवनपुई और मुआलखांग स्टेशन स्थित हैं। परियोजना में कुल 48 सुरंगें बनाई गई हैं, जिनकी कुल लंबाई 12.85 किमी है। इसके अलावा, 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल, 5 रोड ओवरब्रिज तथा 9 रोड अंडरब्रिज भी बनाए गए हैं। इनमें से सबसे ऊंचा पुल 104 मीटर ऊंचा है, जो दिल्ली की कुतुबमीनार से भी ऊंचा है। इस परियोजना की कुल लागत 7,714 करोड़ आंकी गई है और इसके निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे (ठऋफ) को दी गई थी। यह परियोजना मिजोरम के आम नागरिकों, विशेषकर ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सड़क मार्ग की सीमाओं से जूझते इन लोगों को अब तेज, सुरक्षित और सस्ता परिवहन विकल्प मिलेगा। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाएं और उच्च शिक्षा तक पहुंच आसान होगी, बल्कि राज्य के युवाओं को रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर भी मिलेंगे। कृषि क्षेत्र में भी इसका प्रभाव दूरगामी होगा। स्थानीय किसान अब अपने कृषि उत्पादों को देश के विभिन्न बाजारों तक कम लागत और कम समय में पहुंचा सकेंगे, जिससे उनकी आमदनी में इजाफा होगा। इससे राज्य की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नया बल मिलेगा। पर्यटन की दृष्टि से भी यह रेलवे लाइन अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिजोरम की मनोहारी प्राकृतिक छटा, सुरंगें, घाटियाँ और पुल इस रेल यात्रा को यादगार अनुभव में बदल देंगे। इससे न केवल घरेलू बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका सामरिक महत्व है। म्यांमार सीमा के करीब होने के कारण यह रेलवे लाइन भारत की सामरिक रणनीति को भी मजबूती देती है। यह भविष्य में दक्षिण-पूर्व एशिया तक रेलवे संपर्क के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है और भारत की ह्यएक्ट ईस्ट पॉलिसीह्न को गति देने वाला एक प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। अब मिजोरम की राजधानी आइजोल भी भारतीय रेल मानचित्र पर दर्ज हो चुकी है। इसके साथ ही पूर्वोत्तर की अन्य राज्य राजधानियाँ झ गुवाहाटी (असम), इटानगर (अरुणाचल प्रदेश), अगरतला (त्रिपुरा), और शिलांग (मेघालय) (हालांकि शिलांग आंशिक रूप से) ब्रॉड गेज नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। इस परियोजना के दौरान मौसम, भूगोल और संसाधनों की जो चुनौतियाँ सामने आईं, उन्होंने भारतीय रेल की इंजीनियरिंग क्षमता, प्रबंधन दक्षता और दूरदृष्टि को प्रमाणित किया। क्षेत्र में वर्षभर केवल 4झ्र5 महीने ही निर्माण कार्य संभव था, शेष समय वर्षा और भूस्खलन के कारण कार्य अवरुद्ध रहता था। संकरी और तीव्र ढाल वाली सड़कों पर निर्माण सामग्री को बड़े ट्रकों से उतार कर छोटे वाहनों से ढोया गया। साथ ही, श्रमिकों की कमी, नेटवर्क की समस्याएं और भौगोलिक अलगाव जैसी बाधाओं के बावजूद परियोजना समयबद्ध रूप से पूरी की गई। बइरबीझ्रसायरंग रेलवे परियोजना मिजोरम के विकास की नई रेल बन चुकी है झ जो कनेक्टिविटी से कहीं आगे, एक सामाजिक, आर्थिक और सामरिक बदलाव का वाहक बन चुकी है।

चंपारण में प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को लेकर एनडीए कार्यकताओं की वाल्मीकि सभागार में बैठक

●एनडीए के दिग्गज नेताओं ने विपक्षी नेताओं पर जमकर साधा निशाना

●अपरिपक्व युवा नेता ये थूककर चाटने वाले पीएम बनने का ख्वाब देख रहे हैं- केंद्रीय मंत्री,ललन सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। मोतिहारी में 18 जुलाई को होने वाले प्रधानमंत्री की सभा के तैयारियों का जायजा लेने वाल्मीकिनगर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। ललन सिंह ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि थूककर चाटने वाला देश का पीएम बनने का ख्वाब देख रहा है तो वहीं दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार में विपक्ष को पता होता है कि आने वाले दिन कहां क्राइम होने वाला है। बतादें की मंगलवार की सुबह 10 बजे वाल्मीकिनगर स्थित वाल्मीकि सभागार (कन्वेंशनल सेंटर) में स्थानीय विधायक धीरेंद्र प्रताप उर्फ रिंकू सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई एक कार्यक्रम में पहुंचे संजय झा,ललन सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बिहार और केंद्र में विपक्ष की भूमिका में बैठे नेताओं पर जमकर हमला बोला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि हाल हीं में पटना में हुए खेमका हत्याकांड का मास्टर माइंड को किस पार्टी का संरक्षण प्राप्त है ! बिहार में विपक्षी पार्टी को कल कहां और क्या क्राइम होना है सब पहले से पता होता है। ये लोग बिहार में सुशासन की डबल इंजन सरकार को बदनाम करने के लिए क्राइम करवाते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहलगाम हमले के बाद हुए सर्जिकल स्ट्राइक पर वे लोग सवाल उठाते हैं कि कैसे पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक किया गया इसका क्या प्रमाण है। ऐसे सवाल उठाने वाले नेताओं को मिसाइल में बैठाकर पाकिस्तान भेजना चाहिए। साथ में उन्हें इंची टेप देना चाहिए ताकि माप उठा सकें कि कितना दूर तक स्ट्राइक किया गया है। वहीं केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने पीएम मोदी की तारीफ में कसीदे गढ़ते हुए कहा कि पीएम मोदी जिस देश में जाते हैं,उन्हें वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाता है। जबकि विपक्ष में बैठा एक अपरिपक्व युवा जिसे बोलने का ढंग नहीं है वह देश का अगुवा बनना चाहता है। ऐसा व्यक्ति जो चुनाव प्रचार के दौरान जनसैलाब के बीच यह बोलता है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश के चौकीदार को चोर कहा था। जब कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया तब लिखित रूप में अपनी गलती मानकर माफी मांगी। ऐसे थूककर चाटने वाले युवा नेता देश का प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब देख रहे हैं। बतातें चलें कि 18 जुलाई को प्रधानमंत्री आगामी विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों के मद्देनजर मोतिहारी में जनसभा करने वाले हैं।

गैर-संचारी रोगों के खिलाफ जंग में अग्रणी स्वास्थ्यकर्मियों को सिविल सर्जन ने किया सम्मानित

छपरा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए विभाग कृत-संकल्पित है और इसको लेकर विभिन्न स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। गैर संचारी रोग का स्क्रीनिंग और उपचार की सुविधा सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर अब ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिल रही है। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित करने का भी प्रावधान है। इसी कड़ी में सारण के सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा के द्वारा रिविलगंज के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राकेश कुमार समेत 7 स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सिविल सर्जन ने रिविलगंज के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राकेश कुमार, बीएचएम संजीव कुमार, रिविलगंज भादपा की सीएचओ गीता त्रिपाठी, परसा बनकेरवा के सीएचओ सत्यवीर सिंह, टेकनिवास रिविलगंज के सीएचओ सत्येंद्र कुमार, रिविलगंज मोहब्बत परसा के सीएचओ कुमारी प्रियंका, दरियापुर के सुंदरपुर की सीएचओ नेहा सिंह को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम, समय पर पहचान और उपचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित कर स्वास्थ्य विभाग ने उनके योगदान को सराहा है। यह सम्मान सारण जिले में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में दिया गया। गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग और इलाज में सीएचओ की भूमिका महत्वपूर्णःसिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। विशेषकर हाइपरटेंशन, डायबिटीज, कैंसर आदि गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग और इलाज में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) और अन्य स्वास्थ्यकर्मी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में एनसीडी स्क्रीनिंग के लिए लक्ष्यानुरूप कार्य करें, ताकि प्रारंभिक स्तर पर बीमारियों की पहचान हो सके और समय पर उपचार शुरू हो सके। उत्साहवर्धन करना हमारी प्राथमिकताः जिला गैर-संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. भूपेंद्र कुमार ने बताया कि गैर-संचारी रोग आज देश के सामने बड़ी चुनौती है। यदि इनका समय रहते स्क्रीनिंग और प्रबंधन न हो, तो यह गंभीर रूप ले सकते हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक इन बीमारियों की रोकथाम, जांच और इलाज की सुविधा पहुँचाई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

सभी विद्यालयों मे एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम पर पौधा रोपण

बनियापुर । प्रखंड के सभी विद्यालयों मे सरकार के निर्देश पर महत्वाकांक्षी कार्यक्रम एक पेड़ माँ के नाम आयोजन किया गया ,जहा सभी शिक्षकों,छात्र छात्राओं द्वारा चढ़ बढ़ कर हिस्सा लिया गया,तथा माँ के नाम पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर उसकी तस्वीर पोर्टल पर अपलोड किया गया,जिसके लिए स्थानीय बी ई ओ रामनाथ बैठा व अन्य कर्मी इस कार्य के लिए लगे हुए थे।

झोपड़ी नुमा मकान में अचानक आग लग जाने से लाखों रुपए की संपत्ति जल कर नष्ट

एकमा । नगर पंचायत के भुईली गांव के दलित बस्ती में मंगलवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे शंकर राम के पुत्र श्याम कुमार राम के झोपड़ी नुमा मकान में अचानक आग लगा गई जिससे लाखों रुपए की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई । घटना की जानकारी पुलिस को मिलते ही अग्नि शमन दमकल मशीन पहुंचकर आग पर काबू कर लिया। लेकिन तब तक सारी संपत्ति जल का नष्ट हो गई । इस संबंध में पीड़िता श्याम किशोर राम ने बताया कि हम राज मिस्त्री का काम करते हैं। साथ ही घर का सेंट्रीग का सामान भाड़े पर चलाता हूं । जिसमें दो चौकी सहित लाखों रुपए की पटरा तख्ता जल का नष्ट हो गई । घटना की जानकारी मिलते ही । विधायक प्रतिनिधि अवधेश यादव कन्हैया यादव ने पहुंचकर पीड़ित परिजनों से मिलकर गहरा दुख व्यक्त करते हुए हर संभव मदद करने का आश्वासन देते हुए कहा कि आपदा से मिलने वाली सहायता शीघ्र ही मुहैया कराई जाएगी साथ ही प्रधानमंत्री आवास का भी लाभ दिया जाएगा।

घोरहट पैक्स में वार्षिक आम सभा सह कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन

मांझी प्रखंड के घोरहट पंचायत के भभौली में पैक्स अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह के अध्यक्षता में पैक्स गोदाम परिसर में वार्षिक आम सभा सह कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन मंगलवार को किया गया बैठक में किसानों के हित में कई प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक का शुभारंभ बीसीओ धर्मेन्द्र चंद्रवंशी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर पैक्स अध्यक्ष ने कहा कि हमारे पंचायत के किसानों ने जिस उम्मीद के साथ मुझे पैक्स अध्यक्ष की जिम्मेवारी दी है ।उसे ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने के लिए हम कृत संकल्पित है। पैक्स अध्यक्ष ने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं का लाभ अपने किसानों तक जिम्मेदारी पूर्वक सही तरीके से पहुचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ बैठक में पीडीएस, ट्रैक्टर सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई इस अवसर पर सदस्य -रामेश्वर भारती,कृष्णा यादव, चंदा देवी, मीणा देवी, विद्याशंकर राम, रंजीत महतो, सुडू बाबा, श्यामसुंदर भारती, प्यारे अंगद, इमामुदिन मिया, प्रबंधक-दीपक कुमार भारती, पूर्व मुखिया ललन चौधरी, नन्द महतो, मुख़्तार मियां, जवाहिर यादव, सूरज सिंह, सुरेश्वर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसानों मौजूद रहे।

5 07 लाख 27 हजार 353 बच्चों को डायरिया से बचाव का रखा गया है लक्ष्य

बेतिया। शहर के अम्बेडकर नगर यूपीएचसी से स्टॉप डायरिया अभियान-2025 का शुभारंभ किया गया। अभियान को 22 सितंबर तक चलाया जाएगा ये बातें कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिले के डीसीएम राजेश कुमार ने कहीं। उन्होंने कहा की डायरिया से बच्चों को बचाव, रोकथाम एवं उपचार हेतु संस्थान एवं समुदाय स्तर पर जनजागरूकता से संबंधित कई अहम गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रचार हेतु जागरूकता रथ भी घूम रहा है। उन्होंने बताया की 5 वर्ष तक के बच्चों के बीच 10 लाख ओआरएस, 99 लाख जिंक की दवा वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा की डायरिया बाल मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। उन्होंने बताया की 17 जुलाई कों दस्त नियंत्रण पखवाड़ा एवं परिवार नियोजन पखवाड़ा पर बैठक होगी।

जेपीयू ने जारी किया पीजी का परीक्षा शेड्यूल

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा सदर। जयप्रकाश विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के द्वारा ए एम.ए/ एम.एससी/एम.कॉम. (सीबीसीएस-2023-2025) प्रथम सेमेस्टर परीक्षा 2023 के लिए परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है उक्त बातों की जानकारी देते हुए जेपीयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर परमेंद्र कुमार बाजपेई के आदेश अनुसार उक्त परीक्षा 28 जुलाई से 31 जुलाई तक दो पालियों में ली जाएगी। उक्त परीक्षा के लिए विभिन्न विषयों को दो ग्रुपों में बाटा गया है। ग्रुप-ए में भौतिकी, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान, गृह विज्ञान, अंग्रेजी और हिंदी तथा ग्रुप बी में गणित, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, उर्दू, संस्कृत और वाणिज्य को रखा गया है। ग्रुप ए की परीक्षा प्रथम पाली में 10 बजे से 1 बजे तक तथा ग्रुप बी की परीक्षा द्वितीय पाली में 2 बजे से 5 बजे शाम तक होगी। डॉ मिश्रा ने बताया कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर अनुचित साधनों के प्रयोग की रिपोर्ट पर वॉकआउट/स्टेआउट/रद्दीकरण के मामले में कोई परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्र के अलावा किसी अन्य केन्द्र पर परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। केंद्र में परिवर्तन की अनुमति भी नहीं होगी। तथा परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी, यदि ऐसा पाया गया तो उसे जब्त कर लिया जाएगा तथा वापस नहीं किया जाएगा।

मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण में अफरा तफरी और अराजकता का आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सीपीआई की सारण जिला कार्यकारिणी ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य मे बड़े पैमाने पर अफरा तफरी और अराजकता का आरोप लगाया है। पुनरीक्षण कार्य मे पहले विज्ञापन में दो प्रपत्र की बात की गई थी। एक प्रपत्र दस्तावेज के साथ जमा करना था और एक पावती रसीद के रूप मे मतदाता को देना था। किन्तु एक ही प्रपत्र जमा कराया जा रहा है वह भी बिना किसी दस्तावेज के। इसमें भी भारी अराजकता और अनियमितता व्याप्त है। पार्टी ने अपनी सभी इकाइयों का आह्वान किया है कि 25 जुलाई तक सभी गरीब और कमजोर वर्ग के महिला पुरुष मतदाताओं के प्रपत्र जमा कराने के कार्य मे लगकर प्रपत्र जमा करने मे सहयोग किया जाय। दस्तावेज के संबंध मे स्थिति को स्पष्ट करने की भी मांग की गई। बिहार से बाहर रह रहे प्रवासी मजदूरी के लिए समयावधि विस्तार की भी मांग की गई। एक प्रस्ताव पारित कर पार्टी का जिला सम्मेलन 23 तथा 24 अगस्त को जलालपुर मे आयोजित करने का फैसला लिया गया। जिला सम्मेलन से पूर्व सभी शाखाओं और अंचलों के सम्मेलन सम्पन्न कर लेने का फैसला लिया गया। शिवजी दास की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक को राज्य कार्यकारिणी सदस्य सुरेन्द्र सौरभ और जिला सचिव रामबाबू सिंह ने संबोधित किया। बैठक में सहायक जिला सचिव नागेन्द्र राय, चूलहन सिंह, हरिबलम सिंह, सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, रजाक हुसैन, सुरेश वर्मा, महेन्द्र प्रभाकर, सुग्रीव गुप्ता आदि ने भाग लिया।

भाजपा बनियापुर उत्तरी मंडल में बूथ कमेटी की समीक्षा बैठक संपन्न, मोर्चा कमेटी का हुआ गठन

प्रात: किरण संवाददाता

बनियापुर । भारतीय जनता पार्टी के बनियापुर उत्तरी मंडल में मंगलवार को उत्तरी मंडल अध्यक्ष मणिभूषण दुबे की अध्यक्षता में बूथ कमेटी की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंडल स्तर पर विभिन्न मोर्चा कमेटियों का भी गठन किया गया। बैठक में पिछड़ा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष के रूप में कपिलदेव सिंह, एसटी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष के रूप में भारत राम, आईटी सेल प्रभारी के रूप में विकास ओझा तथा मीडिया प्रभारी के रूप में विजय सोनी को नियुक्त किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री संजय सहाय मौजूद रहे। साथ ही बनियापुर विधानसभा के वरिष्ठ नेता अजीत सिंह, उत्तरी मंडल अध्यक्षअनिल शर्मा, संजीव कुमार, अखिलेश माझी, रोहित तिवारी, छोटू सिंह, मुन्ना कुशवाहा, बिट्टू सिंह और राजकुमार यादव सहित कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे बैठक का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाना और आगामी चुनावों की रणनीति पर विचार करना था। नेताओं ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और पार्टी की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

सारण में कालाजार उन्मूलन को लेकर सिंथेटिक पैराथायराइड का होगा छिड़काव

21 जुलाई से 60 दिनों तक चलेगा छिड़काव अभियान

●फील्ड वर्कर और ग्रामीण चिकित्सकों को दिया जायेगा प्रशिक्षण

●सारण जिले के 158 पंचायतों के 248 गांवों में होगा छिड़काव

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। जिले में कालाजार उन्मूलन के प्राप्त लक्ष्य को सस्टेन करने तथा कालाजार के रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग प्रयारसत है। इस दिशा में जिले छिड़काव अभियान की शुरूआत की जायेगी। इसको लेकर 21 जुलाई से 60 दिनों तक छिड़काव अभियान प्रस्तावित है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने पत्र जारी कर सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों और वीबीडीएस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया है। निर्देश दिया गया है कि अभियान के पूर्व फील्ड वर्करों और ग्रामीण चिकित्सकों को प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ हीं सभी जरूरी उपकरणों की मरम्मती कराकर तैयार रखा जाये। छिड़काव के तीन माह तक दीवारों का रंगरोगन या लिपाई पोताई नहीं करें: डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि कालाजार उन्मूलन के लिए आईआरएस कार्यक्रम के तहत सिथेटिक पाराथाईराइड का छिड़काव किया जाता है। गर्मी और बरसात के मध्य कालाजार के प्रकोप की संभावना बढ़ जाती है। बालू, मक्खी मिट्टी वाले घरों की दीवारों, गौशाला तथा गंदी जगहों पर पाये जाते हैं। रोकने के लिए साल में दो बार सिथेटिक पाराथाइराइड का छिड़काव किया जाता है। छिड़काव से पूर्व घरों की अंदरूनी दीवारों में मौजूद छिद्र को बंद कर दें। घर के सभी कमरों की दीवारों पर छह फुट तक छिड़काव कराया जाना चाहिए। कीटनाशक के छिड़काव के दो घंटे बाद घर या कमरे में जाए। छिड़काव से पहले खाने की वस्तुएं, कपड़े व बर्तन सहित अन्य आवश्यक सामान को हटा देना चाहिए। रसायन छिड़काव के तीन माह तक दीवारों का रंगरोगन या लिपाई पोताई नहीं करनी है। 158 पंचायतों के 248 गांवों में होगा छिड़काव: वीडीसीओ सतीश कुमार ने बताया कि जिले के 158 पंचायतों के 248 गांव में कालाजार नियंत्रण को लेकर सिंथेटिक पैराथायराइड का छिड़काव किया जायेगा। साथ हीं शहरी क्षेत्र के 9 वार्डों में छिड़काव किया जायेगा। जिले में 8 लाख 64 हजार 906 जनसंख्या के 1 लाख 65 हजार 456 घरों को लक्षित किया जायेगा। अभियान के सफलता को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों और छिड़काव कर्मियों का प्रशिक्षण का कैलेंडर जारी कर दिया गया है। सभी का प्रशिक्षण किया जाना है। क्या है कालाजार: कालाजार मादा सैंड फ्लाइ के काटने से होती है। यह एक जानलेवा बीमारी है। लंबे समय तक बुखार, तिल्ली एवं जिगर बढ़ जाना, खून की कमी व वजन के घटने जैसे लक्षणों के साथ त्वचा का रंग काला पड़ जाता है। समय पर समुचित इलाज करा कर इस बीमारी से बचाव किया जा सकता है। जिले में कालाजार संभावित स्थलों की पहचान कर कीटनाशक का छिड़काव कराया जा रहा है। सदर अस्पताल में कालाजार के इलाज की व्यवस्था है।

दरियापुर अंतर्गत बिसाही गांव हत्याकांड का दो नामजद अभियुक्त हुआ गिरफ्तार : ग्रामीण एसपी

●शूटर राजू नट के निशानदेही पर एक कट्टा एवं दो कारतूस बरामद

छपरा। जिले के दरियापुर थाना अंतर्गत बिसाही गांव में गत दिन हुए हमले में दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है, एक नामजद अभियुक्त के निशान देही पर एक कट्टा एवं दो कारतूस बरामद भी कर लिया गया है। उक्त बातें नव पदस्थापित ग्रामीण एसपी संजय कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्रामीण एसपी संजय कुमार ने कहा कि 13 जुलाई को दरियापुर थाना अंतर्गत बिसाही गांव में दो लोगों को गोली मार कर घायल कर दिया गया था। गंभीर रूप से घायलों में संतोष राय और कांग्रेस राय शामिल थे। उन्होंने कहा कि इलाज के दौरान संतोष राय की मौत हो गई। कांग्रेस राय के बयान पर इस मामले में दरियापुर थाना कांड संख्या -441/25 दर्ज कर तकनीकी एवं मानवीय सूचना के अनुरूप दोनों अभियुक्त राजू नट एवं सुनील राय को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीण एसपी संजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया कि इस हत्याकांड में सुनील राय साजिश करता था। जबकि राजू नट शूटर है। गिरफ्तार दोनों का आपराधिक रिकार्ड रहा है। संजय राय सजायाप्ता मुजरिम है, इस पर विभिन्न थानों में 20 से अधिक अपराधिक मुकदमा दर्ज है। वहीं गिरफ्तार राजू नट पर भी विभिन्न थानों में 5 से 6 मुकदमा दर्ज है। उन्होंने कहा कि घटना के कारण जमीन से संबंधित है और संगठित अपराधी हैं। ये लोग काफी दिनों से जमीन का कारोबार कर रहे थे,और ऊंचे दर पर बेचते थे। दोनों का आपराधिक रिकार्ड रहा है,फिलहाल गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

स्कूली छात्राओं को परेशान करना युवक को पड़ा भारी, पुलिस ने काटा चालान

छपरा कार्यालय। राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की तरफ से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन बावजूद इसके महिलाओं और स्कूली छात्राओं से छेड़खानी के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला सारण जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र से सामने आया है। जहां स्कूली छात्राओ के साथ छेड़खानी करने के आरोप में दो मोटरसाइकिलों पर स्थानीय प्रशासन ने भरी रकम का चालान काटा है। इस बात की जानकारी वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दरियापुर थाना को सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल एक वीडियो प्राप्त हुआ, जिसमें दरियापुर थाना क्षेत्र स्थित एक विद्यालय के समीप कुछ मनचलों युवकों ने विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को परेशान किया जा रहा है। उक्त वायरल वीडियो के आधार पर दरियापुर थाना द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए छात्राओं के साथ छेड़खानी करने वाले दो मनचलों के मोटरसाइकिलों पर 25000 हजार रुपए का चालान काटा गया है। वायरल वीडियों में दिख रहे युवकों की पहचान कर ली गई है। मनचलों युवकों पर पुलिस कठोर सजा दिलाने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। वही सारण पुलिस के तरफ से एक अपील कर कहा कि किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक या असामाजिक गतिविधि की जानकारी तत्काल नजदीकी थाना या सारण पुलिस कंट्रोल रूम हेल्पलाइन नंबर (9031036406) को सूचना दें।

पारिवारिक कलह में एक युवक ने पेड़ से लटक किया आत्महत्या

प्रात: किरण संवाददाता

नगरा सारण। नगरा थाना क्षेत्र के बन्नी बिंदटोली गांव में मंगलवार की सुबह आपसी पारिवारिक विवाद में एक युवक ने आत्महत्या कर लिया है। मृतक युवक बन्नी बिंदटोली गांव के मुनिलाल महतो का 22 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार महतो बताया जाता है। घटना की प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक युवक मंगलवार की सुबह में अपने पत्नी के साथ कुछ खरेलू मामले को लेकर मारपीट किया। उसके बाद वह अपने घर के कुछ दूरी पर नदी किनारे एक पेड़ पर रस्सी के सहारे फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर लिया। इस बात की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची नगरा पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। मृतक के दो बच्चे है। वही मृतक के पत्नी निशा देवी एवं पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है। घटना की जानकारी देते हुए नगरा थानाध्यक्ष विजय कुमार रंजन ने बताया कि आपसी पारिवारिक विवाद में युवक ने आत्म हत्या किया है।उन्होंने कहा कि मौके पर उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों और परिजनों ने लिखित आवेदन दिया है, जिसमें बताया गया है कि मृतक युवक ने आपसी पारिवारिक विवाद में आत्म हत्या किया है। जिसके कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया जाएगा।

समीक्षा बैठक से लौटने क्रम में पैक्स अध्यक्ष का स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो वीटीआर जंगल मे घुसा

बगहा। वाल्मीकि नगर के वाल्मीकि सभागार (कन्वेंशन सेंटर) में एनडीए कार्यकताओं की समीक्षा बैठक में शामिल होने के बाद सेमरा कटकुईया के पैक्स अध्यक्ष राकेश कुशवाहा का स्कॉर्पियो लौटने के क्रम में बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य पथ स्थित कोतराहा मोड के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। सूत्रों की माने तो बैठक से वापस जाने के क्रम में स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर गाड़ी वीटीआर के जंगल में घुस गया। लेकिन इस घटना में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं मिल रही है। साथ ही वाहन में कितने लोग सवार थे, इसका खुलासा नहीं हो पाया है।कयास लगाया जा रहा है कि घटना होने के बाद उस पर सवार सभी लोग उपचार के लिए अंयत्र चले गए है। लेकिन वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था।वाहन पर पैक्स अध्यक्ष सेमरा कटकुईया का बोर्ड लगा हुआ है।

56.96 करोड़ से स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज योजना के अंतर्गत मुख्य नाला निर्माण के लिए नालों पर से हटेगा अतिक्रमण: गरिमा

●जारी निर्माण कार्य में और तेजी के लिए नालों पर अतिक्रमण की नगर निगम और जिला परिषद के अमीन कर रहे हैं ज्वाइंट पैमाईश

बेतिया। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने निर्माणाधीन स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम निरीक्षण किया। सर्किट हाउस के समीप मोहर्रम चौक होते कलेक्ट्रेट चौक होते निकलने वाले इस मुख्य नाले के जारी निर्माण के तहत महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम के निर्माण को तेज गति से पूरा करने के लिए नालों पर अतिक्रमण की जांच के लिए नगर निगम और जिला परिषद प्रशासन के अमीनों द्वारा संयुक्त रूप से पैमाईश की जा रही है। पैमाईश रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई के बाद इस महत्वपूर्ण योजना के कार्य को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। इसके लिए जिला परिषद के कार्यपालक अधिकारी सह उप विकास आयुक्त से महापौर ने अनुरोध कर अमीनो की आवश्यकता बताई। अभी निमार्णाधीन नाले का कार्य जिला जज आवास से शुरू हो गया है। इस मौके पर मौजूद बुडको के साइट इंचार्ज अभियंता पप्पू कुमार ने बताया कि सर्किट हाउस से मोहर्रम चौक के इस निमार्णाधीन नाले की चौड़ाई करीब साढ़े तीन फीट और गहराई 6 फीट होगी। नाले का लेबल सड़क के बराबर होगा। ताकि बरसात और अन्य जल निकासी सुगमता पूर्वक होते रहना सुनिश्चित हो सके। वही महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण पूरा हो जाने से नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र के लिए सुगम जल निकासी की सुविधा के साथ नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र को जल जमाव से मुक्त बनाया जा सकेगा। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि नगर विकास एवं आवास विभाग से स्वीकृत एवं फलित होने जा रहा यह नया जल निकासी सिस्टम बीते करीब साढ़े तीन साल के उनके अथक प्रयास के बाद अब फलीभूत रूप में है।जिसके तहत नगर निगम क्षेत्र के सघन शहरी क्षेत्र के लिए 56.96 करोड़ लागत वाला नया स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज सिस्टम संभव हुआ है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि बुडको अर्थात बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन से इसकी निविदा प्रक्रिया विगत पूरी करने के आधार पर इसके लिए दिल्ली के प्रीतमपुरा की कंपनी मेसर्स सीके इंफ्रा लिमिटेड और मेसर्स बिल्डनेट इंगर्स को कायादेंश भी जारी करते हुए बुडको ने अपनी टीम भी तैनात कर दी है। महापौर ने बताया कि पूर्ववर्ती नगर परिषद के सभापति वाले कार्यकाल में सघन क्षेत्र में आबादी के अनुसार नई जल निकासी व्यवस्था के लिए स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज सिस्टम निर्माण का प्रस्ताव भेजा था। जिसके पेंडिंग रह जाने के बाद अपने वर्तमान कार्यकाल में बिहार मंत्री परिषद से इसकी स्वीकृति मिल पाई थी। महापौर ने बताया कि इस योजना को पूरी करने की समय सीमा 24 माह अर्थात दो साल निर्धारित की गई है।जिसके अनुसार कुल 9 खंड में बंटे नए और विस्तृत सिवरेज सिस्टम से सुगम जल निकासी का लाभ से सघन शहरी क्षेत्र के करीब पौने दो लाख की आबादी को मिलने लगेगा। जिससे व्यवस्थित और सुचारू जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित हो जायेगी।

महिला स्वाभिमान बटालियन के नए महिला समादेष्टा ने पदभार संभाल

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बिहार स्वाभिमान सशस्त्र महिला बटालियन वाल्मीकिनगर के नए समादेष्टा के रूप में सुश्री निर्मला ने मंगलवार को कैंप परिसर में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। सुश्री निर्मला ने पूर्व समादेष्टा मिथिलेश कुमार के जगह पर आई है। सुश्री निर्मला इससे पूर्व अपराध अनुसंधान केंद्र सरदार पटेल भवन पटना में कार्यरत थी। वाल्मीकिनगर में योगदान देने के बाद सुश्री निर्मला ने बताया कि बिहार सशस्त्र महिला स्वाभिमान बटालियन में यह पहली सेवा है। मैं अपने कनीय अधिकारियों के साथ मिलकर कैंप में होने वाले प्रशिक्षण से लेकर कानून व्यवस्था बनाए रखना पहली प्राथमिकता होगी। बटालियन में जो भी जवान है चाहे पुरुष हो या महिला सबके लिए एक नियम एक कानून होगा। समय बीतने के बाद जो भी आवश्यकता है होगी उसमें बदलाव के साथ-साथ लागू करना हमारा मुख्य काम होगा। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर रमाशंकर पांडेय, हवलदार जवाहर पांडेय, डीएसपी ममता प्रसाद सहित बटालियन के अन्य जवान उपस्थित थे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran   www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
नई दिल्ली, बुधवार, 16 जुलाई, 2025

संक्षिप्त खबरें

डॉ. संजय कुमार को जदयू के विधि प्रकोष्ठ भोजपुर के जिलाध्यक्ष हुए मनोनीत

आरा। डॉ. संजय कुमार के मनोनयन पर जदयू जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, दल के वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह उर्फ दादा एवं विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जी को धन्यवाद देते हुए कहा कि ये दल के कर्मठ सिपाही हैं इनके मनोनयन से दल की मजबूती को बल मिलेगा। इनके मनोनयन पर दल राष्ट्रीय महासचिव सह विधानपार्षद श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, विधानपार्षद राधाचरण साह, पूर्व विधायक प्रभुनाथ प्रसाद, वशिष्ठ ने कामेश्वर कुशवाहा, भाई ब्रह्मेश्वर, पप्पु चौबे, शंभु प्रसाद सोनी, भीम सिंह पटेल, राजीव रंजन श्रीवास्तव, मनोज कुमार झमन, अवधेश कुमार, मुमताज वारसी, पुष्पा कुशवाहा, अजीत मेहता, संजय पंडित, ददन राम, शिवशंकर राम ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्री शिव परिवार प्रतिकात्मक रुद्र महायज्ञ का हुआ जलभरी

आरा। रामनगर गली नंबर 3 स्थित नव निर्मित महा,देव मंदिर परिसर में मंगलवार से प्रारंभ हो रहे सात दिवसीय शिव परिवार प्रतिष्ठात्मक सह रुद्र महायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा सह शोभा यात्रा निकाली गई। यज्ञाधीश श्री देवनारायण (दया बाबा) संयोजकत्व में आयोजित रुद्र महायज्ञ के लिए गाजे-बाजे के साथ दर्जनों घोड़ों, रथ व वाहनों के अलावा आकर्षक झांकी से रामनगर मोहल्ले से बड़कागांव घाट तक के लिए निकाली गई। बड़कागांव घाट पर यज्ञाचार्य श्री देवनारायण (दया बाबा) के सानिध्य में पूर्ण विधि विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पवित्र कोरवा नदी से जलभरी कर श्रद्धालु यज्ञ मंडप के लिए प्रस्थान किए। यह यज्ञ 15 जुलाई से लेकर 21 जुलाई तक चलेगा जिसमें हर रोज प्रवचन विद्वान पंडित द्वारा किया जाएगा।

हिंदू जागरण मंच के द्वारा भव्य आरती एवं श्रृंगार का आयोजन किया गया

आरा। श्रावण माह के पवित्र महीने में हिन्दू जागरण द्वारा जेल रोड स्थित जोड़ा मंदिर में भोले बाबा एवं बजरंगबली की भव्य आरती एवं भोले बाबा का श्रृंगार का आयोजन किया गया। हिंदू जागरण द्वारा यह कार्यक्रम हर वर्ष होता है जिसमें शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रावण महीने में आरती का आयोजन होता है, इसी क्रम में जोड़ा मंदिर स्थित अर्द्धनारिस्वर भोले बाबा की आरती हुए तथा विभिन्न प्रकारों के पुष्पों से बाबा का श्रृंगार हुआ। कार्यक्रम का शुरुआत श्री शिव रुद्राष्टकम से हुआ जिसके पश्चात बोले बाबा तथा बजरंगबली की आरती हुई। आरती में हिन्दू जागरण मंच के सैकड़ों कार्यकर्ता के साथ बाबा के भागती में भारी मात्रा में श्रद्धालु जुटे एवं पूरे उमंग से हर हर महादेव, जय श्री राम के जयघोष भी किए। एवं अंत में प्रसाद वितरण कार्यक्रम हुआ।

आरा नगर निगम बना नरक निगम : क्यामुद्दीन अंसारी

आरा। भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य व आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि मौसम की पहली फुहार में आरा नगर निगम बना नरक निगम। माले नेता ने कहा कि पुरा आरा शहर जल जमाव, किचड़, तालाब में तब्दील हो गया है। आरा शहर का सबसे खूबसूरत इलाका बाबू बाजार हो या वार्ड 42 अनाईठ मिल्की मुहल्ला हो या वलीगंज रामगढ़िया खेताड़ी मुहल्ला चारो तरफ जल, किचड़ और जल जमाव है। माले नेता ने कहा कि आरा नगर के मेयर, डिप्टी मेयर हो या आयुक्त किसी को आरा शहर की गंदगी, बजबजाती नालियां, जल जमाव से आरा शहर को मुक्त कराने की चिंता नहीं है ये आरा नगर को लुटने में जुटे हैं। माले नेता ने कहा कि आरा शहर की नारकीय हालात के पुरी तरह जिम्मेवार व जवाब देह भाजपा के आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह है। माले नेता ने कहा कि कल तक अनाईठ मिल्की के जल जमाव की समस्या को हल नहीं किया गया तो भाकपा माले आंदोलन तेज कर देगा।

गंडकी नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत, शव की खोज जारी

दरियापुर (स्थानीय थाना क्षेत्र के भरहापुर के पास गंडकी नदी में नाव से गिर कर दो बच्चे पानी में डूब गए। डूबे हुए बच्चों में मुख्तार अली का 10 वर्षीय पुत्र साजिद अली और नीर अहमद का 11 वर्षीय पुत्र नूर हसन शामिल है जो जैतीपुर गांव के रहने वाले हैं घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम करीब छह बजे नाव पर बैठ सभी बच्चे नदी पार कर रहे थे घटना की सूचना मिलते ही नदी किनारे परिजनों की चीख पुकार मच गई सूचना मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन तथा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर कामेश्वर प्रसाद घटना स्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों द्वारा दोनों किशोरों की खोजबीन शुरू की गई लेकिन नदी की तेज धार में कुछ भी पता नहीं चल सका सुबह में प्रशासन द्वारा गोताखोरों को मांग कर दोनों किशोरों की खोज करने की बात कही गई है घटना के बाद नदी किनारे काफी लोगों की भीड़ जुट गई सभी लोग अपने अपने स्तर से नदी किनारे डूबे हुए किशोरों के मिलने की आस में खोज करते रहे।

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव द्वारा चिरांद, करींगा का मकबरा एवं छपरा संग्रहालय का स्थलीय निरीक्षण

- ऐतिहासिक स्थलों को सहेजना सरकार की है प्राथमिकता : सचिव कला संस्कृति
- जिलाधिकारी के साथ सचिव ने किया स्थलीय निरीक्षण, दिए गए दिशा-निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मंगलवार को बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव द्वारा जिलाधिकारी सारण के साथ सदर प्रखंड अंतर्गत स्थित ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों- चिरांद के पुरातात्विक स्थल, करींगा का मकबरा एवं छपरा संग्रहालय का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर सचिव ने पर्यटन की दृष्टि से इन तीनों स्थलों के व्यापक विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि चिरांद के ऐतिहासिक स्थल तक सुगम पहुँच पथ का निर्माण शीघ्र सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही करींगा के मकबरा की संरचना, संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण से संबंधित विस्तृत योजना बनाकर उसे अमल में लाने के लिए ठोस प्रयास प्रारंभ की जाय। छपरा संग्रहालय को भी तकनीकी दृष्टि से समृद्ध बनाने, प्रदर्शनी के तरीकों में नवाचार लाने तथा स्थानीय इतिहास को प्रमुखता से प्रस्तुत करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अंचलाधिकारी सदर एवं थानाध्यक्ष समेत अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। सचिव ने विशेष रूप से चिरांद की ऐतिहासिक विरासत की चर्चा करते हुए कहा कि यह स्थल प्राचीन सभ्यता का अद्भुत प्रमाण है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। करींगा का मकबरा, जो स्थानीय धार्मिक, ऐतिहासिक एवं स्थापत्य महत्व का प्रतीक है, उसके संरक्षण को लेकर भी विशेष पहल की जाएगी। सचिव ने कहा कि बिहार की संस्कृति और विरासत को सहेजना हमारी प्राथमिकता है, और ऐसे स्थलों के विकास से न केवल सांस्कृतिक चेतना का संचार होगा, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे आपसी समन्वय से कार्य करते हुए समयबद्ध ढंग से योजनाओं को धरातल पर उतारें, जिससे सारण जिले की सांस्कृतिक पहचान और अधिक सुदृढ़ हो सके।

अपराधियों ने उड़ाई प्रशासन की नींद

मांझी। मंगलवार को मांझी थाना क्षेत्र के नरपलिया तथा दुगार्पुर में हथियार के बल पर घटी लूट की दो अलग अलग घटनाओं ने स्थानीय प्रशासन की नींद उड़ा दी है। पहली घटना मांझी एकमा मुख्य मार्ग पर मांझी थाना क्षेत्र के नरपलिया बाजार स्थित धीरज टेलकम नामक मोबाइल दुकान सह साइबर कैफे की दुकान पर घटी जहाँ दुकान में घुसकर अपराधियों ने संचालक प्रताप कुमार पर पिस्टल तानकर अपराधियों ने दुकानदार से तीन लाख 25 हजार रुपये लूट कर फरार हो गए। हालाँकि लूट की घटना को अंजाम देने के बाद भाग रहे एक अपराधी को दुकानदार ने साहस का परिचय देते हुए पकड़ लिया तथा स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उसकी पिस्तौल छीन ली। दुकानदार ने बताया कि लूट के दौरान दुकान में मौजूद चकिया निवासी दिनेश माँझी की पत्नी से भी अपराधियों ने पांच हजार रुपये छीन लिया। बाद में स्थानीय दुकानदारों ने पकड़े गए अपराधी का हाथ पांव बांधकर उनकी जमकर धुनाई कर दी जिससे वह अधमरा हो गया। बाद में सूचना पाकर पहुँची पुलिस ने पकड़े गए अपराधी को अपने कब्जे में लेकर उसे माँझी सीएचसी में एडमिट करा दिया। पुलिस ने पकड़े गए अपराधी की बाइक को भी जब्त कर लिया है।पकड़ा गया अपराधी दाउदपुर थाना क्षेत्र के मदन साठ गांव का रहने वाला बताया जाता है। घटना की गम्भीरता को देखते हुए मौके पर पहुंचे सारण के एसएसपी डॉ कुमार आशीष ने घटना की गहनता से मुआयना किया तथा आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के क्रम में दावा किया कि जल्द ही मामले का उदभेदन किया जाएगा तथा फरार तीन अपराधी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे एवम लूट की राशि भी बरामद करने का हरसम्भव प्रयास किया जाएगा। घटना ग्यारह बजे के आसपास की बताई जाती है। उधर स्थानीय दुगार्पुर घाट पर शाम के चार बजे चार की संख्या में आ धमके हथियार बन्द अपराधियों ने फायरिंग करके मौके पर खड़ी एक मोटर चालित नौका को लूटकर फरार हो गए। बाद में नौका संचालक रबीन्द्र चौधरी ने शोर मचाकर गांव के अन्य लोगों को घाट पर बुलाया तबतक अपराधी नौका लेकर भागने में सफल हो गए। बाद में ग्रामीणों ने दूसरे नाव के सहारे उक्त नौका का पीछा भी किया लेकिन लूटी गई नौका बरामद नही हो सकी। इस बीच माँझी बहोरन सिंह के टोला स्थित एक मोटर पार्ट्स दुकान से दिन दहाड़े चोरी करते एक चोर को पकड़कर दुकानदार ने पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़ा गया चोर छपरा शहर के गुदरी बाजार का रहने वाला बताया जाता है।

मिशन फिजिकल अकादमी ने गृह रक्षा वाहिनी में चयनित अभ्यर्थियों को किया सम्मानित

आरा। वीर कुंवर सिंह स्टेडियम आरा में मिशन फिजिकल अकादमी के द्वारा गृह रक्षा वाहिनी में चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक योगेंद्र पांडेय ने किया। इस आयोजन का उद्घाटन आरा नगर निगम की महापौर इंदु देवी, समाजसेवी संजय राय, जदयू नेता अभय विश्वास भट्ट, पीटीआई कन्हैया सिंह ने संयुक्त रूप से फिता काटकर किया। उद्घाटन के उपरांत मिशन फिजिकल अकादमी के निर्देशक योगेंद्र पांडेय ने मुख्य अतिथि महापौर इंदु देवी को अंग वस्त्र बुके और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर महापौर इंदु देवी ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि आप जहां भी रहे ईमानदारी से अपने कार्य का निर्वहन करें। मेरी जहाँ भी जरूरत होगी वहां हम सभी के सेवा में सदैव रहेंगे। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार कंचन किशोर, सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट के डायरेक्टर संजय राय, अभय विश्वास भट्ट जदयू नेता, कन्हैया सिंह पीटीआई जैन कॉलेज, नीरज कुमार सिंह राष्ट्रीय कोच तीरंदाजी, धनंजय सिंह, सुनील चौधरी ,अरुण को योगेंद्र पांडे मिशन फिजिकल अकादमी ने अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इसके बाद गृह रक्षा वाहिनी में चयनित आकाश कुमार ,मंटू कुमार, चंदन , सुषमा कुमारी, खुशबू कुमारी ,मधुबाला कुमारी ,रंजीत कुमार मनीषा कुमारी, पूनम कुमारी ,रोहित कुमार ,आशुतोष कुमार महिमा कुमारी, ज्योति कुमारी ,बजरंगी प्रसाद, शंभू कुमार रेशमा कुमारी ,गया कुमार ,गुड्डू ,संजना, निशा ,बीकू को मुख्य अतिथि इंदु देवी, विशिष्ट अतिथि संजय कुमार राय अभय विश्वास भट्ट ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर लाल बहादुर लाल पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी रोहित कुमार,अजय कुमार एमके सिंह आदि उपस्थित रहे। वही रमना मैदान और स्टेडियम के सफाई का बवस्था देखने वाले तरुण कुमार को भी संस्था द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

सभी कोटि के शिक्षकों को पूर्ण वेतनमान देना होगा : मंटु

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ, जगदीशपुर इकाई की बैठक संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष किंग अभिषेक क्षत्रप एवं संचालन प्रखण्ड सचिव जयप्रकाश ठाकुर ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु ने कहा कि शिक्षकों के साथ सरकार भेदभावपूर्ण नीति अपनाते हुए प्रारंभिक से उच्चतर माध्यमिक तक के शिक्षकों को 18 से 20 वर्षों की सेवा के बाद भी प्रोन्नति से वंचित रखा है। जिलाध्यक्ष मंटु ने कहा कि सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद विशिष्ट शिक्षकों को सहायक शिक्षक का दर्जा नहीं मिल रहा एवं उनका वेतन निर्धारण नही हो पा रहा है जो अत्यंत निंदनीय है। जिला सचिव उपेन्द्र कुमार सिंह,प्रखण्ड अध्यक्ष किंग अभिषेक क्षत्रप, सचिव जयप्रकाश ठाकुर, जगदीशपुर महासचिव चन्द्रदेव कुमार सिंह ने कहा कि नियोजित ,विशिष्ट और विद्यालय अध्यापकों को राज्यकर्मी जैसी सुविधाएं सेवा निरंतरता और प्रोन्नति सुनिश्चित की जाए। प्रधानाध्यापक एवं प्रधान शिक्षक का भी मुल वेतन का निर्धारण कर योगदान सुनिश्चित किया जाए। बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ प्रदेश इकाई के आह्वान पर इन सभी मुद्दों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा कर दी है। 16 जुलाई को जिला पदाधिकारी को संघ द्वारा मांग पत्र सौपा जाएगा ,19 जुलाई को जिला मुख्यालय में स्टेशन परिसर से जेपी स्मारक तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा और 22 जुलाई को पटना के गर्दनीवाग में विधानसभा घेराव में सैकड़ों शिक्षक पटना पहुंचेंगे। बैठक में संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु, जिला सचिव उपेन्द्र कुमार सिंह , प्रखण्ड अध्यक्ष किंग अभिषेक क्षत्रप, सचिव जयप्रकाश ठाकुर,जगदीशपुर महासचिव चन्द्रदेव कुमार सिंह, उपाध्यक्ष कमलेश कुशवाहा, राधेश्याम सिंह, नगर अध्यक्ष सुनिल कुमार,संयोयक सत्येन्द्र कुमार , कोषाध्यक्ष शशी भूषण पाल, मृत्युंजय चौधरी , नित्यानंद किशोर, जयप्रकाश कश्यप , अरविन्द कुमार सिंह,हरेन्द्र कुमार सिंह,सरोज कुमार साह, लक्ष्मी कांत सिंह सहित दर्जनों शिक्षक मौजूद थे।

क्रिकेट टूनार्मेंट में विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

आरा/बड़हरा। करजा बरजा पंचायत में आज एक प्रेरणादायक और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला जब स्थानिय युवाओं द्वारा आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट में भोजपुर के समाजसेवी और भाजपा नेता अजय सिंह बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। खेल प्रेम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अजय सिंह ने टूनार्मेंट समिति को 11,000 का नगद पुरस्कार भेंट किया। यही नहीं, उन्होंने स्वयं भी मैदान में उतरकर क्रिकेट खेला और पाँच गेंदें खेलकर उपस्थित खिलाड़ियों और दर्शकों में जोश भर दिया। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए एक अनोखी पहल की—उनकी फेंकी गई गेंदों में जो भी बच्चे कैच पकड़ते गए, उन्हें 500-500 का नगद पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने के लिए पंचायत के प्रमुख प्रमोद तिवारी (वर्तमान पैक्स अध्यक्ष) तथा संगठन के सक्रिय प्रचारक प्रयाग तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस आयोजन में क्षेत्रीय ग्रामीणों और युवाओं की भारी भागीदारी रही। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में राम प्रताप सिंह, दीपक सिंह, नीरज सिंह, धीरज सिंह, रमेश पासवान, लोटन यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। खिलाड़ियों का उत्साह और समाजसेवी अजय सिंह का यह सराहनीय योगदान, क्षेत्र में खेल और युवा विकास को नई दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है।

विभिन्न मांगों को लागू करने को लेकर धरना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा भोजपुर ।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय जीरो माइल स्थित नूतन परिसर में बिहार राज्य संबंध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षक कर्मचारी महासंघ द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है जिसके माध्यम से आपसे विभिन्न मांगों को लागू करने के लिए फेडरेशन ऑफ एफिलिएटिड डिग्री कॉलेज टीचिंग एंड नॉन टीचिंग इंप्लाइज एसोसिएशन ऑफ बिहार की विश्वविद्यालय इकाई कै सैकड़ो लोग उपस्थित हुए और इसके माध्यम से माननीय न्यायालय के आदेश के बावजूद भी राज्य सरकार उसे आदेश पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है इसको लेकर उन लोगों ने विभिन्न मांगों को विश्वविद्यालय के समक्ष रखा जिसमें मुख्य रूप से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न सेमेस्टर की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच चयन समिति से चयनित शिक्षकों से कराई जाएविश्वविद्यालय द्वारा 600 पंजीयन शुल्क अभ्यर्थी से लिया जाता है उसमें से 200 महाविद्यालय का दिया जाए विश्वविद्यालय चयन समिति से चयनित शिक्षकों का अनुमोदन समय अवधि में किया जाएविभिन्न महाविद्यालयों के साथी निकायों से नियुक्त शिक्षकों का यथाशीघ्र चयन समिति कराया जाएमहाविद्यालय को राज्य सरकार से मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि नामांकन समय से महाविद्यालय को उपलब्ध कराया जाए धरना में उपस्थित लोगों में शंभूनाथ सिंह अध्यक्ष वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय शिक्षक कर्मचारी संघ अशोक कुमार पांडे जीएनएम कॉलेज पर सातवा डॉक्टर हरेंद्र कुमार सिंह महात्मा गांधी कॉलेज इलाहाबाद की रोड डॉ रविंद्र कुमार सिंह बिक्रमगंज के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में शिक्षा एवं शिक्षक एवं शिक्षकेटर कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुरातात्विक स्थलचिरांद का होगा कायाकल्प, राष्ट्रीय राजमार्ग से पुरातात्विक स्थल तक सड़क भी बनेगा

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज : विश्व के दुर्लभ पुरातात्विक स्थलों में से एक चिरांद को विकसित करने का प्रयास एक बार फिर जमीन पर दिखने लगा है। बिहार सरकार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने आज मंगलवार को पुरातात्विक स्थल चिरांद का निरीक्षण किया। उनके साथ जिलाधिकारी अमन समीर, एसडीएम नीतीश कुमार, एडीएम, सीओ सदर तथा कला-संस्कृति विभाग के विमल तिवारी,हर्ष रंजन डोरीगंज थानाध्यक्ष दिलीप कुमार व पदाधीकारी उपस्थित थे। गंगा, सरयुग और सोन नद के संगम पर स्थित चिरांद गंगा क्षेत्र में स्थित एक ऐसा पुरातात्विक स्थल है, जहाँ से नव पाषाण युग की पूर्ण विकसित सभ्यता के अवशेष मिले हैं। इसने प्राचीन भरता के इतिहास की समझ को नई दिशा दी है। यह ऐसा पुरातात्विक स्थल है जहाँ से नव पाषाण युग के बाद के सभी सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। इस प्रकार यह पुरातात्विक स्थल मोहनजोदड़ो और हड्डपा जैसा महत्त्वपूर्ण है। इसके साथ ही रामायण में वर्णित तथ्यों के आधार पर यह कहा जाता है कि चिरांद रामयण परिपथ का एक महत्वपूर्ण और प्रामाणिक स्थल है। बाल्मीकि कृत रामायण में यह वर्णन मिलता है कि महर्षि विश्वामित्र राम और लक्षमण के साथ सरयुग के तट पर चलते हुए, इस तीन पवित्रतम नदियों के संगम पर पहुंचे थे। इसी स्थल पर विश्वामित्र ने श्रीराम को बाला अत्ति बला विद्या प्रदान किया था। जिसे वे सम्पूर्ण रूप से सुरक्षित हो गए थे। इस प्रकार यह स्थल रामायण के दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संरक्षण योग्य है। पहलीबार भारतीय पुरातत्व के पूर्व निदेशक डॉ बी० एस० वर्मा के निर्देशन में 1961 से लेकर 1971 के बीच इस स्थल की खुदाई की गई थी। यहाँ के भूगर्भ से प्रचुर मात्रा में निकले पुरातात्विक स्मारक चिन्हों से इतिहास में स्थापित मान्यतायें बदली थी। बिहार सरकार के सचिव ने चिरांद के अलावा करिंगा मकबरा एवं छपरा संग्रहालय का भी निरक्षण किया इस तीनो स्थलों को यथा शीघ्र संरक्षित और विकसित करने की योजना पर बहुत शीघ्र काम शुरू होने वाला है।जिसमे पुरातात्विक स्थल तक सम्पर्क सड़क, स्थल पर बने भवन व परिसर को विकसित करने आदि पर विचार विमर्श हुआ।इस अवसर पर चिरांद विकास परिषद् के सचिव श्रीराम तिवारी ने धार्मिक सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक से अति महत्वपूर्ण इस स्थल के विकास से सम्वन्धित व्यावहारिक सुझाव दिए। इस स्थल तक पहुँचने के लिए सड़क नहीं है इसके साथ ही इस पुरातात्विक स्थल पर नदी से कटाव का खतरा अब भी विद्यमान है। चिरांद विकास परिषद् इस पुरातात्विक और सांस्कृतिक स्थल के विकास और संरक्षण को लेकर विगत बीस सैलून से कार्य कर रहा है। इसे विद्यालय और शिक्षण संस्थानों को जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

प्रात : किरण संवाददाता

पटना,/हाजीपुर । मुख्यालय, हाजीपुर में 03 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा द्वारा किया गया पौधारोपण

पटना/ हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन] हाजीपुर की अध्यक्षा सुनीता सिंह के पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्प को पूरा करने के उद्देश्यय से LITTLE ANGELS KINDERGARTEN AND PLAY SCHOOL, कोनहाराघाट के प्रागंण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अध्यक्षा द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्षा ने हरियाली के सकंल्प को आगे बढ़ाते हुए कहा कि हमें समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण करना चाहिए ताकि हमारे आस-पास हरियाली रहे तथा साथ ही साथ पर्यावरण भी सुरक्षित रह सके। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बच्चों को जानकारी दी गयी तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरुकता लाने के उद्देश्य से एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसका बच्चों ने भरपूर आनंद उठाया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया कि पेड़-पौधे कार्बन डाइआक्साइड एवं अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित कर हमें ऑक्सीयजन प्रदान करते हैं जिससे हमें अधिक मात्रा में ऑक्सीजन प्राप्त होता है जो हमारे जीवन के लिए बहुत लाभदायक हैं। पेड़-पौधे पर्यावरण को स्वसच्छप रखते हैं तथा गर्मी के असर को कम कर देते हैं जिसके कारण हमें गर्मी के दिनों में कम गर्मी का अहसास होता है। इस अवसर पर विद्यालय में उपस्थित सभी बच्चों से भी वृक्षारोपण कराया गया। विद्यालय में उपस्थित सभी बच्चों के साथ-साथ सिलाई केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही सभी महिलाओं को उपहार स्वरुप गमले सहित एक-एक पौधा दिया गया तथा घर में इसकी देखभाल करते रहने के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर संगठन की सचिव मीनाक्षी कुमार, कोषाध्यक्षा अर्चना चौधरी, संयुक्त सचिव प्रियंका सिंह एवं संगठन की अन्य सदस्याओं द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया।

सरयू नदी में डूबने से किशोर और युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

रिविलगंज (सारण)। रिविलगंज थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 09 के सामने स्थित सरयू नदी में मंगलवार को स्नान के दौरान डूबने से एक किशोर और एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान भगवान बाजार थाना क्षेत्र के गुदरी मोहल्ला निवासी जैनुद्दीन के 20 वर्षीय पुत्र बब्लू और सफरुद्दीन के 14 वर्षीय पुत्र रियाज के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चारझपांच दोस्त सरयू नदी में स्नान करने गए थे। स्नान के दौरान रियाज गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे डूबता देख बब्लू उसे बचाने के लिए नदी में कूद पड़ा, लेकिन तेज बहाव के कारण दोनों ही पानी में बह गए और डूब गए। घटना के बाद साथ मौजूद दोस्तों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को नदी से बाहर निकाला और आनन-फानन में रिविलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर इमरजेंसी वार्ड में तैनात चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही रिविलगंज थाना पुलिस एवं अंचल पदाधिकारी कौशल कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों के हवाले कर दिया गया। बताया जा रहा है कि बब्लू और रियाज दोनों अपने अपने मामा के घर बचपन से ही रहते थे. इस घटना के बाद गुदरी घर एवं रिविलगंज में कोहराम मचा है, परिजनों का रो रो कर हाल बेहाल है

रमना मैदान में लगाया जाएगा 101 फीट का राष्ट्रीय ध्वज

आरा। नगर निगम के सभागार में मंगलवार को निगम की सशक्त स्थायी समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता महापौर इंदु देवी ने की। बैठक में नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सैरात धारकों के खिलाफ बार-बार शिकायत मिल रही थी, कि निर्धारित राशि टेंपो का 15 रुपए की जगह पर 25 और 30 रुपये वसूला जाता है एवं बस पड़ाव, बिहारी मिल, पुरानी पुलिस लाइन और गांगी पर बस एवं अन्य मिनी वाहनों का निर्धारित दर के हिसाब से ज्यादा पैसा वसूला जा रहा है। स्टेशन टेम्पू स्टैंड पर टेम्पू चालकों को मारा पीटा जाता था, जिसके कारण कुछ दिन पूर्व टेम्पू चालको के द्वारा हड़ताल किया गया था। आज सशक्त स्थाई समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि आगे शिकायत मिलने पर सैरात धारको का परवाना रद्द करते हुए उनकी जमा राशि को जप्त किया जाएगा। प्रत्येक वार्ड में डस्टबिन खरीद कर लगाया जाएगा एवं अनेकों सफाई सामग्री कि खरीददारी की जाएगी। 101 फीट का राष्ट्रीय ध्वज रमना मैदान में लगाया जाएगा। शहर में एलईडी स्क्रीन विभिन्न जगहों पर चिन्हित कर लगाया जाएगा। वार्ड नंबर-43 में त्रिदणडी स्वामी मंदिर के बगल में खाली भूखंड पर चिल्ड्रन पार्क एवं ओपन जिम का निर्माण कराया जाएगा। बैठक में नगर आयुक्त अंजू कुमारी, उपनगर आयुक्त कोमल कुमारी, साथ में सशक्त स्थायी समिति के माननीय सदस्य वार्ड 6 की वार्ड पार्षद मालती देवी, वार्ड 19 के पार्षद पारसनाथ, वार्ड नंबर 21 के पार्षद डॉ. जितेंद्र, वार्ड 22 की पार्षद रेखा जैन, वार्ड नंबर 40 के पार्षद राजीव उर्फ गुड्डू जी उपस्थित थे।

राजद का सामान्य समारोह सह कार्यशाला आयोजित,मुख्य अतिथि रहे अभय कुशवाहा

गया। मानपुर के एक निजी रिसॉर्ट में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से एक सामान्य समारोह सह कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि अभय कुशवाहा का स्वागत कर किया गया है। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए अभय कुशवाहा ने राजद की आगामी योजनाओं की जानकारी दी है। उन्होंने कहा,यदि राज्य में राजद की सरकार बनती है, तो ह्यमाई बहन सम्मान योजनाह्न के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये दिए जाएंगे, जिससे परिवार चलाने में आसानी होगी। इसके साथ ही गरीब परिवारों को मात्र 500 रुपये में घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। कुशवाहा ने पिछली सरकारों की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि ह्न1990 से पहले गरीबों और पिछड़ों को वोट देने से रोका जाता था, लेकिन लालू यादव के शासन में उन्हें न केवल मतदान का अधिकार मिला, बल्कि राजनीतिक भागीदारी का अवसर भी प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में गया जिला राजद अध्यक्ष मुर्शीद आलम, महा नगर अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष मोहम्मद ताहिर, कुंदन वर्मा, मीडिया प्रभारी हाविद अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष किशोरी यादव, वजीरगंज से संभावित प्रत्याशी इंद्रदेव विद्रोही, पूर्व मुखिया लालदेव प्रसाद, अरविंद कुमार, अर्जुन यादव, सतेंद्र यादव, राजेश कुमार, विद्यानंद ठाकुर समेत बड़ी संख्या में राजद नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे हैं।इस कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय, संगठन विस्तार और आगामी चुनावों की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी से जुड़े जैकी श्रॉफ

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है। ऐसे में अब इस फिल्म से जाने माने अभिनेता जैकी श्रॉफ भी जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट से दी है।

कार्तिक आर्यन ने शेयर किया वीडियो

कार्तिक आर्यन ने एक वीडियो के जरिए बताया है कि उनकी फिल्म में जैकी श्रॉफ की एंट्री हुई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक और जैकी एक गाने पर मजे कर रहे हैं। जैकी श्रॉफ ने टोपी और चश्मा लगाया है। वह दर्शकों को फ्लाइंग किस दे रहे हैं।

मेकर्स ने शेयर किया पहला लुक

इससे पहले फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के सेट से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे का पहला लुक जारी किया था। पोस्टर में नजर आ रहा था कि दोनों ने अपने हाथ में पासपोर्ट लिया हुआ था और समुद्र के किनारे एक दूसरे को किस कर रहे थे। पोस्टर से लग रहा था कि यह फिल्म रोमांटिक होने वाली है।

फिल्म के बारे में

फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी वैलेंटाइन डे के मौके पर 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। इसकी कहानी अभी गुप्त रखी गई है। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित यह फिल्म, कार्तिक आर्यन और समीर विद्वांस की दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने सत्यप्रेम की कथा में काम किया था।

कार्तिक और जैकी का काम

आने वाले महीनों में, कार्तिक फुकरे फेम निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा द्वारा निर्देशित नागजिला में भी नजर आएंगे। नागजिला 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। दूसरी ओर, जैकी श्रॉफ जल्द ही अनुपम खेर द्वारा निर्देशित तन्वी द ग्रेट में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शाहिद कपूर की एक्शन फिल्म में दिशा पाटनी की हुई एंट्री

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक विशाल भारद्वाज एक बार फिर अभिनेता शाहिद कपूर के साथ बड़े पर्दे पर धमाका करने को तैयार हैं। उनकी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में इस बार एक नया ट्विस्ट जुड़ गया है। इस फिल्म में अभिनेत्री दिशा पाटनी एक स्पेशल कैमियो करती नजर आएंगी। ये खबर सामने आते ही फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

दिशा पाटनी की शानदार एंट्री

निर्देशक विशाल भारद्वाज ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की पुष्टि की है कि दिशा पाटनी को फिल्म में एक ग्लैमरस कैमियो के लिए साइन किया गया है। ये रोल खास तौर पर उनके लिए लिखा गया है, जो फिल्म की कहानी में एक चमकदार मोड़ लेकर आएगा। उन्होंने लिखा, 'खूबसूरत दिशा का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हूं। उनके लिए खासतौर पर लिखा गया ये किरदार फिल्म में अलग ही रंग भर देगा।'

शाहिद-विशाल की फिर बनी जोड़ी

आपको बता दें ये फिल्म शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज की जोड़ी की वापसी के कारण भी चर्चा में है। इससे पहले ये जोड़ी 'हैदर' और 'कमीने' जैसी हिट फिल्में दे चुकी है। अब तीसरी बार ये दोनों एक साथ किसी बड़े एक्शन ड्रामा का हिस्सा बन रहे हैं। इस बार कहानी को और भी दमदार बनाने के लिए 'कला' फेम त्रिप्ति डिमरी को भी कास्ट किया गया है।

प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला का बड़ा दांव

फिल्म को साजिद नाडियाडवाला अपने बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं। उन्होंने भी इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर बड़े जोश के साथ की। उन्होंने लिखा, 'प्रतिभाशाली निर्देशक

विशाल भारद्वाज और शानदार अभिनेता शाहिद कपूर के साथ काम करना एक खुशी की बात है। साथ ही त्रिप्ति डिमरी का हमारे परिवार में स्वागत करते हुए गर्व महसूस हो रहा है।'

फिल्म से जुड़ी उम्मीदें

फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इतना जरूर तय है कि ये एक हाई-ऑक्टेन कमर्शियल एक्शन फिल्म होगी जिसमें ड्रामा, इमोशन और दमदार प्रदर्शन का तड़का देखने को मिलेगा। शाहिद और त्रिप्ति की नई जोड़ी के साथ दिशा का कैमियो इस फिल्म को और भी खास बना देता है। फिल्म के टाइटल का भी अब तक ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री के गलियारों में इसे लेकर भारी उत्सुकता है। शाहिद के फैंस को एक बार फिर से 'हैदर' जैसे परफॉर्मेंस की उम्मीद है, वहीं विशाल भारद्वाज की कहानी और निर्देशन से हमेशा की तरह कुछ अलग देखने की आशा है।

टीवी और मोबाइल से पहले, सिनेमा हॉल में देखी फिल्में दिलो दिमाग पर छा जाती थीं

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल बाजीगर, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, गुप्त, इश्क, दुश्मन, और कुछ कुछ होता है जैसी यादगार फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। अपनी पुरानी फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि पहले के जमाने में फिल्मों का असर लोगों पर ज्यादा होता था, क्योंकि सिनेमा हॉल ही एकमात्र जगह होती थी जहां लोग अपने पसंदीदा सितारों को देख सकते थे। उस वक्त टीवी या मोबाइल पर फिल्में आसानी से नहीं मिलती थीं, इसलिए लोग फिल्मों को बहुत खास मानते थे और उनकी यादें भी लंबे समय तक बनी रहती थीं। उन्होंने आगे कहा कि आजकल सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन से फिल्मों को लेकर उत्साह और याददाश्त पहले के मुकाबले काफी कम हो गई हैं। जब काजोल से पूछा गया कि आज रिलीज हुई फिल्मों की याददाश्त पहले वाली फिल्मों जैसी क्यों नहीं है, इस पर काजोल ने कहा, मुझे लगता है कि आज भी कुछ फिल्में अच्छी और याद रखने लायक होती हैं, लेकिन शायद उनकी संख्या कम है। मैं ये नहीं कहूंगी कि आज ऐसी कोई फिल्म नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पहले समय में सिर्फ सिनेमा हॉल ही एकमात्र तरीका था अपने पसंदीदा सितारों को देखने का। अगर किसी को शाहरुख खान को देखना होता था, तो उसे थिएटर जाना पड़ता था। अगर कोई अजय देवगन का फैन होता था, तो वो भी उन्हें देखने सिनेमा हॉल जाता था। अभिनेत्री ने कहा, उस समय न सोशल मीडिया था, न ओटीटी। कुछ भी नहीं था। अगर किसी को अपने पसंदीदा अभिनेता या अभिनेत्री को देखना होता था, तो उन्हें सिनेमा हॉल जाना होता था। जब किसी चीज को देखने या अनुभव करने का सिर्फ एक ही तरीका होता है, तो वही अनुभव सबसे गहरी याद बन जाता है। उन्होंने कहा, जब किसी चीज को देखने के लिए 15 अलग-अलग तरीके होते हैं, तो शायद वो उतनी गहराई से आपके दिल में नहीं बसती। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही कायोज ईरानी की फिल्म सरजमीन में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान डेब्यू कर रहे हैं।

राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' में शिव राजकुमार हुए शामिल

बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म पेद्दी के निर्माताओं ने शनिवार को कन्नड़ सुपरस्टार शिव राजकुमार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। इसके साथ ही फिल्म में उनके किरदार के नाम और लुक का खुलासा किया है। आपको बताते चलें कि पेद्दी में मुख्य भूमिका में राम चरण नजर आएंगे। पेद्दी के निर्माताओं ने अभिनेता को बर्थडे का खास तोहफा देते हुए उनके लुक को रिवील किया है। पेद्दी फिल्म के प्रोडक्शन हाउस वृद्धि सिनेमाज ने अपने एक्स अकाउंट पर अभिनेता के लुक को जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'टीम 'पेद्दी' शिव राजकुमार को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती है। इसके साथ वह फिल्म में गौरनायडू के किरदार में बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी करेंगे।'

अभिनय के साथ संगीत में भी शुभांगी अत्रे की रुचि

टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' फेम अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया कि उनकी एक्टिंग के साथ ही म्यूजिक में भी गहरी रुचि है। संगीत उनकी आत्मा में बसा है और यह प्यार उन्हें अपने माता-पिता की गायकी और मधुर संगीत के प्रेम से मिला। शुभांगी हाल ही में 'काहे सैंया' म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। बातचीत में शुभांगी ने अपने बचपन की यादें साझा कीं। उन्होंने बताया, संगीत मेरे जीवन का हिस्सा रहा है। मैं अपनी मां को रसोई में काम करते हुए गाते देख बड़ी हुई हूं। मेरे पिता को गजल बहुत पसंद है, इसलिए घर में हमेशा सुना करते थे। आज भी मैं दिन की शुरुआत मंत्रों से करती हूं और रात को जैज या फ्यूजन सुनती हूं। संगीत मेरी आत्मा में बसा हुआ है। संगीत में योगदान देना मेरा सपना था और मेरा नया गाना इस दिशा में एक छोटा कदम है। शुभांगी ने बताया कि यह 'काहे सैंया' गाना उनके लिए सिर्फ एक रचनात्मक कदम नहीं, बल्कि व्यक्तिगत भी है। उन्होंने कहा, जब मैंने राग जोग पर आधारित यह गाना सुना, जिसमें करुण रस की छाप है, तो मैं भावुक हो गई। इसमें गहरी पीड़ा और भावनाओं की पुट है और इसी चीज ने मुझे इसे एक विजुअल स्टोरी के रूप में पेश करने के लिए प्रेरित किया। गाना सुनते ही मेरे दिमाग में वो सीन उभर आए। मैं दर्शकों को सिर्फ गाना नहीं, बल्कि एक कहानी के साथ खास अनुभव भी देना चाहती थी। शुभांगी ने इस म्यूजिक वीडियो के साथ निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रखा है। उन्होंने बताया कि यह कदम उठाने की प्रेरणा उन्हें उस इंडस्ट्री से मिली, जिसने उनकी जिंदगी को आकार दिया। 'कस्तूरी' फेम अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा उस इंडस्ट्री को कुछ सार्थक देना चाहती थी, जिसने मुझे इतना कुछ दिया। अभिनय के किरदार आते-जाते रहते हैं, लेकिन मैं सोचती थी कि मैं वास्तव में क्या दे रही हूं? यह प्रोजेक्ट मेरा एक छोटा प्रयास है। यह वीडियो म्यूजिक लेबल जी म्यूजिक कंपनी के तहत रिलीज किया गया है। शुभांगी को 'कसौटी जिंदगी की', 'कस्तूरी', 'दो हंसों का जोड़ा', 'चिड़िया घर' और 'भाबीजी घर पर हैं' जैसे धारावाहिकों में उनके शानदार अभिनय के लिए जाना जाता है।

मैं अक्सर सोचता हूं कुछ चैलेंजिंग मिले, जो मुझे डराए

पिछले करीब डेढ़ दशक से फिल्मी पर्दे पर अपना कमाल दिखा रहे राजकुमार राव ने कॉमेडी जॉनर में नाम कमाया है। बीते साल स्त्री 2 की बंपर सफलता के बाद अब वह एक्शन जॉनर की फिल्म मालिक में नजर आ रहे हैं। पिछले दिनों दिल्ली आए राजकुमार राव ने खास बातचीत की

फिल्मों के प्रमोशन के लिए आप इतना ट्रैवल करते हैं और इतने सारे लोगों से मिलते हैं। आपका अनुभव कैसा रहता है?

बहुत अच्छा अनुभव रहता है। बेशक, हम फिल्में दर्शकों के लिए ही तो बनाते हैं। फिर जब हजारों लोग आपके पास आते हैं और कुछ कहते हैं, तो वही सच्चा रिएक्शन होता है, जो कि आप सोशल मीडिया पर कतई नहीं जान सकते।

कॉमेडी में सुपरहिट पारी खेलने के बाद अब आप एक्शन जॉनर की फिल्म कर रहे हैं। आगे क्या प्लानिंग है?

राजकुमार राव ने कहा- अभी तो बहुत कुछ बाकी है। बहुत सारी कहानियां हैं, जो मैं करना चाहूंगा। कई बार आपके पास ऐसी कहानियां भी आ जाती हैं, जिनके बारे में आप सोचते हैं कि अरे ऐसा तो मैंने सोचा ही नहीं था। तब मैं काफी उत्सुक हो जाता हूं। ऐसा नहीं होता कि मैं कोई कहानी ढूंढ़ रहा होता हूं। लेकिन कहानियों पर काम करने का फैसला लेते हुए मुझे या तो कोई फिल्म अच्छी लगती है या फिर नहीं लगती है।

यह रोल जब आपको ऑफर हुआ, तो आपके मन में था कि मुझे इस तरह का कुछ मिले?

मैं अक्सर सोचता रहता हूं कि कैसे मुझे कुछ नया मिले। कैसे कुछ चैलेंजिंग काम मिले, जो मुझे डराए कि यह कैसे होगा। ऐसा नहीं है कि पहली बार मैंने सोचा कि अब मैं एक्शन करना चाहता हूं और यह स्क्रिप्ट आ गई। ऐसा तो नहीं होता है। ऐसी स्क्रिप्ट्स मेरे पास पहले भी आ रही थीं, लेकिन मुझे उनकी कहानियां पसंद नहीं आ रही थीं। उनका जॉनर तो एक्शन था, लेकिन कहानियों में दम नहीं था। इस फिल्म के डायरेक्टर पुलकित मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने मुझे मालिक की कहानी सुनाई, तो मुझे लगा यही है वह कहानी। इससे पहले मैंने ऐसा कुछ किया भी नहीं है। मेरे लिए भी कुछ नया करने को है। बुम्बा दा (प्रसनजीत) के साथ मैं हमेशा से काम करना चाहता था। मानुषी ने भी इस फिल्म में बहुत अच्छा

काम किया है। पुलकित ने अच्छा काम किया है कि वह एक बहुत मजबूत टीम को लेकर आए हैं। ट्रेलर को जो रिस्पॉन्स आया है उससे लग रहा है कि लोगों में इसे लेकर उत्सुकता है। यह एक ऐसा अनुभव है, जो आपको बड़े पर्दे पर ही देखना चाहिए।

फिल्म में आप खतरनाक डॉन बने हैं। इस तरह के रोल को करते वक्त क्या आपको बीते जमाने का कोई किरदार याद आता है?

बिल्कुल, हम सभी सिनेमा देख कर ही बड़े हुए हैं। मुझे इस फिल्म को करते हुए तो याद नहीं आया, लेकिन मेरे बचपन में देखी गई फिल्मों में अग्निपथ की यादें बहुत मजबूत हैं। खासकर विजय दीनानाथ चौहान का किरदार मुझे बहुत पसंद है। गुड़गांव में अपने बचपन के दिनों हम हिंदी फिल्में खूब देखते थे। बच्चन साहब ने जिस तरह से उस किरदार को निभाया था, उसकी यादें बहुत मजबूत हैं।

प्रसनजीत सर के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

राजकुमार राव बोले, यह कमाल का अनुभव रहा। बहुत सालों से हम उन्हें देख रहे हैं। वह जितने अच्छे कलाकार हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी हैं। इस फिल्म में मैंने उनका कमिटमेंट देखा। कई बार होता है कि आप 30-40 साल से काम कर रहे हैं, फिर आपको लगने लगता है कि आपको सब आता है। प्रसनजीत सर को इतना अनुभव है कि उन्हें पता है कि मैं कहां खड़ा होकर क्या लुक दूंगा, लेकिन फिर भी वह हर शॉट के लिए आते हैं। चाहे कितने भी रीटेक हों, वह फिर भी बोलते हैं कि एक और ले लेते हैं। यह हमारे लिए सीखने वाली बात है।

व्यापार

सेंसेक्स 82253.46 पर बंद
निफ्टी 25082.30 पर बंद

सोना 96,970
चांदी 98500

बढ़ ही रहा है एंथम बायोसाइंसेज आईपीओ का जीएमपी

मुंबई, एजेंसी। बेंगलुरु की एक कंपनी है एंथम बायोसाइंसेस यह दवाइयों से जुड़े रिसर्च, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग का काम करती है। इसे सीआरडीएमओ भी कहते हैं। एंथम बायोसाइंसेस का आईपीओ कल यानी 14 जुलाई को ही खुल चुका है। इसमें आप कल यानी 16 जुलाई तक आवेदन दे सकते हैं।

- **पहले दिन ही 77 फीसदी भर गया–** नेशनल स्टॉक एक्सचेंजपर उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह पहले दिन ही करीब 77 फीसदी भर चुका है। इसके 33.83 मिलियन शेयरों के लिए बिड आए हैं जबकि इसका इश्यू साइज 4.4 मिलियन शेयरों का है। इसमें एनआईआई के लिए रिजर्व हिस्से में 1166 फीसदी, रिटेल कोटे में 0.61 फीसदी और क्यूआईबी कोटे में 37 फीसदी बिड आए हैं। आईपीओके लिए शेयर की कीमत 540 से 570 रुपये के बीच तय की गई है। आपको कम से कम 26 शेयर खरीदने होंगे। जहां तक इसके जीएमपी की बात है तो आईपीओ खुलने से पहले इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम, इश्यू प्राइस से लगभग 18 प्रतिशत ऊपर था। आज यह और बढ़ कर 20.35 फीसदी पर चला गया। इसका मतलब है कि लोग शेयर को तय कीमत से ज़्यादा पर खरीदने को तैयार हैं।

कब शुरू हुई है कंपनी

एंथम बायोसाइंसेस साल 2006 में शुरू हुई थी। यह फार्मा इंडस्ट्री में एक खास तरह का काम करती है। यह दवाइयों की रिसर्च, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग जैसी सभी सेवाएं देती है। भारत में कुछ ही सीआरडीएमओकंपनियां हैं जो छोटे मॉलिक्यूल (केमिकल बेस्ड) और बड़े मॉलिक्यूल (बायोलॉजिक्स) दोनों पर काम करती हैं। एंथम बायोसाइंसेस उनमें से एक है।

खास मॉडल पर काम करती है

कंपनी का एक खास मॉडल है जिसे स्न्रस्न्र- यानी फी-फॉर-सर्विस कहते हैं। इससे कंपनी को दुनिया भर की छोटी और मध्यम आकार की बायोटेक कंपनियों को अपनी सेवाएं देने में मदद मिलती है।

ग्लोबल बॉडी से मिला है अप्रूवल

कंपनी की फैसिलिटीज ष्ठस्न्रक्के नियमों का पालन करती हैं। इन्हें यूएसएफडीए, एएनवीएसए, टीजीए और पीएमडीए जैसी ग्लोबल रेगुलेटरी बॉडीज से अप्रूवल मिला हुआ है। कंपनी अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। यह फर्मेंटेशन और सिंथेसिस कैपेसिटी को बढ़ा रही है ताकि भविष्य में कॉम्प्लेक्स बायोलॉजिक्स और स्पेशलिटी इंग्रेडिएंट्स की डिमांड को पूरा किया जा सके।

आपको सब्सक्राइब करना चाहिए

अब सवाल यह है कि क्या आपको इस आईपीओ में पैसा लगाना चाहिए आनंद राठी और केनरा बैंक सिक्योरिटीज ने इस इश्यू को सब्सक्राइब करने की सलाह दी है। इसका मतलब है कि उनका मानना है कि आपको इस आईपीओ में निवेश करना चाहिए। एनालिस्ट्स का कहना है कि एंथम बायोसाइंसेस की इंडस्ट्री में अच्छी पोजीशन है, कंपनी की रेवेन्यू विजिबिलिटी अच्छी है और इसका बिज़नेस मॉडल हाई-मार्जिन वाला है।

वेदांता पर अमेरिकी शॉर्ट-सेलर का नया हमला

एजीएम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की वायसरॉय रिसर्च ने वेदांता की वार्षिक आम बैठक की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह बैठक पूरी तरह से स्टेज मैनेज्ड थी। निवेशकों के सवालों को न तो ठीक से प्रोत्साहित किया गया और न ही उनके सवालों का सार्थक जवाब दिया गया। दूसरी ओर, भारतीय प्रॉक्सी सलाहकार कंपनी इनगवर्न ने कहा है कि वेदांता समूह का ढांचा, जहां होल्डिंग कंपनियां अपनी सहायक कंपनियों से आने वाली नकदी का इस्तेमाल करती हैं, पूरी तरह वैध और आम बात है। उन्होंने कहा कि यह ढांचा खासकर पूंजी-गहन उद्योगों जैसे बुनियादी ढांचा, प्राकृतिक संसाधन और उपयोगिताओं में आम है। इनगवर्न ने भारत के अडाणी समूह, टाटा समूह और

रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा वैश्विक कंपनियों ग्लेनकोर और एंग्लो अमेरिकन जैसे उदाहरण भी दिए।

शॉर्ट-सेलर रिपोर्ट्स पर चेतावनी- इनगवर्न ने कहा कि शॉर्ट-सेलरों की रिपोर्टें अब बाजार के लिए बड़ी घटना बन गई हैं और अक्सर उनके बाद शेयरों में काफी उछाल-गिरावट आती है। इसलिए जरूरी है कि हितधारक इन रिपोर्टों को सही परिप्रेक्ष्य में देखें। उन्होंने कहा कि वायसरॉय जैसी शॉर्ट-सेलर रिपोर्टें अक्सर उन कंपनियों के अपने फायदे को दर्शाती हैं और सार्वजनिक आंकड़ों के नकारात्मक पहलुओं पर ज्यादा जोर देती हैं।

भारत के पास अमेरिकी रसायन बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने का सुनहरा मौका

एसबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पास अमेरिका को रासायनिक निर्यात बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है, अगर भारत अमेरिका के साथ 25 प्रतिशत से कम टैरिफ पर बातचीत करने में सफल हो पाए। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार चीन और सिंगापुर के वर्तमान बाजार के एक हिस्से पर भारत कब्जा कर सकता है और अमेरिकी रासायनिक निर्यात में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है।

इसमें कहा गया कि अगर भारत इन दोनों देशों के रासायनिक निर्यात का मात्र 2 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लेता है, तो अपनी जीडीपी में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया के 1 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा - इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया कि भारत को जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया जैसे अन्य देशों से भी लाभ मिल सकता है। इन्हें अभी भारत की तुलना में अधिक टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। अगर भारत इन तीन देशों से अमेरिकी रासायनिक आयात बाजार का 1 प्रतिशत हिस्सा भी हासिल कर लेता है, तो भारत के जीडीपी में 0.1 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है।

रेलवे को मिला 26,406,974,27 रुपये का 'कवच' ऑर्डर

शेयरों में करीब 4 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलटेल कॉरपोरेशन शेयरों की कीमतों में आज करीब 4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह 264 करोड़ रुपये का मिला नया वर्क ऑर्डर है। कंपनी ने इस वर्क ऑर्डर की जानकारी 14 जुलाई को एक्सचेंज के साथ साझा किया है। बीएसई में यह स्टॉक 415 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 3.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 425.50 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। कंपनी के शेयर सुबह 10.15 मिनट पर 418 रुपये के रेंज में ट्रेड कर रहे थे।

क्या मिला है वर्क ऑर्डर

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि उन्हें 26,406,974,27 रुपये का काम मिला है। यह काम कंपनी को ईस्ट सेंट्रल रेलवे से मिला है। कंपनी ने बताया है कि 607 किलोमीटर के लिए उन्हें कवच ट्रैक तैयार करना है। इस काम को पूरा करने के लिए रेलटेल कॉरपोरेशन के पास 2 साल का समय है। बीते 3 महीने कंपनी के लिए शेयर बाजार में काफी शानदार रहे हैं। इस दौरान स्टॉक का भाव 36 प्रतिशत चढ़ा है। जबकि सेंसेक्स इंडेक्स इस दौरान 7 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। इस तेजी के बावजूद भी एक साल में कंपनी के शेयर 27 प्रतिशत टूट चुके हैं। कंपनी का 52 वीक हाई 607.85 रुपये और 52 वीक लो लेवल 265.30 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 13,439 करोड़ रुपये का है।

लगातार डिविडेंड दे रही है कंपनी

रेलटेल कॉरपोरेशन उन कंपनियों में से एक है जो लगातार निवेशकों को डिविडेंड दे रही है। कंपनी ने आखिरी बार निवेशकों को इसी साल अप्रैल के महीने में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर डिविडेंड दिया था।

उससे पहले नवंबर के महीने में कंपनी ने एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड दिया था।

अगले 10 वर्षों में 10 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी बनेगा भारत

गोल्डमैन सैश ने जताई यह संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भू-राजनीति में जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, भारत के लिए अपार अवसर उपलब्ध होंगे। भारत अपनी सहायक आर्थिक नीतियों और अन्य प्रयासों से अगले दशक में 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। गोल्डमैन सैश की भारत में सह-अध्यक्ष गुंजन समदानी ने सोमवार को कहा, देश जब 10 लाख करोड़ डॉलर के करीब पहुंच जाएगा, तब वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) भारतीय अर्थव्यवस्था में 0.5 लाख करोड़ डॉलर का सकल मूल्यवर्धन कर सकेंगे।

साथ ही, 2-2.5 करोड़ लोगों को रोजगार भी प्रदान करेंगे। गुंजन ने सीआईआई जीसीसी शिखर सम्मेलन में कहा, अभी से 2035 के बीच वैश्विक विकास में उभरते बाजारों का 65 फीसदी योगदान होगा। भारत एक उज्वल स्थान है और हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के साथ अगले दशक में 10 लाख करोड़ डॉलर के करीब पहुंच जाएंगे।

- **भारत के पास वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर-**गोल्डमैन सैश की सह-अध्यक्ष ने कहा, भारत के पास ऐसे समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है, जब दुनियाभर के बाजार फिर से व्यापार संतुलन स्थापित करने, आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी समस्याओं और कईदेशों में चल रहे तनावों समेत कई जटिल चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

कई वैश्विक रुझानों का लाभ उठाने के लिए तैयार भारत

गुंजन ने कहा, भारत एक साथ कई वैश्विक रुझानों का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है। जनसांख्यिकीय लाभांश, अग्रणी एसटीईएम स्नातक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन से समर्थित प्रतिभाशाली एआई कौशल भारत के पक्ष में काम करेंगे और उसे इनका लाभ मिलेगा।

2025 तक 4.92 लाख करोड़ से अधिक होगा वैश्विक प्रौद्योगिकी खर्च

गोल्डमैन सैश की कार्यकारी ने कहा, एआई वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सबसे आकर्षक परिवर्तनकारी अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। एआई, ऑटोमेशन और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले नवाचार केंद्रों के रूप में विकसित जीसीसी क्षेत्र वैश्विक रुझानों से लाभान्वित होगा। वैश्विक प्रौद्योगिकी खर्च 2025 तक 4.92 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होगा।

नई पीढ़ी की बिजनस में कोई दिलचस्पी नहीं...

अंबानी के रिश्तेदार ने बेच दी 6,800 करोड़ की वीआईपी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। लगेज बनाने वाली कंपनी वीआईपी इंडस्ट्रीज में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के मालिक दिलीप पीरामल अपनी 32 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रहे हैं। यह सौदा लगभग 1,763 करोड़ रुपये में होगा। यह हिस्सेदारी मल्टीपल्स नाम की एक प्राइवेट इक्विटी कंपनी, शेयर बाजार में निवेश करने वाले आकाश भंसाली और कैरटलेन के संस्थापक मिथुन साचेती खरीदेंगे। इसका मतलब है कि अब वीआईपी इंडस्ट्रीज का मैनेजमेंट इन लोगों के हाथ में आ जाएगा।

ये लोग कंपनी के बाकी शेयरधारकों से भी 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक ऑफर देंगे। इसके लिए वे 1,438 करोड़ रुपये खर्च करेंगे। अगर यह ऑफर सफल रहा, तो खरीदारों की हिस्सेदारी बढ़कर 58 प्रतिशत तक हो सकती है। दिलीप पीरामल, जो पीरामल एंटरप्राइजेज के चेयरमैन अजय पीरामल के बड़े भाई हैं। उनके पास मार्च के अंत तक वीआईपी में 52 प्रतिशत हिस्सेदारी है। दिलीप पीरामल ने 1980 में फैमिली बिजनस से अलग होकर वीआईपी को संभाला था। अब 75 साल की उम्र में वे अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं। सौदे के बाद, उनके पास केवल 17 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी।

क्यों बेच रहे हैं कंपनी- दिलीप पीरामल ने कहा कि उनके परिवार की युवा पीढ़ी कंपनी को संभालने में दिलचस्पी नहीं रखती है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले पांच साल में वीआईपी इंडस्ट्रीज का मार्केट शेयर कम हो रहा है। उनका कहना है कि उनके परिवार की युवा पीढ़ी की कंपनी चलाने में रुचि नहीं है और कंपनी का बाजार में दबदबा कम हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी की नेट सेल्स 2 प्रतिशत घटकर 2,169 करोड़ रुपये रही, जब कंपनी को 81 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ।

सार्वजनिक शेयरधारकों में टाटा स्मॉल कैप फंड के पास 1.54 प्रतिशत और एसबीआइ फ्लेक्सीकैप फंड के पास 31 मार्च तक 7 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास 7.68 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वीआईपी इंडस्ट्रीज वीआईपी, कार्लटन और स्काईबैग्स जैसे ब्रांड्स की मालिक है। यह प्रीमियम सेगमेंट में सैमसोनाइट

बिजनस कस्टमर 14 जुलाई तक अमेज़न बिज़नस पर आकर्षक डील्स और बेहतरीन ऑफर्स का लाभ उठाकर शानदार बचत कर सकते हैं

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेज़न बिज़नस 12 जुलाई से 14 जुलाई 2025 तक अपने बिजनस कस्टर्स के लिए इस प्राइम डे पर कुछ आकर्षक डील्स की घोषणा करता है। पहली बार, प्राइम डे 72 घंटे का शॉपिंग सेलीब्रेशन होगा, जिसमें बिजनस कस्टमर्स लैपटॉप, टैबलेट, हेडफ़ोन, एसी, कूलर, पंखे, ऑफिस फ़र्नीचर, किचन एप्लायसेंस एवं इंडस्ट्रीयल सप्लाई जैसे विभिन्न उत्पादों आकर्षक डील्स का फायदा उठा सकते हैं। ग्राहक विभिन्न श्रेणियों में बल्क खरीदारी करने पर 20त्न तक की अतिरिक्त छूट का भी लाभ उठा सकते हैं और अपने प्रीपेड ऑर्डर पर एलिजबल श्रेणियों में 9,999 रुपये तक का कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं।

अमेजन पे ने लॉन्च किया रिवॉर्ड्स गोल्ड

दैनिक खर्चों के लिए एक आसान, पारदर्शी कैशबैक प्रोगाम!

पिछले 3 महीनों में 25 से ज्यादा लेनदेन करने वाले ग्राहकों को अमेजन पर हर खरीदारी पर मिलेगा 5 फीसद तक अनलिमिटेड कैशबैक

amazon pay

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेजन पे ने रिवॉर्ड्स गोल्ड को पेश किया है, जो एक आसान रिवार्ड प्रोग्राम है, जिसमें प्राइस मेंबर्स को प्रत्येक योग्य लेनदेन पर 5 प्रतिशत कैशबैक और गैर-प्राइम ग्राहकों को 3 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। इस प्रोग्राम के लिए पात्रता हासिल करना आसान है- इन रिवॉर्ड को पाने के लिए अमेजन पे के माध्यम से खरीदारी या भुगतान के 25 लेनदेन पूरे करने होंगे। पात्रता हासिल करने के बाद, मेंबर्स विभिन्न श्रेणियों और मर्चेंट्स के साथ होने वाले हर लेनदेन पर 5 प्रतिशत तक का सुनिश्चित कैशबैक हासिल कर सकेंगे। 12 से 14 जुलाई 2025 को होने वाले अमेजन इंडिया के प्रमुख प्राइम डे शॉपिंग इवेंट की उत्तेजना के बीच, ग्राहक रिवॉर्ड्स गोल्ड के लिए जल्दी पात्रता प्राप्त कर करके अपनी बचत को अधिकतम कर सकते हैं। 25 लेनदेन का कोई भी संयोजन - चाहे वह यूपीआई भुगतान, पैसे भेजना, क्यूआर कोड स्कैन करना, रिचार्ज करना, या खरीदारी करना हो - इन प्रीमियम लाभों को अनलॉक कर देगा।

ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड ने 700 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए

सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड एक विनिर्माण कंपनी है जिसका मुख्य ध्यान नेटवर्किंग केबल और पैसिव नेटवर्किंग उपकरणों पर है। यह लगभग दो दशकों से कार्यरत है और ब्रॉडबैंड, दूरसंचार, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट बिल्डिंग ऑटोमेशन/सुरक्षा, सिस्टम इंटीग्रेशन, स्न्रस्श्वत्न और ऑटोमोटिव सहित उच्च-विकासशील उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करती है। कंपनी निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों के अंतर्गत विविध प्रकार के उत्पादों का निर्माण करती है- नेटवर्किंग केबल और समाधान; विशेष ऊर्जा, ऑप्टिकल फाइबर केबल और समाधान; और अन्य संबद्ध उत्पाद। ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। कंपनी की योजना आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) के माध्यम से कुल 7000 मिलियन (700 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 1) के प्रस्ताव आकार की तुलना में धन जुटाने की है। (कुल निर्गम आकार) इस प्रस्ताव में कुल 3200 मिलियन (320 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम (ताजा निर्गम) और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 3800 मिलियन (380 करोड़) तक के शेयरों का बिक्री प्रस्ताव (बिक्री प्रस्ताव) शामिल है। कंपनी निवल आय का उपयोग निम्नलिखित के वित्तपोषण हेतु करने का प्रस्ताव करती है - अपनी विनिर्माण सुविधाओं में मशीनरी, उपकरण और सिविल कार्यों की खरीद हेतु कंपनी की पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं का वित्तपोषण, जिसकी अनुमानित राशि 915 मिलियन [91.50 करोड़] है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के तहत कौशल विकास व आजीविका संवर्धन कार्यक्रमों के माध्यम से 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया

मुंबई, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर बैंक के सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन की शुरुआत से अब तक पूरे भारत में 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किए जाने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रकाश डाला है। बैंक के पास वर्तमान में विभिन्न राज्यों में कौशल विकास के क्षेत्र में 70 से अधिक सक्रिय परियोजनाएँ हैं, जो आईटी/आईटीईएस, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और कृषि सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं। कौशल विकास और आजीविका संवर्धन, बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का एक प्रमुख केंद्र बिंदु है, जो सभी सीएसआर पहलों के लिए इसका अम्ब्रेला ब्रांड है। इसकी पहल दो प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है- रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास , विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में उद्यमिता पर जोर देते हुए आजीविका में वृद्धि। रोज़गार सृजन कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे (एनएसक्यूएफ) से जुड़े तीन से छह महीने के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जो वित्त और व्यावसायिक सेवाएँ, खुदरा और बिक्री, आतिथ्य और पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और आईटी सक्षम सेवाएँ, निर्माण और विनिर्माण, सौंदर्य और कल्याण, परिधान और वस्त्र, और शिक्षा और प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों को कवर करते हैं। इन कार्यक्रमों में 60 से 70 प्रतिशत तक प्लेसमेंट दर हासिल की गई है। बैंक के कौशल केंद्रों में हाल ही में जयपुर में परिवर्तन कौशल अकादमी भी शामिल हुई है, जो स्थायी रोज़गार और उद्यमिता के लिए स्थानीय स्तर पर प्रासंगिक प्रशिक्षण मार्ग प्रदान करती है। यह अकादमी पूरे भारत में एक व्यापक नेटवर्क का हिस्सा है, जिसके माध्यम से एचडीएफसी बैंक का लक्ष्य आने वाले वर्षों में कुल 2 लाख युवाओं को कौशल प्रदान करना है। इसके साथ ही, किसानों, स्वयं सहायता समूहों और समुदाय-आधारित उद्यमों सहित छह लाख से अधिक व्यक्तियों को परिवर्तन की आजीविका संवर्धन और उद्यमिता पहलों से लाभ हुआ है, जो स्थायी आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देती हैं।

शेफाली की टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी

इंग्लैंड के खिलाफ 158.56 के स्ट्राइक रेट से बनाए थे रन

दुबई (एजेंसी)। भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रही। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 158.56 के स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाने वाली शेफाली इस रैंकिंग में 655 अंकों के साथ चार स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गयी है। उप-कप्तान स्मृति मंधाना तीसरे नंबर के साथ इस सूची में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान नीचे 14वें स्थान पर खिसक गई। भारत की ऐतिहासिक 3-2 से श्रृंखला जीत में अहम योगदान देने वाली अरुंधति रेड्डी गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की सुधार के साथ 39वें स्थान पर और हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में 26 स्थान की छलांग लगाकर 80वें स्थान पर पहुंच गई।

अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा को गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह तीसरे पायदान पर खिसक गयी है। राधा यादव तीन पायदान के सुधार के साथ रैंकिंग में 15वें स्थान पर है। इस रैंकिंग में श्रृंखला गंवाने वाली इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ है। श्रृंखला के आखिरी मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार हासिल करने वाली स्पिनर चार्ली डीन रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही। वह आठ स्थान के सुधार के साथ तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई। लिसे स्मिथ 9 पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गई जबकि तेज गेंदबाज इस्सी वोंग सात स्थान के सुधार के साथ 50वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रही। एमिली अर्लट 15 स्थान के सुधार के साथ 67वें स्थान पर पहुंच गई। श्रृंखला में 151 रन के साथ इंग्लैंड की शीर्ष स्कोरर सोफिया डंकले बल्लेबाजी रैंकिंग में सात अंक हासिल कर 19वें स्थान पर पहुंच गई। टैमी ब्यूमोंट 19 स्थान की छलांग के साथ 45 वें स्थान पर पहुंच गई।

गिल बोले- मुझे अपनी टीम पर गर्व

● पंत का रन आउट होना मैच का टर्निंग प्वाइंट था; जडेजा की तारीफ की

लॉर्ड्स (एजेंसी)। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 22 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा दूसरी पारी में नाबाद 61 रन बनाए लेकिन भारतीय टीम को जीत नहीं दिला सके।

स्पिनर शोएब बशीर ने मोहम्मद सिराज को बोल्ड करके इंग्लैंड को जीत दिलाई। इस तरह इंग्लैंड ने पांच मैच की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मैच के बाद रवींद्र जडेजा की तारीफ की। साथ ही कहा, पहली पारी में ऋषभ पंत का रन आउट होना मैच का निर्णायक पल था।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा, मुझे अपनी टीम पर गर्व है। यह मैच उतना ही करीब था जितना हो सकता है। यह पांच दिन तक चला और आखिरी सीजन में आकर खत्म हुआ। मुझे काफी भरोसा था क्योंकि हमारे पास बल्लेबाजी बची हुई थी। हमें केवल 50-50 रन की दो साझेदारियों की जरूरत थी, लेकिन हम ऐसा कर नहीं सके।

जडेजा बहुत अनुभवी खिलाड़ी

भारत के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा 61 रन जडेजा ने बनाए। उनके बारे में गिल ने कहा, वह बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें कोई मैसेज नहीं भेजा। वह लोअर ऑर्डर के साथ शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। हम बस यही चाहते थे कि वह और लोअर ऑर्डर के बल्लेबाजी जितना लंबा खेल सकें, खेलें।

पंत का विकेट टर्निंग प्वाइंट

पंत पहली पारी में 74 पर रन आउट हो गए थे। उनके विकेट पर गिल ने कहा, निश्चित रूप से वह मैच का टर्निंग प्वाइंट था। एक समय पर हमें लगा था कि अगर हम 80-100 रन की बढ़त ले लें, तो वो निर्णायक साबित हो सकती है। हमें पता था कि पांचवें दिन इस विकेट पर 150-200 रन चेज करना आसान नहीं होगा। अगर हमें वो बढ़त मिल जाती, तो हम अच्छी स्थिति में होते।

रविंद्र जडेजा ने हार के बावजूद रिकॉर्ड बुक में दर्ज करवाया नाम

गांगुली-धोनी-पंत के क्लब में शामिल हुए

लंदन (यूके) (एजेंसी)। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का लॉर्ड्स में अकेले दम पर किया गया प्रयास भले ही बेकार गया, लेकिन फिर भी उन्होंने 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करके रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया और ऋषभ पंत, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और मंसूर अली खान पटौदी जैसे खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। जडेजा ने 'क्रिकेट के घर' लॉर्ड्स में दो और शतक लगाकर एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में अपनी योग्यता साबित करना जारी रखा। लेकिन जडेजा अपनी विशिष्ट तलवारबाजी का जश्न मनाने में कभी कामयाब नहीं हो पाए क्योंकि टीम इंडिया घर से बाहर भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक से 22 रन चूक गई।

इस अनुभवी ऑलराउंडर ने अपने 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए। 361 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जडेजा ने 302 पारियों में चार शतकों और 39 अर्द्धशतकों के साथ 33.41 की औसत से 7,018 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175* रहा है। 83 टेस्ट मैचों में उन्होंने 36.97 की औसत से

3,697 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 26 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175* रहा है। बल्ले से यह उनका सबसे सफल प्रारूप है। इस श्रृंखला के दौरान तीन मैचों में उन्होंने छह पारियों में 109.00 की औसत से 327 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 89 है। वह अब तक श्रृंखला में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

वह इंग्लैंड में लगातार चार या अधिक अर्द्धशतक बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी के रूप में पंत (2021-25 के बीच पांच अर्द्धशतक) और गांगुली (2002 में चार अर्द्धशतक) की विशिष्ट श्रेणी में शामिल हो गए हैं। महान वीनू मांकड़ (1952 में 72 और 184) के अलावा वह लॉर्ड्स में दोनों पारियों में पचास से अधिक रन बनाने वाले एकमात्र भारतीय हैं। वह एमएके पटौदी (1967 में इंग्लैंड, लीड्स के खिलाफ 64 और 148 और 1967 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 75 और 85), एमएस धोनी (2009 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 52 और 56* और 2011 में बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ 77 और 74*) के साथ दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैचों में छठे या उससे निचले नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दो बार पचास से अधिक रन बनाने वाले भारतीयों में शामिल हो गए हैं।

जडेजा ने दिग्गज वीवीएस लक्ष्मण (28 पचास से अधिक रन) को भी पीछे छोड़ दिया, जब उन्होंने भारत के लिए छठे या उससे नीचे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपना 29वां पचास से अधिक का स्कोर दर्ज किया, जो कपिल देव (35) और एमएस धोनी (38) के बाद किसी भारतीय द्वारा तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित, बशीर की जगह इस प्लेयर को मिला मौका

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के चौथे टेस्ट मैच के लिए स्पिनर टीम की घोषणा कर दी है। इंग्लैंड ने बाएं हाथ के गेंदबाज ने शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को टीम में शामिल किया है जो 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा। बशीर के लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में जीत के दौरान उंगली टूट गई थी और इसके बाद उन्हें सीरीज से बाहर कर दिया गया था। बशीर को लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन भारत की पहली पारी के 78वें ओवर में चोट लगी थी, जब रवींद्र जडेजा ने एक जोरदार शॉट सीधे बशीर की तरफ मारा, जिसे पकड़ने की कोशिश में गेंद उनकी उंगली पर लग गई। 21 वर्षीय डॉसन ने आखिरी दिन चोट के बावजूद खेला और मोहम्मद सिराज के रूप में मैच का आखिरी विकेट लेकर जीत पक्की कर दी। इंग्लैंड के पुरुष राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा, %लियाम डॉसन टीम में शामिल होने के हकदार हैं। काउंटी चैंपियनशिप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और वे हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉसन ने आखिरी बार जुलाई 2017 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था और वे अपने तीन मैचों में एक और मैच जोड़ना चाहेंगे। वे कई वर्षों से हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें क्रमशः 2023 और 2024 में पीसीए प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था।

भारत ने लॉर्ड्स टेस्ट कैसे गंवाया, 5 कारण

जडेजा-राहुल पर ज्यादा निर्भर हुए, 63 एक्स्ट्रा रन दिए, आर्चर और स्टोक्स की बेहतरीन बॉलिंग

लॉर्ड्स (एजेंसी)। भारत ने लॉर्ड्स स्टेडियम में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट 22 रन से गंवा दिया। 193 रन के टारगेट के सामने मुकाबले के आखिरी दिन टीम इंडिया 170 रन ही बना सकी। इसी के साथ इंग्लैंड ने 5 टेस्ट की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारत की हार में बैटर्स का खराब प्रदर्शन सबसे बड़ी वजह रहा। कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और करुण नायर दोनों पारियों में फ्लॉप रहे। वहीं टीम के लोअर बैटर्स दोनों ही पारियों में बैट से कमाल नहीं कर सके। गेंदबाजी मजबूत रही, इसके बावजूद टीम पहली पारी में बढ़त नहीं ले सकी। इंग्लिश टीम में जोफ्रा आर्चर की वापसी और लॉर्ड्स की पिच पर टॉस गंवाना भी भारत की हार की वजह बना। भारत ने 63 एक्स्ट्रा रन भी दिए।

1. राहुल, पंत, जडेजा पर निर्भरता; करुण, यशस्वी, शुभमन नहीं चले - लीड्स और बर्मिंघम टेस्ट में जहां भारत की बैटिंग शानदार रही थी, वहीं लॉर्ड्स टेस्ट में टीम की बैटिंग ने ज्यादा निराश किया। शुरुआती 2 टेस्ट में शुभमन गिल ने 3 और यशस्वी जायसवाल ने 1 शतक लगाया था। इस बार दोनों मिलकर 39 रन ही बना सके। शुरुआती 2 टेस्ट में 1 भी फिफ्टी नहीं लगा सके करुण भी 40 और 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए।यशस्वी, शुभमन और करुण के खराब प्रदर्शन ने केएल राहुल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा पर निर्भरता बढ़ा दी। राहुल ने 100 और 39 रन की पारियां खेलीं। पहली पारी में पंत ने 74 बनाए। वहीं जडेजा ने 72 और 61 रन की पारियां खेलीं, लेकिन तीनों को बाकी बैटर्स का साथ नहीं मिला। इसलिए टीम मजबूत स्थिति के बावजूद पहली पारी में बढ़त हासिल नहीं कर पाई।

2.लोअर ऑर्डर की फ्लॉप बैटिंग, दोनों पारियों में कोलैप्स - पहली पारी में गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 387 रन के कम स्कोर पर समेट दिया। भारत का स्कोर एक समय 376/6 था, यहां से टीम ने 11 रन बनाने में ही आखिरी 4 विकेट गंवा दिए। दूसरी पारी में राहुल ही 39 रन बना सके। उन्हें छोड़कर जडेजा ने ही थोड़ी फाइट दिखाई, बाकी बैटर्स 15 से कम रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए।दूसरी पारी में मुकाबला जीतने के लिए भारत को 193 रन ही चाहिए थे। यहां यशस्वी और वॉशिंगटन सुंदर खाता भी नहीं खोल सके। नायर ने 14, शुभमन ने 6, पंत ने 9 और नीतीश रेड्डी ने 13 रन बनाए। टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 58 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में भी 24 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए। 112 रन पर 8वां विकेट गिरते ही टीम की हार भी कन्फर्म हो गई।

3.पिच कठिन होते चली गई - लॉर्ड्स की पिच भी मुकाबला खत्म होते-होते बैटर्स के लिए मुश्किल हो गई। पहले दिन 251 रन बने और 4 विकेट गिरे। यानी औसतन 63 रन बनाने में 1 विकेट गिरा। दूसरे दिन औसत गिरकर 31 पर पहुंच गया। मुकाबले के तीसरे दिन औसत हल्का सा बढ़कर 35 पर पहुंचा। वहीं चौथे दिन 18 पर आ गया।चौथे दिन इंग्लैंड ने 10 और भारत ने 4 विकेट गंवा दिए। फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में भी भारत ने 54 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए। यानी आखिरी दिन औसत महज 14 रन का हो गया। बल्लेबाजों की परेशानी की बड़ी वजह लॉर्ड्स की बाउंस और स्विंग रही। जो हर दिन के साथ बदलती चली गई। आंकड़ों से भी साफ जाहिर है कि पिच बैटिंग के लिए मुश्किल होती चली गई। इसलिए टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फायदा इंग्लैंड को बखूबी मिला।

4. जोफ्रा आर्चर की वापसी, स्टोक्स की बॉलिंग - तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 4 साल बाद इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी की है। उन्होंने पहली पारी में अपने पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल को पवेलियन भेज दिया। उन्होंने 23.2 ओवर में 6 मेडन फेंके और महज 2.22 की इकोनॉमी से रन खर्च कर 2 विकेट झटक लिए।सेकेंड इनिंग्स में तो आर्चर ने बेहतरीन रिदम हासिल कर ली। उन्होंने फिर एक बार यशस्वी जायसवाल को कैच कराया। फिर मुकाबले के पांचवें दिन ऋषभ पंत और वॉशिंगटन सुंदर को पवेलियन भेज दिया। पंत को उन्होंने बोल्ड किया, वहीं सुंदर का कैच अपनी ही बॉलिंग पर कर लिया। दूसरी पारी में आर्चर को कप्तान बेन स्टोक्स का बखूबी साथ मिला। जिन्होंने 24 ओवर फेंके और महज 48 रन देकर 3 विकेट झटक लिए। स्टोक्स और आर्चर दोनों ने मैच में 5-5 विकेट लिए।

5. इंग्लैंड का लोअर ऑर्डर; ज्यादा एक्स्ट्रा रन देना - टीम इंडिया के लोअर ऑर्डर बैटर्स जहां पूरी सीरीज में निराश कर रहे हैं, वहीं इंग्लैंड अपने इन्हीं बैटर्स की मदद से ज्यादा स्कोर बना ले रहा है। पहली पारी में टीम ने अपने 7 विकेट 271 रन पर गंवा दिए थे। यहां से ब्रायडन कार्स ने जैमी स्मिथ के साथ पारी संभाली और टीम को 350 के पार पहुंचा दिया।कार्स ने 56 और स्मिथ ने 51 रन बनाए। कार्स ने तो खुलकर शॉट्स खेले और टीम का स्कोर 387 रन तक पहुंचा दिया। दूसरी ओर भारत 6 विकेट गंवाने के बाद भी 11 रन ही बना सका। दूसरी पारी में दोनों टीमों का लोअर ऑर्डर फ्लॉप रहा।दोनों पारियां मिलाकर भारत ने एक्स्ट्रा रन भी ज्यादा दिए। टीम ने पहली पारी में 13 लेग बाय छोड़कर 18 एक्स्ट्रा रन दिए। दूसरी पारी में यह बढ़कर 26 हो गए। यानी मैच में 44 एक्स्ट्रा रन। जबकि इंग्लैंड ने 18 रन ही एक्स्ट्रा दिए। लेग बाय के भी एक्स्ट्रा गिनें तो भारत ने 63, जबकि इंग्लैंड ने 30 ही एक्स्ट्रा रन खर्च किए। भारत ने महज 22 रन से मैच गंवाया।

टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे कम स्कोर

वेस्टइंडीज 27 पर सिमटा, ऑस्ट्रेलिया 176 रन से जीता; सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप

किंग्सटन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की टीम किंग्स्टन टेस्ट की दूसरी पारी में 27 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले 1955 में न्यूजीलैंड 26 रन पर सिमट गई थी। ऐसे में यह 70 साल का सबसे छोटा स्कोर है। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 176 रन से जीत लिया। साथ ही कंगारू टीम टेस्ट सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली। इस लो स्कोरिंग मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 225 रन बनाए। इसके जवाब में

वेस्टइंडीज की पहली पारी 143 रन पर सिमट गई। अपनी दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 121 रन से आगे नहीं बढ़ सकी इस तरह वेस्टइंडीज को 204 रन का टारगेट मिला।

बोलैंड की हैट्रिक - तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 99/6 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से अल्जारी जोसेफ ने 5 और और शमार जोसेफ ने 4 विकेट लिए। जस्टिन ग्रीव्स को एक विकेट मिला। टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के 7 खिलाड़ी शून्य पर आउट हुए। टीम के लिए जस्टिन ग्रीव्स ही ऐसे रहे, जो दोहरे आंकड़े तक पहुंच सके। उन्होंने 24 गेंद में 11 रन बनाए। ग्रीव्स को स्कॉट बोलैंड ने आउट किया। बोलैंड ने अगली दो गेंदों में शमार जोसेफ और जोमेल वारिकन को आउट कर हैट्रिक ली। इसके बाद वेस्टइंडीज की पूरी टीम 27 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क ने 6 और बोलैंड ने 3 विकेट झटके। जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला।

वेस्टइंडीज के 7 बैटर शून्य पर आउट - वेस्टइंडीज के 7 बैटर खाता नहीं खोल सके। इनमें टीम के ओपनर जॉन कैम्बेल और कप्तान रोस्टन चेज शामिल रहे। इनके अलावा केल्वन एंडरसन, ब्रैंडन किंग, शमार जोसेफ, जोमेल वारिकन और जेडन सील्स भी शून्य पर आउट हुए।

स्टार्क के 400 विकेट पूरे - 100वां टेस्ट खेल रहे मिचेल स्टार्क ने पहले ही ओवर में वेस्टइंडीज के 3 विकेट लिए। स्टार्क ने 7.3 ओवर में 9 रन देकर 6 विकेट झटके। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्टार्क ने 3 मैचों की सीरीज में कुल 15 विकेट लिए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। स्टार्क ने इस मैच के दौरान अपने टेस्ट करियर में 400 विकेट भी पूरे कर लिए। वे 400 टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियन हैं। उनसे पहले शेन वॉर्न, ग्लेन मैक्ग्रा और नाथन लायन 400 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं।

वैभव सूर्यवंशी की शानदार फॉर्म जारी

इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ टेस्ट में ठोका अर्धशतक

लंदन (एजेंसी)। केंट में चल रहे इंग्लैंड अंडर-19 बनाम भारत अंडर-19 के पहले युवा टेस्ट में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर इंटरनेट पर धूम मचा दी है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 39 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान आयुष म्हात्रे के शतक की बदौलत 540 रन बनाए। हालांकि वैभव सूर्यवंशी पहली पारी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और 13 गेंदों में तीन चौकों की मदद से केवल 14 रन ही बना पाए। इस बीच इंग्लैंड ने जवाब में 439 रन बनाए जिससे भारत अंडर-19 को 101 रनों की बढ़त मिल गई। 14 वर्षीय वैभव ने दूसरी पारी में कहर बरपाया और 39 गेंदों में 9 चौकों और एक छक्के की मदद से ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा। आर्ची वॉन द्वारा बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को आउट करने के बाद सूर्यवंशी आखिरकार पवेलियन लौट गए। बहरहाल, स्टंप्स तक भारत 239 रनों की बढ़त बना चुका है और पहला युवा टेस्ट जीतने की प्रबल संभावना है।

14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के लिए यह दौरा यादगार रहा है क्योंकि यह खिलाड़ी इंग्लैंड में हर मैच का पूरा फायदा उठा रहा है। भारत के इस सलामी बल्लेबाज ने 5 पारियों में 355 रन बनाए जिसमें एक शतक और युवा वनडे में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड शामिल है। मौजूदा टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहली पारी में उनके प्रदर्शन के बाद आलोचकों ने सूर्यवंशी की लाल गेंद की फॉर्म पर सवाल उठाए थे, लेकिन 14 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी पारी में अर्धशतक जड़कर संदेहों को शांत कर दिया, जिससे इस युवा खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ा।

सूर्यवंशी न सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी धूम मचा रहे हैं। गौरतलब है कि 14 वर्षीय इस गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम के कप्तान हमजा शेख का अहम विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह युवा टेस्ट इतिहास में विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के गेंदबाज बन गए। इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने 13 ओवर फेंके और अपनी बाएं हाथ की स्पिन से 2 विकेट लिए। इस विकेट ने मनीषी का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

जालंधर (एजेंसी)। जाने-माने मैराथन धावक फौजा सिंह की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक घातक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा दोपहर में जालंधर के पास फौजा के गृहग्राम ब्यास पिंड में हुआ। वह 114 वर्ष के थे। उनकी मौत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट किया है। जानकारी के अनुसार 14 जुलाई दोपहर करीब 3ः30 बजे सड़क पार करते समय सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें प्यार से 'टर्बन्ड टॉरनेडो' कहा जाता था और उनका जन्म 1 अप्रैल, 1911 को जालंधर में हुआ था। फौजा ने 89 वर्ष की आयु में मैराथन दौड़ना शुरू करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 100 वर्ष की आयु में 2011 टोरंटो वाटरफ्रंट मैराथन पूरी करके पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले सबसे वृद्ध व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया।

लॉर्ड्स में गांगुली का शर्ट लहराने की यादों ने आर्चर को प्रेरित किया :स्टोक्स

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने खुलासा किया कि भारत की 2002 में इंग्लैंड पर ऐतिहासिक जीत के बाद सौरव गांगुली द्वारा लार्ड्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना ने जोफ्रा आर्चर को तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। गांगुली ने नेटवेस्ट ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के फाइनल में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए अपनी शर्ट उतार दी थी और यह आज तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे नाटकीय क्षणों में से एक है।

आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को खतरनाक ऋषभ पंत को बोल्ड किया और इसके बाद वाशिंगटन सुंदर का अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लिया। भारत इस मैच में 22 रन से हार गया था। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है। पता है ना। उसने मुझसे कहा, तुम्हें पता है कि उस दिन भारत ने 300 से अधिक रन बनाकर जीत हासिल की थी और गांगुली ने शर्ट लहराई थी। उसे लग रहा था कि वह विश्व कप फाइनल था और इस घटना को आज छह साल हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में अपनी जीत उसी दिन दर्ज की जिस दिन उसने 2019 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में स्कोर बराबर रहने के बाद बाउंड्री काउंट-बैक के आधार पर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी। हालांकि, जब स्टोक्स ने आर्चर को छह साल पहले के उस महत्वपूर्ण दिन के बारे में याद दिलाया, तो तेज गेंदबाज को 17 साल पहले हुए गांगुली वाले पल की याद आ गई।

स्टोक्स ने कहा, 'मैं उस दिन की बात कर रहा था जब हमने विश्व कप जीता था लेकिन वह कह रहा था, ओह, वो वाला। वह वाकई कमाल का लड़का है। छोटे लक्ष्य के सामने ऋषभ पंत का विकेट वास्तव में महत्वपूर्ण था। मुझे पूरा विश्वास था कि जोफ्रा आज कुछ ऐसा करने वाला है जिससे मैच में अंतर पैदा हो जाए।

हिमाचल में पैराग्लाइडर क्रैश होने से गुजरात के पर्यटक की दर्दनाक मौत

धर्मशाला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटन स्थल धर्मशाला में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां पैराग्लाइडर क्रैश होने से गुजरात के अहमदाबाद से आए 25 साल के पर्यटक की मौत हो गई। धर्मशाली के बाहरी हिस्से इंद्रुनाग में यह हादसा हुआ। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कांगरा के एएसपी हितेश लखनपाल ने कहा कि यह हादसा टेकऑफ के दौरान हुआ जब ग्लाइटर हवा में उड़ नहीं सका। कुछ ही दूर जाने के बाद यह पर्यटक को लेकर जमीन पर गिर पड़ा। पर्यटक सतीश राजेश भाई और पायलट सूरज घायल हो गए। सतीश के सिर, मुंह और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। पहले उन्हें जोनल अस्पताल धर्मशाला में भर्ती कराया गया और यहां प्राथमिक उपचार के बाद टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, सूरज का इलाज कांगड़ा के बालाजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सतीश के परिवार को घटना की सूचना दी गई है और पोस्टमॉर्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया जाएगा। इंद्रुनाग में यह छह महीन के भीतर दूसरा पैराग्लाइटिंग हादसा है। जनवरी में यहां 19 साल की भवसार खुशी की मौत हो गई थी। वह भी गुजरात के अहमदाबाद की रहने वाली थी। टेकऑफ के दौरान खुशी का पैराग्लाइडर क्रैश हो गया था। एएसपी ने कहा कि पुलिस जांच कर रही है कि क्या सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। कांगड़ा के डिप्टी कमिश्नर हेमराज बैरवा ने पूरे जिले में 15 सितंबर तक पैराग्लाइडिंग पर रोक लगा दी है।

समाज में ऐसे लोग जरूरी, जो सरकार के खिलाफ अदालत जा सकें: नितिन गडकरी

नागपुर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि समाज में कुछ ऐसे लोग भी होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ अर्जी दाखिल कर सकें। उन्होंने नागपुर में दिवंगत प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार कार्यक्रम के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए जरूरी है कि किसी भी गलती पर अदालत का रुख किया जाए। अदालत के माध्यम से प्रशासन में अनुशासन बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ लोग ऐसे होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ अदालत में अर्जी दाखिल कर सकें।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से नेता अनुशासन में रहते हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि कई बार सरकार में बैठे मंत्री भी वह काम नहीं कर पाते हैं, जो अदालत के आदेश पर हो जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जनता को लुभाने की राजनीति नेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है और वे जनहित में कदम नहीं उठा पाते। इस दौरान उन्होंने ऐसे कई लोगों के उदाहरण भी दिए, जिन्होंने सरकार के खिलाफ ही किसी मामले में अर्जी दाखिल की थी। उन्होंने कहा कि प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह जरूरी चीज है। नितिन गडकरी ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ है कि जब लोग अदालत गए तो सरकार को अपने किसी फैसले से पीछे हटना पड़ा।

खोई हुई क्रिकेट बॉल ढूंढ रहा था शख्स, खाली घर में दिखा मानव कंकाल देख

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के नमपल्ली में एक शख्स अपनी खोई हुई क्रिकेट बॉल को ढूंढ रहा था, मगर इस खोज ने अचानक भयावह मोड़ ले लिया। खाली पड़े एक घर में उसने देखा कि वहां पर ढेर सारा मानव कंकाल पड़ा हुआ है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, यह मकान 7 साल से बंद था। यह डरावनी खोज उस वक्त हुई, जब उस व्यक्ति की नजर रसोई के फर्श पर पड़ी और उसने औंधे मुंह पड़ा एक कंकाल देखा। यह देखकर वह काफी डर गया और वहां से भाग निकला। इस घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह शख्स जिस वक्त अपनी गेंद को ढूंढ रहा था तब वह वीडियो भी रिकॉर्ड कर रहा था। वीडियो में दिख रहा है कि रेत से ढके फर्श पर खोपड़ी और हड्डियां बिखरी पड़ी हैं। सोशल मीडिया पर यह क्लिप वायरल हो गया है। वीडियो में यह भी नजर आता है कि आसपास बर्तन बिखरे हुए हैं और मकान सालों से खाली प्रतीत होता है। पुलिस ने मौके से सैंपल एकत्र किए हैं और फोरेंसिक जांच शुरू कर दी गई है। कंकाल की पहचान मोर्चरी की रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।पुलिस के सीनियर अधिकारी ने बताया कि मकान का मालिक मुनिर खान था, जिसके 10 बच्चे थे। इस घर में उनका चौथा बेटा रहता था, जो करीब 50 वर्ष का था। वह अविवाहित और संभवतः मानसिक रूप से बीमार था।

सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में निधन

जालंधर, एजेंसी।
विश्व के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में निधन हो गया। जालंधर में अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वहां उनकी मौत हो गई। पंजाब के जालंधर में ब्यास गांव में 1 अप्रैल, 1911 को जन्मे फौजा सिंह एक किसान परिवार में चार बच्चों में सबसे छोटे थे।

उनके पैरों में कुछ दिक्कत थी, जिस वजह से वह पांच साल की उम्र तक चलने में असमर्थ थे। लेकिन जब दौड़े तो उम्र को पीछे छोड़कर दौड़े। दुनिया उनके हौसले को सलाम करती है। उन्हें टर्बेंड टॉर्नेडो (पगड़ीधारी बवंडर), रनिंग बाबा और सिख सुपरमैन कहा जाता है। मशहूर दिवंगत लेखक खुशवंत सिंह ने उन पर किताब टर्बन टोर्नेडो लिखी थी।

फौजा सिंह का बचपन आसान नहीं था। उनके परिवार ने सोचा कि वह अपंग हैं क्योंकि वह पांच साल की उम्र तक चलने में सक्षम नहीं थे। पतले और कमजोर पैरों के कारण वह मुश्किल से लंबी दूरी तक चल पाते थे। उन्होंने अपने परिवार के लिए खेती शुरू की। उनकी शादी ज्ञान कौर के साथ हुई और उनके तीन बेटे और तीन बेटियां हुईं। साल 1992 में वह इंग्लैंड चले गए।

फौजा सिंह ने धर्मार्थ कार्यों के लिए 1999 में 89 साल की अवस्था में मैराथन में हिस्सा लेने का फैसला लिया था। उन्होंने लंदन, टोरंटो और न्यूयॉर्क में 26 मील की फुल मैराथन नौ बार पूरी की है। उन्होंने सबसे बेहतरीन समय टोरंटो में निकाला था। यहां उन्होंने पांच घंटे 40 मिनट में अपनी रेस खत्म की थी। 101 साल की उम्र में

दुनिया के सबसे उम्रदराज धावक फौजा सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मैराथन प्रतिस्पर्धा से संन्यास की घोषणा कर दी।

हांगकांग में हुई मैराथन उनकी जिंदगी की आखिरी रेस रही। फौजा यहां कोई मेडल नहीं जीत पाए, लेकिन हमेशा की तरह उन्होंने दौड़ पूरी की। उन्होंने 10 किलोमीटर की अपनी आखिरी रेस एक घंटे 32 मिनट और 28 सेकेंड में पूरी की। हालांकि वह इस दौरान अपने व्यक्तिगत रिकार्ड को भी नहीं छू पाए। 16 अक्टूबर, 2011 को वह टोरंटो मैराथन को 8 घंटे, 11 मिनट और 6 सेकंड में पूरा करके दुनिया के पहले 100 वर्षीय धावक बने। हालांकि जन्म प्रमाणपत्र नहीं होने के कारण उनका यह रिकॉर्ड गिनीज बुक में नहीं दर्ज हो सका।

जुलाई 2012 में हुए ओलिंपिक में फौजा सिंह ने ओलिम्पिक मशाल लेकर दौड़ लगाई। साल 2015 में उन्हें ब्रिटिश एम्पायर मैडल से नवाजा गया। अपनी फिटनेस के बारे में फौजा सिंह कहते थे कि मैं हमेशा हर हाल में खुश रहता हूं और रोज पंजाबी पिन्नी खाता हूं। पिन्नी खाने के बाद एक गिलास गुनगुना पानी। रात में सोने से पहले एक गिलास दूध और हर मौसम में खाने में दही मैं जरुर लेता हूं। यही मेरी तंदुरुस्ती का सबसे बड़ा राज है।

ओडिशा में खुद को आग लगाने वाली छात्रा की मौत, प्रोफेसर के यौन उत्पीड़न से थीं परेशान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न से परेशान होकर खुद को आग लगाने वाली छात्रा की मौत हो गई है। इस मामले में कॉलेज के प्रिंसिपल के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। खबर है कि राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने राज्य सरकार से उन परिस्थितियों पर रिपोर्ट मांगी है जिनके कारण कॉलेज छात्रा ने आत्मदाह का सहारा लिया।

रिपोर्ट में अस्पताल के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि छात्रा की सोमवार रात मौत हो गई। छात्रा ने प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर खुद को आग के हवाले कर दिया था। खबरें हैं कि इस घटना में वह 90 फीसदी तक झुलस गईं थीं और एम्स भुवनेश्वर में उनका इलाज चल रहा था। घटना के एक सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि घटनास्थल पर मौजूद अन्य छात्र छात्रा को बचाने के प्रयास कर रहे हैं। बुरी तरह से झुलसी छात्रा को पहले बालासोर जिला मुख्यालय अस्पताल लाया गया था। बाद में उन्हें शनिवार को ढ्ढढ्ढरू रेफर किया गया था। बर्न यूनिट में एक्सपर्ट्स की एक टीम उनके इलाज में जुटी हुई थी। पीटीआई भाषा के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को एम्स भुवनेश्वर की 'बर्न यूनिट' का दौरा किया और 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। वह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज के प्रधानाचार्य दिलीप घोष को बी.एड. छात्रा के खुद को आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने के बाद शनिवार को निलंबित कर दिया गया। छात्रा ने आरोप लगाया कि प्रोफेसर द्वारा यौन उत्पीड़न करने के मामले में उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने निलंबन आदेश में कहा कि प्रधानाचार्य मामले को ठीक से संभालने और अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहे। उन पर शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष समीरा कुमार साहू को बचाने का आरोप है, जिन्हें पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

सो नहीं पा रहा; राधिका यादव की हत्या में लव जिहाद की चर्चा पर मां कसम खा क्या बोले इनामुल हक

गुरुग्राम, एजेंसी। टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के बाद चर्चा में आए ऐक्टर इनामुल हक ने एक बार फिर लव जिहाद की अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की है। इनामुल हक ने अपने यूट्यूब चैनल पर करीब घंटेभर लाइव आकर सोशल मीडिया यूजर्स के सवालों के जवाब दिए। हक ने बार-बार मां कसम खाकर राधिका संग अपने रिश्तों को लेकर सफाई दी और यह यकीन दिलाने की भरसक कोशिश की कि उनके साथ म्यूजिक वीडियो में बतौर ऐक्ट्रेस काम कर चुकी खिलाड़ी के साथ उनका कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था।

25 साल की टेनिस खिलाड़ी की हत्या पिछले गुरुवार को उसके पिता दीपक ने गोलियां मारकर कर दी थी। दीपक ने जुर्म कबूल करते हुए कहा कि बेटी की कमाई खाने के तानों से तंग आकर उसने बेटी की जान ले ली। वहीं, हत्या के बाद यह भी अटकलें लगीं कि पिता ने रील और एक म्यूजिक वीडियो में काम करने की वजह से बेटी को मौत के घाट उतारा। यूट्यूब और फेसबुक पर राधिका और इनामुल हक का एक म्यूजिक एल्बम कारवां देखने के बाद कई सोशल यूजर्स ने लव जिहाद का एंगल खोज लिया। सोशल मीडिया पर लव जिहाद की इतना चर्चा बढ़ गई कि इनामुल हक बेचैन हो गए हैं। कई न्यूज चैनलों को इंटरव्यू देने के बाद भी जब सवाल खत्म नहीं हुए तो उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर लाइव आकर पूरी बात रखी। उन्होंने कई बार मां कसम खाते हुए यह भरोसा दिलाया कि उनका राधिका के साथ कोई रिश्ता नहीं था। इनामुल हक ने कहा कि जिस तरह इस मामले में हिंदू मुस्लिम किया जा रहा है, उसकी वजह से वह ना तो सो पा रहे हैं और ना ही खाना खा पा रहे हैं। इनामुल हक ने कहा कि उनकी राधिका से पहली मुलाकात करीब ढाई साल पहले एक टेनिस टूर्नामेंट (टैनिस प्रीमियर लीग) के दौरान दिल्ली में हुई थी। उन्होंने कहा, वहां हम टेनिस प्रीमियर लीग का शूट करने गए थे। मेरी पूरी टीम थी, मैं क्रिएटिव हेड था। हम सारे प्लेयर का शूट कर रहा था। मैं कहीं और शूट कर रहा था मेरी टीम मेट ने बताया कि एक लड़की का कैमरा लुक अच्छा आ रहा है। बाद में मेरी टीम मीट ने आकर कहा कि उस लड़की ने कहा कि ऐक्टिंग उसका शौक है। मैंने कहा कि कुछ मौका होगा तो बताऊंगा। वापस आने के बाद हमने एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो किया। हमारी वहां सिर्फ जान-पहचान हुई थी। इनामुल हक ने कहा कि एक साल बाद उनके पास एक काम आया तो राधिका से संपर्क किया था। ऐक्टर ने कहा कि नोएडा में गाने का शूट हुआ था वहां वह अपनी मां के साथ आई थी। राधिका ने उन्हें बताया था कि पिता को भी गाना पसंद आया। नोएडा में उस दिन 5-6 घंटे शूट हुआ था। इनामुल हक ने कहा कि तीन महीने पहले एक जूलरी शूट के लिए उन्होंने राधिका से बात की थी, लेकिन उन्होंने दिलचस्पी नहीं दिखाई तो आगे कोई बात नहीं हुई। इनामुल हक ने इस बात को लेकर दुख जाहिर किया कि कुछ लोग लव जिहाद का एंगल जोड़कर कह रहे हैं कि उसके पिता ने अच्छा किया। राधिका के लिए लोग कॉमेंट कर रहे हैं कि अच्छा हुआ, गर्व है इसके पिता पर। यह मुझे सबसे ज्यादा चुभ रहा है। इनामुल हक ने मां कसम खाकर कहा कि उनका राधिका के साथ कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा, मैं अपनी मां कसम खाकर कह सकता हूं कि मेरा राधिका के साथ कोई रिलेशन नहीं था। मेरे घर पर भी मां-बहन है। बेटी, मां बहन सबकी जिंदगी में आनी है। उनकी हिफाजत करना हमारा फर्ज है। जो चीज है ही नहीं, उसके बारे में लोग गंदी बाद कर रहे हैं, वह इस दुनिया से जा चुकी है। मैं खुद को मासूम नहीं कह रहा हूं, वह मासूम थी। मैं इसलिए लाइव आया हूं कि मैं राधिका के लिए भी गंदे कॉमेंट्स पढ़ रहा हूं। लोगों को इतनी नफरत है, मजहब को लेकर। लोग कुछ भी बोल रहे हैं।

अमेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इससे अमेरिका- मेक्सिको का 2019 के टमाटर समझौता खत्म हो जाएगा, जिसके तहत मेक्सिको से टमाटर बिना टैरिफ के आते थे। अमेरिकी व्यापार विभाग ने कहा कि स्थानीय किसानों के दबाव के कारण यह कदम उठाया गया, जो मेक्सिको के बढ़ते दबदबे से परेशान हैं। मेक्सिको अमेरिका में खपत होने वाले 70प्रतिशत टमाटरों की आपूर्ति करता है।

हालांकि, मेक्सिको में टमाटर उगाने वाली या आयात पर निर्भर अमेरिकी कंपनियों ने चेतावनी दी है कि इससे किराने की दुकानों में कीमतें बढ़ेंगी और सप्लाई चेन प्रभावित होंगी। वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक को इस सिलसिले में कई पत्र भेजे गए

और बातचीत की अपील की। व्यापारिक समूहों ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां 50,000 श्रमिकों को रोजगार देती हैं और मेक्सिको से टमाटरों को देश को 8.3 बिलियन डॉलर का मुनाफा होता हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 17प्रतिशत टैरिफ से अमेरिका में टमाटर की खुदरा कीमतें 8.5प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। यह शुल्क राष्ट्रपति ट्रम्प के मेक्सिको और यूरोपीय संघ से आयात पर 30प्रतिशत आधार शुल्क से अलग है, जिसकी घोषणा हाल ही में की गई थी। मेक्सिको में टमाटर उगाने वाली अमेरिकी कंपनियों समेत कुछ लोग टमाटर पर आयात शुल्क लगाने का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि आयात शुल्क लगाने से टमाटर और महंगे हो जाएंगे और अमेरिकी खरीदारों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। दरअसल, साल 2019 में अमेरिका और मेक्सिको के बीच एक समझौता हुआ था कि मेक्सिको टमाटर को एक तय न्यूनतम कीमत पर ही बेचेगा, जिससे अमेरिकी किसानों को नुकसान न हो। इस समझौते की समय-समय पर समीक्षा होती रही और टैक्स नहीं लगाया जाता रहा। अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने अप्रैल के अंत में कहा था कि उन्हें बहुत सारी शिकायतें मिलीं कि अमेरिकी किसान अब भी नुकसान में हैं, इसलिए उन्होंने पुराने समझौते से हटने का फैसला किया। यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स और नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन समेत अन्य संगठनों ने इस फैसले का विरोध किया है।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की क्या ब्लड मनी से बचेगी जान!

सना, एजेंसी। भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को कल यानी बुधवार को यमन में मौत की सजा दी जाएगी। निमिषा 2017 से जेल में बंद हैं, उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट अपने कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था। निमिषा को मौत की सजा से बचाने के लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर कई कोशिशें की गईं, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं हुआ।

यमन में सिर्फ गोली मारकर ही मौत की सजा दी जाती है। हालांकि, यहां पत्थर मारना, फांसी देना और सिर कलम करने का भी प्रावधान है, लेकिन इनका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। गोली मारने से पहले दोषी को किसी गलीचे या कंबल पर चेहरा नीचे करके लेटा दिया जाता है। इसके बाद डॉक्टर दोषी की पीठ के ऊपर दिल की जगह पर एक निशान लगाता है और फिर जल्लाद ऑटोमैटिक राइफल से उसकी पीठ में गोलियां मारता है। कुछ मामलों में मृत्युदंड से पहले कोड़े मारने की सजा भी दी जाती है।

यमन के पीनल कोड के मुताबिक किसास, हुदूद और ताजीर के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है। आंख के बदले आंख का नियम, इसके तहत हत्या के मामलों में पीड़ित के परिवार को ब्लड मनी लेकर माफी लेने का अधिकार है। व्यभिचार, समलैंगिकता, धर्मत्याग और डकैती जैसे अपराधों के लिए शरिया के तहत मृत्युदंड दिया जा सकता है। गंभीर अपराधों जैसे आतंकवाद, जासूसी, या देशद्रोह के लिए मृत्युदंड दिया जा सकता है।

भारत और पाकिस्तान में एक सप्ताह में शुरू हो जाता परमाणु युद्ध, डोनाल्ड ट्रंप ने किया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रोकने का क्रेडिट ले रहे हैं। अब उन्होंने दावा किया है कि दोनों मुल्कों के बीच परमाणु युद्ध छिड़ने वाला था। खास बात है कि भारत लगातार इस दावे को खारिज करता रहा है कि संघर्ष विराम में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका थी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने भी कार्रवाई की थी। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा, हम युद्ध रुकवाने में काफी सफल रहे हैं। भारत और पाकिस्तान को देख लें... जिस तरह से चल रहा था, वैसे भारत और पाकिस्तान में एक और सप्ताह में परमाणु युद्ध छिड़ जाता। वो बहुत बुरी तरह से चल रहा था। हमने उसे व्यापार की मदद से सुलझाया। मैंने कहा कि जब तक आप इसका समाधान नहीं करेंगे, तब तक हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे। और उन्होंने ऐसा किया...।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने इस तरह का दावा किया हो। पहले भी वह कई मौकों पर कहते रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में उन्होंने भूमिका निभाई है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी इस तरह का दावा कर चुके हैं।

यूलिया स्विरीडेंको बनीं यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री, निवर्तमान पीएम को रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी

कीव, एजेंसी।
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूलिया स्विरीडेंको को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। वहीं लंबे समय से इस पद पर रहे निवर्तमान पीएम डेनिस शम्हाल को नया रक्षा मंत्री बनाया गया है। वहीं निवर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तेम उमेरोव को अमेरिका में यूक्रेन का नया राजदूत बनाया जा सकता है। स्विरीडेंको इससे पहले यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री पद पर तैनात थीं। हालांकि अभी नई नियुक्तियों को यूक्रेनी संसद की मंजूरी जरूरी होगी। हालांकि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही जिस तरह से पूरी संसद राष्ट्रपति जेलेंस्की के पीछे लामबंद है, उसे देखते हुए उम्मीद है कि नई नियुक्तियों को मंजूरी मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक बयान जारी कर कहा कि स्विरीडेंको (39 वर्षीय) एक अर्थशास्त्री हैं, जो अब सरकार का नेतृत्व करेंगी और इसके कामकाज में बदलाव करेंगी। वहीं शम्हाल का अनुभव यूक्रेन के रक्षामंत्री के तौर पर बेहद मूल्यवान है। यही वो क्षेत्र है, जहां देश के सबसे ज्यादा संसाधन लगे हैं और सबसे बड़ी जिम्मेदारी केंद्रित है। स्विरीडेंको ने इस साल अमेरिका के साथ खनिज समझौता करने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद स्विरीडेंको की खूब चर्चा हुई थी।

प्रधानमंत्री पद के लिए नाम का एलान होने पर यूलिया स्विरीडेंको ने एक बयान जारी कर कहा कि यूक्रेन बेहद अहम दौर से गुजर रहा है और फिलहाल उनकी प्राथमिकता युद्धग्रस्त यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को बेहतर करना है, साथ ही घरेलू समर्थन कार्यक्रमों को विस्तार देना और हथियारों के उत्पादन में तेजी लाना है। स्विरीडेंको ने नौकरशाही में कमी करने, व्यापार को बढ़ावा देने और फिलहाल गैर

जरूरी खर्चों में कमी लाने की भी बात कही। स्विरीडेंको ने कहा कि फिलहाल उनका पूरा फोकस देश के सभी संसाधनों को सुरक्षा क्षेत्र में लगाने और युद्ध से उबरने पर है। यूलिया को नए पीएम बनाए जाने की कोशिश को लेकर विपक्षी पार्टियां नाराज हैं। उनका कहना है कि उप-प्रधानमंत्री को ही प्रधानमंत्री बनाना कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि बस चेहरों की अदला-बदली है। कुछ विरोधियों का यह भी आरोप है कि जेलेंस्की ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि वह अपनी सत्ता और मजबूत कर सकें। उन्होंने जेलेंस्की पर अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। यह भी घोषणा की कि वे मौजूदा प्रधानमंत्री डेनिस शिमहाल को रक्षा मंत्री बनाना चाहते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि शिमहाल का अनुभव इस पद के लिए बेहद अहम और कीमती होगा। उन्होंने बताया कि इस समय देश के सबसे अधिक संसाधन और जिम्मेदारियां रक्षा मंत्रालय से जुड़ी हैं, इसलिए इस क्षेत्र में कुशल नेतृत्व की जरूरत है। अगर संसद इस बदलाव को मंजूरी देती है, तो शिमहाल वर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव की जगह लेंगे। जेलेंस्की ने बताया कि उमेरोव को अमेरिका में यूक्रेन का राजदूत बनाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अमेरिका के साथ संबंधों में और तेज़ी और यूक्रेन के रक्षा क्षेत्र के प्रबंधन में नए कदमों की जरूरत है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129